सुविचार
जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 14 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 239 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
राष्ट्रगान के दौरान करीना ने की गलती

SHARE

सेंसेक्स	:	67,466.99
निफ्टी	:	20,070.00

SARAFA

सोना	:	5,585
चांदी	:	77.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

अगले महीने से संयुक्त रैलियां शुरू करेगा I.N.D.I.A गठबंधन

को-ऑर्डिनेशन कमेटी की हुई पहली बैठक, सीट बंटवारे पर नहीं हुआ फैसला

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बने विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की को-ऑर्डिनेशन कमेटी की पहली बैठक बुधवार को हुई। इंडिया गठबंधन अक्टूबर के पहले सप्ताह में भोपाल से संयुक्त जनसभाएं शुरू करेगा। हालांकि इस बैठक में भी सीट बंटवारे को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई। बैठक में आगे की रणनीति, सीटों के तालमेल, चुनाव अभियान कार्यक्रम और जनसभाओं समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के नई दिल्ली स्थित आवास पर यह बैठक हुई। बैठक में शरद पवार के अलावा, कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, द्रमुक के टी आर बालू, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव, जनता दल (यूनाइटेड) के संजय झा, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की महबूबा मुफ्ती, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के डी. राजा, और समाजवादी पार्टी के जावेद अली खान शामिल हुए। कांग्रेस नेता गुरदीप सप्पल भी इस बैठक में मौजूद रहे। के.सी. वेणुगोपाल ने विपक्षी गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक के बाद कहा कि इंडिया' गठबंधन अक्टूबर के पहले सप्ताह में भोपाल से संयुक्त जनसभाएं शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दल सीट बंटवारे पर बातचीत करेंगे और इस पर जल्द से जल्द फैसला करेंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि इंडिया गठबंधन जाति जनगणना के मुद्दे को उठाने के लिए सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि समिति सीट-बंटवारे के निर्धारण की प्रक्रिया भी शुरू करेगी।

बैठक के बाद शरद पवार, सीएम हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव व इंडिया गठबंधन के अन्य नेता।

सीटों को लेकर सदस्य दल बातचीत करेंगे

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, कमेटी ने देश के अलग-अलग हिस्सों में संयुक्त सार्वजनिक रैली करने का फैसला किया है। पहली संयुक्त सार्वजनिक रैली अक्टूबर के पहले सप्ताह में महंगाई, बेरोजगारी और भाजपा सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भोपाल में होगी। समन्वय समिति ने सीटों का बंटवारा तय करने की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। यह निर्णय लिया गया कि सदस्य दल बातचीत करेंगे और जल्द से जल्द निर्णय लेंगे। अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का मुकाबला करने के लिए दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने इंडिया का गठन किया है। इंडिया के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया था। बुधवार की बैठक के बाद समाजवादी पार्टी के नेता जावेद अली खान ने कहा, सीटों के बंटवारे को जल्द अंजाम दिया जाएगा।

लोकतांत्रिक तरीके से मिलेगा जवाब : हेमंत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बुधवार को समन्वय समिति की बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि फिलहाल देश की राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है। बहुत सारी चीजें सामने आ रही हैं। बहुत सारे सवाल भी हैं। राजनीतिक दलों की ओर से भी सवाल उठ रहे हैं। सभी चीजों का जवाब मिलेगा। हमारा देश लोकतांत्रिक है। इस लोकतांत्रिक देश में लोकतांत्रिक तरीके से जवाब मिलता है। हमारा गठबंधन सभी चीजों पर काम कर रहा है। हर रणनीति का तुरंत खुलासा नहीं हो सकता है। थोड़ा सब्र करें। भोपाल की रैली में क्या संदेश जाएगा, इस पर सोरेन ने कहा कि इंतजार करें, उस दिन का संदेश उस दिन ही पता चलेगा। कुछ लोगों के बैठक में न आने पर सोरेन ने कहा कि एलायंस ने इस बात को संज्ञान में लिया है। इस पर विमर्श हुआ है। सभी समस्या का समाधान है। सभी बीमारी का इलाज है।

जम्मू में मुठभेड़, DSP समेत चार जवान शहीद

दो आतंकियों को जवानों ने मार गिराया

मुठभेड़ में शहीद जवानों की फाइल फोटो।

AGENCY JAMMU : जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के साथ दो मुठभेड़ों में 3 अफसर और एक जवान शहीद हो गए हैं। अफसरों में सेना के एक कर्नल, एक मेजर और पुलिस के एक डीएसपी शामिल हैं। अनंतनाग में बुधवार को आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर उस वक्त गोली चला दी, जब वे सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसमें कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनैक और डीएसपी हुमायूं भट शहीद हो गए। यहां मुठभेड़ अभी जारी है। जवान की मौत मंगलवार को राजौरी में हुई। दो आतंकी भी मारे गए। यहां सर्चिंग के दौरान मंगलवार को सेना के डॉग की भी मौत हो गई। उसने अपने हैंडलर की जान बचाने के लिए खुद की जिंदगी दांव पर लगा दी। राजौरी में एनकाउंटर खत्म हो गया है। सेना के अधिकारी ने बताया कि एनकाउंटर में शहीद हुए आर्मी डॉग का नाम केंट था। आतंकियों की तलाश के दौरान डॉग अपने हैंडलर के आगे चल रहा था तभी उसे गोली लगी और उसकी मौत हो गई। एजेंसी के मुताबिक सोमवार को सुरक्षाबलों को राजौरी के नरला गांव में 3-4 आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी।

घाटी की शांति भंग कर रहा पाकिस्तान

नॉर्थ टेक सिंपोजियम 2023 कार्यक्रम के दौरान नॉर्दर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट उपेंद्र द्विवेदी ने एनकाउंटर को लेकर कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर क्षेत्र में आतंक फैलाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा- पाकिस्तान घाटी में शांति भंग करने के लिए सीमा पार से कट्टरपंथी बंदूकधारियों को भेजने की कोशिश कर रहा है। हालांकि हम पाकिस्तान को उसके नापाक मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगे।

BRIEF NEWS

सीबीआई ने रेलवे अधिकारी के ठिकानों से 2.61 करोड़ बरामद किए

NEW DELHI : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के गोरखपुर और नोएडा स्थित ठिकानों पर छापेमारी के दौरान 2.61 करोड़ रुपये नकद बरामद किए। जांच एजेंसी को इस दौरान कुछ संदिग्ध दस्तावेज भी मिले। सीबीआई के मुताबिक पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य सामग्री प्रबंधक केसी जोशी को तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए मंगलवार को रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया था। उसके गोरखपुर और नोएडा स्थित ठिकानों से करीब 2.61 करोड़ रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। आरोपित को लखनऊ स्थित स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई के मुताबिक रेलवे के 1988 बैच के अधिकारी प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी और उन्हें रंगेहाथों गिरफ्तार किया गया है जिसकी रिकॉर्डिंग भी एजेंसी के पास है। अधिकारी ने जेम पोर्टल पर एक फर्म का पंजीकरण रद्द नहीं किए जाने के एवज में सात लाख की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया ट्रायल को लेकर गाइडलाइन बनाने का दिया आदेश

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मीडिया ट्रायल को लेकर नाराजगी जताई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को 3 महीने के अंदर मीडिया ब्रीफिंग पर गाइडलाइन बनाने को कहा। इसके साथ ही सभी राज्यों के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को भी एक महीने के भीतर इस मामले में गृह मंत्रालय को सुझाव देने का निर्देश दिया। सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि केंद्र जल्द ही पुलिस द्वारा मीडिया ब्रीफिंग के संबंध में गाइडलाइन जारी करेगा। सुप्रीम कोर्ट 2017 से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रहा था। अब इसकी अगली सुनवाई जनवरी 2024 के दूसरे हफ्ते में होगी। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मीडिया ट्रायल से न्याय प्रभावित हो रहा है। इसलिए पुलिस में संवेदनशीलता लाना जरूरी है।

भारत को मिला पहला सी-295 परिवहन विमान

फ्रांस से 16 विमान फ्लाइंग मोड में आएंगे, 40 विमान भारत में ही बनाएगा टाटा

AGENCY NEW DELHI : भारतीय वायु सेना के लिए स्पेन में तैयार किया गया पहला सी-295 सैन्य परिवहन विमान बुधवार को मिल गया। एयरबस कंपनी ने भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी को स्पेन के सेविले में सी-295 विमान की चाबी सौंपी। एयर चीफ आज स्पेन में खुद यह विमान उड़ाएंगे। यह विमान 25 सितंबर को हिंडन एयरबेस पर एक समारोह में आधिकारिक तौर पर भारत के हवाई बेड़े में शामिल किया जाएगा। फ्रांसीसी कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ पिछले साल 24 सितंबर को 56 सी-295 सैन्य परिवहन विमानों का सौदा फाइनल हुआ था। इसी सौदे के तहत यह पहला विमान स्पेन में ही तैयार किया है। भारत को पहला विमान मिलने के साथ ही अन्य 15 विमानों के 'फ्लाइंग मोड' में आपूर्ति होने का रास्ता साफ हो गया है। समझौते के मुताबिक कंपनी को 16 विमान स्पेन में तैयार करके भारत को 'फ्लाइंग मोड' में आपूर्ति करना है, जबकि अन्य 40 विमानों का निर्माण दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही करेगा। एयरबस डिफेंस एंड स्पेस ने पहला सैन्य परिवहन विमान तैयार करके 5 मई को तीन घंटे की उड़ान का परीक्षण स्पेन के सेविले में किया था। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति ने 08 सितंबर को भारतीय वायु सेना के लिए 56 ट्रांसपोर्ट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। यह अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसमें निजी कंपनी गुजरात के वडोदरा में टाटा-एयरबस संयुक्त उद्यम में सैन्य परिवहन विमान का निर्माण करेगी। सभी 56 विमानों को स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट के साथ स्थापित किया जाएगा। विमान को हल्के पीले रंग में पेंट किया गया और इसके बाद भारतीय वायु सेना के पारंपरिक रंग 'ग्रे' की कोटिंग की गई है। पेंटिंग होने के बाद विमान के दोनों और हिंदी और अंग्रेजी में 'भारतीय वायु सेना' और 'इंडियन एयर फोर्स' लिखा गया है।

बुधवार को भारतीय सेना को मिला सी-295।

'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की अनूठी पहल

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह कार्यक्रम भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बड़ा बढ़ावा देगा, क्योंकि इससे भारतीय निजी क्षेत्र को प्रौद्योगिकी गहन और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी विमानन उद्योग में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। यह परियोजना घरेलू विमानन निर्माण को बढ़ावा देगी, जिसके परिणामस्वरूप विदेशों से आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात में वृद्धि होगी। इससे 600 उच्च कुशल रोजगार सीधे और 3000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होंगे। यह कार्यक्रम स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की एक अनूठी पहल है।

कोटा में नीट की तैयारी कर रही रांची की एक छात्रा ने किया SUICIDE

अगस्त में परीक्षा की तैयारी करने वाले सात विद्यार्थियों ने दी जान

AGENCY KOTA : सितंबर माह में कोई प्रवेश परीक्षा नहीं हुई, न ही कोई रिजल्ट घोषित हुआ। इसके बावजूद कोचिंग के विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने का सिलसिला थम नहीं रहा है। बीती रात कोटा में रहकर नीट की कोचिंग कर रही एक और कोचिंग छात्रा झारखंड के रांची निवासी रिचा सिन्हा (16) ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। कोटा के विज्ञाननगर थाना क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स के हॉस्टल के जिस कमरे में यह छात्रा रहती थी, वहां उसकी एक और अन्य छात्रा भी रूम पार्टनर थी। करीब साढ़े नौ बजे जब इस रूम पार्टनर छात्रा के पिता का फोन आया तो वह फोन पर बात करती हुई कमरे के बाहर की बालकनी में चली गई। अचानक रिचा ने बालकनी का अन्दर से दरवाजा लगा दिया और फंदे से लटक गई।

छात्रा रिचा सिन्हा की फाइल फोटो।

रांची निवासी रिचा सिन्हा पिछले मई माह में नीट की तैयारी के लिए कोटा आई थी और तब से इसी हॉस्टल में रह रही थी। इस माह कोटा में कोचिंग छात्रा के आत्महत्या की यह पहली घटना है जबकि अगस्त में कोटा में सात कोचिंग छात्रों ने आत्महत्याएं की थीं। इस वर्ष कोटा में सर्वाधिक 24 कोचिंग विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अभिभावकों व जिला प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

तनाव में आकर सुसाइड कर ले रहे हैं छात्र

कोटा, हायर स्टडीज यानी उच्च शिक्षा की कोचिंग के लिए मशहूर है। देश के कोने-कोने से बच्चे यहां मेडिकल-इंजीनियरिंग समेत तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने आते हैं। यहां परीक्षा की तैयारी करने आने वाले बच्चों में हर साल कई बच्चे आत्महत्या कर लेते हैं। तनाव में आकर अपनी जिंदगी खत्म कर लेते हैं। इस साल अब तक दो दर्जन बच्चे अपनी जान दे चुके हैं। थोड़ी-सी समझदारी दिखाएं, तो बच्चों की परेशानी दूर हो जाएगी। उनका बहुमूल्य जीवन बच जाएगा। ऐसे कई लोगों के उदाहरण हमारे पास मौजूद हैं, जिन्होंने 14416 पर मदद मांगी और उन्हें मदद मिली।

झारखंड में एक साल में चोरी के 11080 व गृहभेदन के 1928 मामले दर्ज, कानून व्यवस्था को चुनौती

चोरों का सेफ जोन बना झारखंड, घटनाओं में रांची अव्वल

SUHAIB ANSARI @ RANCHI : वजह चाहे पुलिस की सुस्त कार्यशैली हो या कुछ और, चोरों के लिए झारखंड काफी उपयुक्त राज्य है। शायद यही कारण है कि यहां बड़ी संख्या में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। लगातार चोर अलग-अलग घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को छकाने में लगे हैं। दूसरी ओर पुलिस ऐसी घटनाओं को रोक पाने में विफल साबित हो रही है। इक्का-दुक्का मामलों में आरोपियों को पकड़कर अपनी पीठ थपथपा ले रही है। दूसरी ओर कई बड़ी चोरी के घटनाओं के आरोपी धड़ल्ले से खुलेआम घूम रहे हैं। अब तो हालात ऐसे हो गए हैं कि अब लोग रात तो दूर, दिन में भी घर से बाहर जाने के हिचकिचा रहे हैं। चोरों का आतंक चरम पर है। लगातार बंद घरों को निशाना बनाया जा रहा है। दिनदहाड़े मोटरसाइकिल की चोरी हो रही है। चोर रेकी करने के बाद घटना को अंजाम दे रहे हैं। राज्य में लगातार एंटी क्राइम चेकिंग चलाया जा रहा है। पुलिस के पास अच्छे संसाधन भी हैं। राज्य के कई जिले तीसरी आंख के नजर में हैं। हर चौक-चौराहे पर हाई डेफिनेशन क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं। लेकिन चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है।

चोरी की सर्वाधिक घटनाएं राजधानी में

राज्य में हर दिन 36 चोरी हो रही है। वहीं राजधानी रांची में प्रतिदिन 10 चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार पिछले एक साल में (जुलाई 2022-जून 2023 तक) चोरी के 11 हजार 90 और गृहभेदन के 1928 मामले दर्ज किए गए हैं। दोनों मामलों में रांची आगे है। राजधानी में चोरी के 2794 और गृहभेदन के 473 मामले दर्ज किए गए है। जबकि लातेहार में चोरी के 1144 व गृहभेदन के 26 मामले दर्ज हैं।

किस जिले में चोरी की कितनी हुई घटनाएं

जिला	मामला	जिला	मामला
रांची	2794	चतरा	240
लातेहार	1144	रामगढ़	227
धनबाद	1112	कोडरमा	205
बोकारो	878	चाईबासा	180
जमशेदपुर	878	गुमला	179
हजारीबाग	696	लोहरदगा	160
देवघर	559	जामताड़ा 1	60
रेल धनबाद	410	साहिबगंज	153
पलामू	340	रेल जमशेदपुर	151
गिरिडीह	340	गढ़वा	154
गोड्डा	319	खूंटी	118
दुमका	280	पाकुड़	83
सरायकेला	268	सिमडेगा	62

किस जिले में गृहभेदन की कितनी हुई घटनाएं

जिला	मामला	जिला	मामला
रांची	473	गोड्डा	36
धनबाद	222	चाईबासा	35
जमशेदपुर	155	रामगढ़	28
हजारीबाग	145	गुमला	27
बोकारो	145	लातेहार	26
देवघर	105	पाकुड़	22
सरायकेला	86	जामताड़ा	22
पलामू	85	कोडरमा	21
गिरिडीह	64	खूंटी	20
चतरा	62	सिमडेगा	12
गढ़वा	49	लोहरदगा	9
साहिबगंज	39	रेल धनबाद	02
दुमका	38	रेल जमशेदपुर	00

बिरसा मुंडा जेल में कैदी ने काटा खुद का गला, मौत

परिजनों ने कहा- की गई हत्या

CRIME REPORTER RANCHI : बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद रहमतुल्लाह अंसारी नाम के एक कैदी ने गला काटकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में मृतक के परिजनों का आरोप है कि रहमतुल्लाह की जेल में ही गला काटकर हत्या की गई है। बुधवार को जेल प्रशासन के द्वारा गंभीर हालत में रहमतुल्लाह अंसारी को रिम्स में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रहमतुल्लाह मूल रूप से कांके थाना क्षेत्र के हुसीर का रहने वाला था। कांके पुलिस ने कार चुराने के आरोप में बीते दो अप्रैल 2022 को उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

2 महीने पहले भी एक कैदी ने गला काटकर किया था आत्महत्या का प्रयास : बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बीते 13 जुलाई को भी एक कैदी ने खुदकुशी की कोशिश की थी। उसने खुद का रेत लिया था। ब्राउन शुगर बेचने के आरोप में जेल में बंद जवाहर लाल बानरा ने नाई के अस्तुरा के खुद का गला रेत लिया था।

कार चोरी के आरोपी में पुलिस ने भेजा था जेल

मालमू हो कि अपर बाजार निवासी अमित कुमार 27 मार्च 2022 की रात आठ बजे बीएयू ग्राउंड में क्रिकेट मैच खेलने आया था। मैच समाप्ति पर रात 11 बजे ग्राउंड में लगी उसकी कार गायब हो गई थी। इस संबंध में पीड़ित ने कांके थाना में कार चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इधर, पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कार हुसीर में एक घर के सामने खड़ी है। इसके बाद पुलिस ने रहमतुल्लाह अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

THE PHOTON NEWS

"राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।"
महात्मा गांधी

"हिन्दी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।"
माखनलाल चतुर्वेदी

"जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता।"
डॉ. राजेंद्र प्रसाद

"हिन्दी उन सभी गुणों से अलंकृत है, जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषा की अगली श्रेणी में समासीन हो सकती है।"
मैथिलीशरण गुप्त

"मैं उन लोगों से हूं, जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिन्दी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है।"
बाल गंगाधर तिलक

"प्रान्तीय ईर्ष्या-द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता इस हिन्दी प्रचार से मिलेगी, उतनी दूसरी किसी चीज से नहीं मिल सकती।"
सुभाषचंद्र बोस

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।

अंग्रेजी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन।
पै निज भाषा-ज्ञान बिन, रहत हीन के हीन।।

उन्नति पूरी है तबहिं, जब घर उन्नति होय।
निज शरीर उन्नति किए, रहत मूढ़ सब कोय।।

निज भाषा उन्नति बिना, कबहुं न हैं सोय।
लाख उपाय अनेक यों भले करे किन कोय।।

इक भाषा इक जीव इक मति सब घर के लोग।
तबै बनत है सबन सों, मिटत मूढ़ता सोग।।

और एक अति लाभ यह, या में प्रगट लखात।
निज भाषा में कीजिए, जो विद्या की बात।।

तेहि सुनि पावै लाभ सब, बात सुनै जो कोय।
यह गुन भाषा और महं, कबहूं नाहीं होय।।

विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार।
सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।

भारत में सब भिन्न अति, ताहीं सों उत्पात।
विविध देस मतहू विविध, भाषा विविध लखात।।

सब मिल तासों छांड़ि कै, दूजे और उपाय।
उन्नति भाषा की करहु, अहो भ्रातगन आय।

भारतेंदु हरिश्चंद्र

"मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं, पर मेरे देश में हिन्दी की इज्जत न हो, ये मैं सह नहीं सकता।"
आचार्य विनोबा भावे

हिन्दी में कितनी हिन्दी

संजय शेफर्ड

यह हिंदी दिवस का मौका है और हिंदी भाषा को लेकर चारो तरफ पर्व जैसा माहौल है। कहीं पर कार्यक्रम हो रहे हैं, कहीं पर प्रतियोगिताएं और कहीं पर वाद- विवाद तो कहीं पर विचार और विमर्श। यह सब इस लिहाज से जरूरी भी है क्योंकि हिन्दी सिर्फ भाषा ही नहीं बल्कि एक समाज भी है। एक ऐसा समाज जो हिंदी भाषा के समावेशी स्वभाव को जाहिर करता है। जिसमें हिंदी क्षेत्र की बहुत सारी अच्छाइयां, बुराइयां और सवाल शामिल हैं। यह सवाल ही हैं जो हिन्दी में तरह-तरह के पहलुओं को उजागर करते हैं और हिंदी भाषा और समाज से जुड़े तमाम तरह के विषयों को जन्म देते हैं।

हिंदी दिवस की अवधारणा और इतिहास भी इन्हीं तमाम सवालों और विषयों से जुड़ा हुआ है। इसके इतिहास पर एक नजर डालें तो हमें पता चलता है कि देश को आजादी मिलने के तकरीबन दो साल बाद 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था और इसी के बाद से हिन्दी की अनदेखी को रोकने के लिए हर साल 14 सितंबर को देशभर में हिंदी दिवस मनाया जाता है। कई लोग यह सवाल उठाते हैं कि हम 14 सितम्बर को ही हिन्दी दिवस क्यों मनाते हैं। इसका जवाब यह दिया जाता है कि इस दिन हिन्दी भाषा के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे।

तभी से हिंदी दिवस को एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। लेकिन आजादी के इतने साल बाद भी सवाल यही है कि क्या हिंदी इस स्थित में है कि उत्सव मनाया जा सके? इस पर सबके अपने अलग-अलग मत हो सकते हैं। लेकिन यह सवाल अभी भी सार्वभौमिक है कि क्या हिंदी दिवस मनाने से हिन्दी की अनदेखी क्या रुक पाई? नहीं, आज भी हिन्दी की उतनी ही अनदेखी हो रही है जितनी की कभी पहले थी। एक तरह से देखा जाए तो वर्तमान में हिन्दी एक आरक्षित भाषा के तौर पर स्थापित हो चुकी है और इससे बहुत सारे मुद्दे गायब नजर आते हैं।

वर्तमान की हिन्दी की लड़ाई अभी भी वहीं अटकी हुई नजर आती है, जिसके लिए काका कालेलकर, मैथिलीशरण गुप्त, हजारीप्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा, सेठ गोविन्ददास आदि साहित्यकार निरंतर संघर्ष करते रहे। आज भी अगर हम समग्रता में देखें तो हिन्दी भाषा और समाज में जो स्थित पुरुषों की है, वही स्त्रियों की नहीं है। भाषा में वर्चस्ववाद की जो प्रवृत्ति है वह अभी भी कायम है। हिन्दी भाषा और समाज से स्त्रियों के मुद्दे और अवसर दोनों ही गायब है। आज आजादी के 50 साल बाद भी लोगों को यह नहीं समझ में आ पाया कि जैसे- जैसे हिन्दी भाषा और समाज में स्त्रियों की सहभागिता और दखल बढ़ रही है। हिन्दी में स्त्री आलोचना की एक नई दृष्टि की जरूरत पड़ेगी। स्त्री लेखिकाएँ आज भी उन्हीं चुनौतियों का सामना कर रही हैं जिसका पहले कर रही थी।

ठीक यही स्थिति कमोवेश भाषा के स्तर पर भी है। हम अभी भी बहुत सारे अंग्रेजी के ऐसे शब्द उपयोग में लाते हैं जिनके लिए हिन्दी में कोई शब्द ही नहीं है। ना ही इस पर कहीं कोई काम होता दिखाई दे रहा है। ऐसे में हिन्दी के विस्तार की जो बात की जाती है कहीं ना कहीं बहुत ही खोखली और उथली जान पड़ती है। हमने जैसे अपनी भाषा और शैली गढ़ी वैसे ही बहुत सारे शब्द भी गढ़ने होंगे। हिन्दी भाषा के साथ हिन्दी समाज की भी बात करनी होगी ताकि लोगों को अपनी भाषा से जुड़ाव हो सके। लेकिन इस स्तर पर भी हिन्दी भाषा की वकालत करने वाले लोग भी हिन्दी समाज के लोगों के बीच संवेदना नहीं पैदा कर पाए।

हिन्दी भाषा की बात अंततः हिन्दी में तकनीकी की बात पर आकर रुक जाती है। तकनीकी ने हिन्दी की पहुंच को निसंदेह विस्तार देने का काम किया है लेकिन वर्तमान में अक टूल्स क्या हिन्दी में भी उसी तरह से काम कर रहे हैं जैसे कि अंग्रेजी अथवा दुनिया की अन्य भाषाओं के साथ काम कर रहे हैं? शायद नहीं। अक टूल्स जितनी सहजता से अंग्रेजी भाषा के साथ काम करते हैं, उतनी ही सहजता से हिन्दी और अन्य हिंदुस्तानी भाषाओं के साथ नहीं करते हैं।

यह सब कुछ ऐसे सवाल हैं जो इस बात की माँग करते हैं कि हिन्दी को सिर्फ. उत्सवधर्मिता तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि भाषा और समाज से जुड़े मुद्दों पर गम्भीरता से काम करना चाहिए ताकि हिन्दी भाषा को एक समावेशी भाषा के तौर पर स्थापित किया जा सके। अन्यथा यह सवाल उठना लाजमी है कि हिन्दी में कितनी हिन्दी है।

व्यंग्य

हैप्पी हिन्दी डे

दिलीप कुमार

हे कूल डूड ऑफ हिंदी, टुडे इज द बर्थडे ऑफ हिंदी ,ईट्स ऑवर मदर टंग एन प्राइड आलसो ,सो लेट्स सेलेब्रेट ।यू आर कॉर्डियाली इनवाइटेड। लेट्स मीट एट 8 पीएम, इंडीड देअर विल भी 8 पीएम, वेन्यू,, ब्लैक डॉग हैंग आउट कैफे, ब्लैक डॉग,,, योर फेवरेट ब्रो

मोबाईल पर ये खबर मिली जो कि मुझे निमंत्रण था हिंदी के जन्मदिन में शामिल होने का।मैं थोड़ा विचार करने लगा कि हिंदी दिवस पर हिंदी के लेखक को बुलाने के लिए क्या हिंदी के शब्दों का अकाल पड़ गया।

वैसे भी हिंदी का लेखक होना किसी गन्धर्व के श्राप को झेलने का वरदान है। हिंदी का लेखन वो दरिद्र व्यापार है जो युगों युगों से माइनस में रहा है और समझदार लोग बताते हैं कि आने वाले अनंतकाल तक माईनस ही रहेगा।

मुद्रास्फीति बढ़ती गयी, लेखकों की इज्जत और मानदेय घटते गये। हिंदी के लेखक के लिये रॉयल्टी की उम्मीद वैसे ही है जैसे गांधी जी की अंतिम आदमी तक सुराज की पहुंच।

जैसे गांधी जी के अंतिम आदमी के लिए सुराज है तो बस मिल नहीं पाता है ,वैसे ही हिंदी के लेखक के लिये रॉयल्टी है तो, बस मिल नहीं पाती -

'खुदा ना सही, खुदा का ख़्वाब ही सही
कोई हसीन नजारा तो है इस नजर के लिए'

खैर, जिस तरह से सामान्य विवाहित पुरुष पूरे साल लतियाये जाने की धमकी पत्नी से सुनता रहता है और करवा चौथ के दिन उसके पांव धोये जाते हैं उसी तरह हिंदी के साहित्यकार की पूरे साल खिल्ली उड़ायी जाती है उसे हिंदी का लेखक होने के नाते हतोत्साहित किया जाता है मगर हिंदी दिवस के अवसर पर उसे झाड़ पोंछ कर सामने लाया जाता है, उस पर गर्व किया जाता है, उसे पुरस्कार, मान और सम्मान दिया जाता है।

परिवार वाले भी सोचते हैं कि पूरे साल तो ये लेखन में समय, ऊर्जा और धन गंवाता रहता है आज शायद ये कुछ हथिया लाये। सो उस दिन वो लोग भी रात को पहन कर सोने वाले कुर्ते-पायजामे पर नील लगाकर इस्त्री कर देते हैं कि आज तो कुछ ना कुछ बात बनेगी। पूरे दिन मुझे खांटी हिंदी बोलने वाले और अंग्रेजी की चार लाइनें ना समझ पाने वाले लोग हिंदी के जन्म दिन की बधाई देते रहे, जिसमें सबसे ज्यादा बार मुझसे कहा गया और मुझे इसरार करके बताया गया कि हिंदी माथे की बिंदी है।

मैंने लोगों से विनम्रता पूर्वक कहा-

'मुझे जो ये आप बिंदी की दुहाई दे रहे हैं इस बाबत आपका अनुमान गलत है। हिंदी मेरी पूजा है, आराधना है, लेकिन हिंदी से मेरा दोस्ताना नहीं है। हिंदी मेरी कर्तव्य परायणता है, कोई शौक या लत नहीं, लेकिन लोग बारंबार मुझे बताते रहे कि हिंदी माथे की बिंदी है'।

सोशल मीडिया के अपने अकाउंट चेक किये तो हर इंसान मुझे हिंदी को लेकर नैतिक ज्ञान और जिम्मेदारी की हूल देता हुआ मिला, ऐसा लग रहा था मानो मेरे लेखन शुरू करने से पहले हिंदी का स्वर्णकाल था, सर्वत्र देश में सुदूर दक्षिण तक धारा प्रवाह हिंदी ही बोली जा रही थी, जबसे मेरे मनहूस कदम हिंदी में पड़े बस तभी से अंग्रेजी का बोलबाला हो गया, क्षेत्रीय भाषाओं की हिंदी से गलबहियां थी जो मेरे आते ही एक दूसरे से तने हुए हैं।

बोलियों का पहले बहनापा था मेरे ही आते सौतन की तरह ऐंठी रहती हैं एक दूसरे से ।पहले हिंदी सिनेमा के सितारे शुद्ध हिंदी में इण्टरव्यू देते थे और अभी हाल ही में उन लोगों ने हिंदी में इंटर व्यू देना शुरू किया।कुछ मेसेज तो मुझे ऐसे मुंह चिढ़ा रहे थे मानो मेरे और मेरे समकालीनों के लेखन की ये जिम्मेदारी है कि देश के कुछ प्रान्तों में हिंदी बोलने वालों पर हमले हम लोग रुकवाएं वरना पहले तो लोग जहां जहां विवाद है, वहां के लोग एक दूसरे को गले लगाये हुए रहते थे ।

अब मानो ये सब अभी शुरू हुआ है वरना इससे पहले तो लोग हिंदी भाषा बोलने पर और देशी वेश-भूषा पर किसी पब या सार्वजनिक स्थान पर जाने से रोके नहीं गए थे, अब हमारे समकालीन लेखकों की ये जिम्मेदारी है कि वो इस असहिष्णुता को रोकें।

हिंदी किस हाल में है ,इस देश में ये किससे कहा जाये ,लेकिन इसकी समृद्धि, फिजी, गुयाना और मारीशस में होने सम्मेलनों में दिखायी पड़ती है। सुन्दर, सजे, रंग-बिरंगे होटलों में जब हवाई जहाज से लद लद कर साहित्यकार वहां पहुंचते हैं और वहाँ के टूरिस्ट स्पॉट्स की लुभावनी तस्वीरें पोस्ट करते हैं तो भारत में अपनी पांडुलिपि के उधार पैसे ना चुका पाने वाला लेखक ये सोचता है कि कब मैं भारतीय लेखक से इंडियन राइटर बनूंगा ।

वह उधार की बीड़ी का सुट्टा लगाते हुए दुष्यंत कुमार से संवाद करता है-

'रोज अखबारों में पढ़ कर ये ख्याल आया हमें
इस तरफ आती तो हम भी देखते फसले बहार'

हिंदी ने सिर्फ इस देश में कुछ चुनिंदा लोगों को विदेश यात्रा भी करवा दी ,आउट ऑफ टर्न प्रमोशन भी दिला दिया ,बस यही एक बात खटकती है कि वो हिंदी के लेखक हैं ये बात या तो सिर्फ सरकार जानती है या वो खुद ।इसी उहापोह में डूबा था, तब तक मुझे विद्रोही जी मिल गए ।हम दोनों ने एक दूसरे को अपने शापित होने की बधाई दी, मैंने उन्हें शाम के निमंत्रण के बारे में बताया उन्होंने मुझसे बीड़ी की मांग की ।इस अजीम तरीन दिन के सबब मैंने उनसे नार्वी की नज्म सुनाने की अर्ज की जिसका उन्वान था

'बीड़ी जला'।

उन्होंने नज्म खत्म की और बीड़ी का कश लगाना शुरू किया, फिर मुझसे पूछा -

'एक आदमी ना किताब लिखता है
एक आदमी ना किताब पढ़ता है
फिर भी वो हिंदी सम्मेलन में विदेश जाता है
वो आदमी कौन है ,
आज हिंदी वाले इस बात पर क्यों मौन हैं।'

मैं अपने यार की बात समझ गया ,हमेशा की तरह मैंने उसकी बात का जवाब नार्वी की उसी पंक्ति से दिया-

'कल भी सिर्फ बीड़ी जली थी,आज भी बीड़ी जला ₹।

हम दोनों एक दूसरे को देखकर मुस्कराये तब तक कॉन्वेंट में पढ़ कर लौट रहे मेरे बेटे ने हम दोनों को देखकर हाथ हिलाते हुए कहा -

'हैलो पापा,हेलो अंकल ,हैप्पी हिंदी डे टू बोथ ऑफ यू।'

अब हमारी शक्लें देखने लायक थीं।

हिन्दी

प्रियेश कुमार तिवारी

ग्राम हेतिमपुर मठिया पोस्ट हेतिमपुर जिला देवरिया उप्र।

जन जन की भाषा है हिंदी,
भारत की आशा है हिंदी,
जिसने पूरे देश को जोड़ रखा है
वो मजबूत धागा है हिंदी
हिन्दुस्तान की गौरवगाथा है,
एकता की अनुपम परंपरा है हिंदी
जिसके बिना हिन्द थम जाए
ऐसी जीवनरेखा है हिंदी
जिसने काल को जीत लिया है
ऐसी कालजयी भाषा है हिन्दी
सरल शब्दों में कहा जाये तो
जीवन की परिभाषा है हिंदी
हर दिल की धड़कन है हिन्दी
ज्ञान का महासागर है हिंदी।
हिन्दी है भारत मां की शान
हिन्दुस्तान की आवाज है हिंदी
बच्चों का पहली अभिव्यक्ति है
माँ के प्रेम की छाया है हिंदी
हिन्दी ही तो पिता का प्यार है
वीर शहीदों की मान है हिंदी।

विश्व का तोरण द्वार है हिंदी

राष्ट्रभाषा बनाम राजभाषा

डॉ जंग बहादुर पाण्डेय
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग
रांची विश्वविद्यालय।

भारत एक महान एवं विशाल देश है। इसमें 29 राज्य हैं। विभिन्न राज्यों की विभिन्न भाषाएँ हैं - बंगाल की बांगला, असम की असमिया, उड़ीसा की उड़िया, महाराष्ट्र की मराठी, तमिलनाडु की तमिल, केरल की मलयालम, कर्नाटक की कन्नड़, छत्तीसगढ़ की छत्तीसगढ़ी, गुजरात की गुजराती, राजस्थान की राजस्थानी आदि; किन्तु जो भाषा सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती है ,वह तो हिंदी ही है। राष्ट्र में सम्पूर्णता के धरातल पर जिस भाषा में भाव और विचार की अभिव्यक्ति होती है उसे राष्ट्रभाषा की संज्ञा दी जाती है। भारतीय संविधान की अष्टम अनुसूची में 22 भाषाएँ स्वीकृत हैं। राष्ट्रभाषा एक सामासिक पद है जिसका शाब्दिक अर्थ है राष्ट्र की भाषा ।संविधान की अष्टम अनुसूची में स्वीकृत सभी 22भाषाएँ राष्ट्र भाषाएँ हैं और व्यापक अर्थ में भारतवर्ष में जितनी भाषाएँ बोली , समझी और लिखी जाती हैं, वे सब राष्ट्रभाषा की गरिमा से युक्त हैं। लेकिन विशिष्ट अर्थ में अधिकाधिक लोगों द्वारा बोली समझी और लिखीजाने वाली हिंदी ही राष्ट्रभाषा है। राजभाषा भी एक सामासिक पद है,जिसका अर्थ है:राज काज की भाषा, राजा की भाषा अर्थात राज्य का काज जिस भाषा में होता है उसे राजभाषा कहते हैं। प्राचीन काल में संस्कृत इस देश की राजभाषा थी मुगल काल में फारसी ,ब्रिटिश काल में अंग्रेजी और स्वतंत्र भारत में हिन्दी इस देश की राजभाषा बनी। आजादी मिलने के बाद संविधान निमार्ताओं ने 14 सितम्बर 1949 में हिंदी को राजभाषा का पद संविधान द्वारा प्रदान किया ।26 जनवरी 1950 को जब हमारा संविधान लागू, तब से हिंदी इस देश की संवैधानिक तौर पर राजभाषा है। संविधान के भाग 5, 6 एवं 17 के कुल 11 अनुच्छेदों में राजभाषा हिंदी की चर्चा है।

संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के अंतर्गत हिंदी को राजभाषा की मान्यता प्राप्त होती है। राजभाषा से हमारा तात्पर्य उस भाषा से है, जिसमें राज-काज का संचालन होता है। संविधान में राजभाषा हिंदी की भूमिका निम्नाकित रूप में निर्धारित है :

1 संघ की राजभाषा के रूप में।

2 दूसरे राज्यों और प्रदेशों के बीच संपर्क भाषा के रूप में,

3 संघ और राज्यों के बीच तथा एक-दूसरे राज्यों के बीच पत्राचार की भाषा अर्थात संपर्क भाषा के रूप में।

हमारा संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ उस समय कहा गया कि सिद्धांत रूप में हिंदी राजभाषा रहेगी परन्तु 15 वर्षों तक राजकाज का काम अंग्रेजी द्वारा ही किया जाएगा। राजभाषा हिंदी पोस्ट डेटेड चेक बना दी गई जिसका दुष्परिणाम आज तक हिंदी को भुगतना पड़ रहा है। संघ की भाषा के रूप में हिंदी को मात्र संवैधानिक मान्यता है। आज भी हिंदी भाषा नीति के अंतर्गत सत्ता और प्रशासन के कार्य हिंदी-अंग्रेजी के अनुवादित रूप में सम्पादित होते हैं। राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए राजभाषा मंत्रालय, हिंदी निदेशालय, गृहमंत्रालय की हिंदी शिक्षण योजनाएँ प्रायोजित हैं। प्रत्येक विभाग में राजभाषा पदाधिकारी या हिंदी अधिकारी कार्यरत हैं। हिंदी प्राध्यापक, अहिन्दी भाषी कर्मचारी एवं अधिकारियों को हिंदी प्रशिक्षण देकर प्रवीणता प्राप्त कराने में सहयोग करते हैं किन्तु खेद है कि आज भी कार्यालयी भाषा हिंदी नहीं, अंग्रेजी है। प्रशासन की भाषा राजभाषा कहलाती है। राजभाषा का सामान्य अर्थ राजकाज चलाने की भाषा अर्थात भाषा का वह रूप जिसके द्वारा राजकीय काज चलाने की सुविधा हो। राजभाषा से राजा की भाषा अथवा राज्य की भाषा दोनों अर्थ लिए जा सकते हैं। केंद्र की राजभाषा को संघ भाषा भी कहा जाता है। प्रशासन तथा न्याय की भाषा होने के कारण सरकारी दृष्टि से राजभाषा का बहुत महत्व होता है। राजभाषा का प्रयोग प्रमुख चार क्षेत्रों में किया जाता है - शासन, विधान, न्यायपालिका एवं विधायिका।

स्वतंत्र भारत में नए संविधान की रचना तथा भारत के गणराज्य बन जाने पर भारतीय संविधान के लागू होने से पूर्व राष्ट्रभाषा शब्द का प्रयोग उसी अर्थ में होता था - जिस अर्थ में आज राजभाषा शब्द का प्रयोग होता है। वस्तुतः हिंदी राष्ट्रभाषा है, राजभाषा की क्षमता से पूर्ण है और अन्य भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएं हैं। क्योंकि हिंदी ही सम्पूर्णता के साथ भारत की जातीय गरिमा, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उच्चता, जीवन मूल्य और मानवता, अस्मिता, स्वतंत्रता, एकता, अखंडता को वाणी प्रदान करने में सक्षम है। आज हिंदी ही शैक्षिक, वैज्ञानिक, औद्योगिक, सामाजिक उपलब्धियों के मूल्यांकन और संरक्षण की भाषा है। डॉ राकेश चतुर्वेदी के शब्दों में - हिंदी जातीयता, क्षेत्रीयता, प्रांतीयता, धर्मार्थता एवं संकीर्णता के दायरे तोड़कर विश्व भाषाओं के साहचर्य में वैज्ञानिक संस्कृति की निर्भ्रान्त नियोजिका है। इसे नहीं बनना है राजभाषा अंग्रेजी की अधिकारिणी यह तो जन भाषा है। संघर्ष और संस्कार, भारतीयता और अस्मिता की भाषा है अतः इसकी शाश्वतता सर्वकालिक और सार्वभौमिक है। इसी लिए राष्ट्रकवि गोपाल सिंह नेपाली ने हिंदी को भारत की बोली कहते हुए लिखा है कि-

यह दुखड़ो का जंजाल नहीं, लाखों मुखड़ों की भाषा है।
थी अमर शहीदों की आशा, अब जिंदो की अभिलाषा है।।
मेवा है इसकी सेवा में, नैनों को कभी न झपने दो।
हिंदी है भारत की बोली तो अपने आप पनपने दो।।

राष्ट्रभाषा हिंदी की उन्नति राष्ट्र की सार्वत्रिक, सर्वव्यापी उन्नति का मूल है। हिंदी अब राष्ट्रीय ही नहीं एक अंतर्राष्ट्रीय भाषा भी है,क्योंकि अब यह सात समुद्र पार भी बोली और समझी जाने लगी है। हिंदी को विधिवत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा दिलाने के लिए अब तक 11 विश्व हिंदी सम्मेलन हो चुके हैं। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10-12जनवरी1975 में नागपुर (भारत)में और एकादश विश्व हिंदी सम्मेलन मारीशस की राजधानी पोर्ट लुई में 18 से 20 अगस्त 2018 में सम्पन्न हुआ।हम प्रयत्न करें कि यह अपने देश में ही नहीं फूले-फले अपितु संयुक्त राष्ट्र संघ में स्थान पाकर विश्व में अपनी ज्योति फैलाए।हिंदी संस्कृति और संस्कार लिए हुई विश्व का तोरण द्वार है:

केश है कंघा है,कच्छा कड़ा,
सिख धर्म के हाथ कटार है हिंदी।
बात करो दिन रात जहाँ मन,
चाहे बेतार का तार है हिंदी।
पूजा से पूर्व पुरोहित हाथ,
सजायी हुई थार है हिंदी।
संस्कृति और संस्कार लिए हुई,
विश्व का तोरण द्वार है हिंदी
जय हिन्द, जय हिन्दी

BRIEF NEWS

सीएम हेमन्त सोरेन से मंत्री बेबी देवी ने की मुलाकात

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की मंत्री बेबी देवी ने मुलाकात की। मंत्री ने डुमरी विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में मिली जीत के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया तथा उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंत्री को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही कहा कि राज्य के भूतपूर्व शिक्षा मंत्री स्व. जगरनाथ महतो के सपनों को पूरा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। हमारी सरकार उनके आदर्श एवं विचारों को आत्मसात करते हुए समस्त झारखंड वासियों की खुशहाली, उन्नति और सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगरनाथ महतो के सपनों को पूरा कर सशक्त एवं समृद्ध झारखंड बनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

राज्यपाल से प्रमंडलीय आयुक्त सहित कई अन्य ने की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को प्रमंडलीय आयुक्त सहित अन्य लोगों ने राजभवन में मुलाकात की। सबसे पहले राज्यपाल से उत्तरी छोटानागपुर की प्रमंडलीय आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। सुमन कैथरीन हजारीबाग जिले के विनोबा भावे विश्वविद्यालय की कुलपति भी है। उन्होंने इस दौरान शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल से ह्यमिट्टी बचाओ आंदोलनह्व के मोहित निरंजन एवं अन्य ने भी मुलाकात की। साथ ही राज्यपाल को अपने प्रयासों से अवगत कराया। इनके अलावा राज्यपाल से आईसीएआर-एनआईएसए, रांची के निदेशक डॉ. अभिजीत ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संस्थान की गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया।

झारखंड राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार के अध्यक्ष बने पीआरके नायडू

RANCHI : राज्य सरकार ने रिटायर्ड आईपीएस पीआरके नायडू को झारखंड राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में मंगलवार की देर शाम गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है।

वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी ने की बैठक

RANCHI : मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने वरीय पुलिस पदाधिकारीयों के निर्देशानुसार थाना क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंप संचालको के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बैठक किया और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में थाना क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंप संचालक उपस्थित हुए। उन्होंने थाना प्रभारी से विचार-विमर्श कर पेट्रोल पंप पर किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए सुरक्षात्मक कार्य व्यवस्थित करने का आश्वासन दिया। सुरक्षित कैश काउंटर, सायरन, विश्वनीय कर्मचारी, हैवी कैमरा, कथित संदिग्ध ग्राहकों पर पैनी नजर, संदेह होते ही सायरन का प्रयोग एवं 100 नंबर डायल कर या स्थानीय प्रशासन को सूचित करने की बात कही गई। मौके पर मांडर अंचल इंसपेक्टर अवधेश ठाकुर, तिग्गा फ्यूल सेंटर के संचालक सुदीप तिग्गा, साहु फ्यूल सेंटर के मनोहर साहु, पंकज फिलिंग स्टेशन के अशोक साह, विकास सिंह, मिथलेश कुमार, मुस्लिम अंसारी, परमेश्वर महतो मौजूद थे।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

आयुष्मान भवः स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की अहम पहल : GOVERNOR

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुलभ बनाने के लिए दूरदर्शी स्वास्थ्य कार्यक्रम आयुष्मान भवः अभियान का बुधवार को ऑनलाइन शुभारंभ किया। ऑड्रे हॉउस, रांची में आयोजित इस वर्चुअल कार्यक्रम में झारखंड से इस अभियान का शुभारंभ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आयुष्मान भवः सिर्फ एक कथन मात्र नहीं है। यह एक प्राचीन संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है, आप लंबे समय तक जीवित रहें और स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भवः कार्यक्रम प्रत्येक लाभुक तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक व्यापक पहल है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है।

ऑनलाइन कार्यक्रम में मौजूद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन व अन्य। • फोटोन न्यूज

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के जरिये शुभारंभ की गई प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जो पांच लाख रुपये तक की चिकित्सा कवरेज प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत 17 सितंबर से एक अभियान शुरू किया जा रहा है, जिससे पीएम-जेएवाई योजना के तहत सभी शेष पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक आयुष्मान भवः कार्यक्रम का लाभ पहुंचे, इसके लिए हम कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि अब तक एक करोड़ 22 लाख लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल चुका है लेकिन हमारा लक्ष्य 02 करोड़ 69 लाख लोगों को इस योजना का लाभ पहुंचाना है। इस दिशा में राज्य सरकार कार्य कर रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भवः अभियान सरकार की अद्भुत पहल है। यह अभियान 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलेगा। इस कार्यक्रम के तहत लाखों परिवारों को अब आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। इससे लोगों को इलाज के लिए बीमा कवरेज भी प्राप्त होगा। इसका उद्देश्य परिवारों को इलाज के भारी खर्च के बोझ से बचाना है।

स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने आयुष्मान भवः के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयुष्मान आपके द्वार 3.0, आयुष्मान सभा, आयुष्मान मेला और आयुष्मान ग्राम कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ हैं। आयुष्मान भारत द्वारा स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एबी-एचडब्ल्यूसी) पर आयुष्मान मेला आयोजित किया जाएगा। आयुष्मान सभा केंद्र और राज्य सरकारों की सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लाभुकों को सुनिश्चित कराने के लिए ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समिति के नेतृत्व में एक ग्राम-स्तरीय अभियान चलाया जाएगा।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों, पांच बार से ज्यादा रक्तदान करने वाले लोगों और एचडब्ल्यूसी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई लोगों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर रांची के सांसद संजय सेठ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक आलोक त्रिवेदी सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारीगण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित डॉक्टर्स, पारामेडिकल्स, स्वास्थ्यकर्मी एवं आयुष्मान भारत के लाभुक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना पर गलत बयानबाजी कर रहे सीएम : संजय सेठ

PHOTON NEWS RANCHI : सांसद संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना पर मुख्यमंत्री गलत बयानबाजी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का आवंटन बंद करने की हेमंत सोरेन की बात का खंडन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपनी नाकामी को छुपाने के लिए केंद्र पर गलत आरोप लगा रहे हैं।

संजय सेठ की फाइल फोटो।

संसद ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है कि हर गरीबों को पक्का मकान मिले। इसके लिए केंद्र की ओर से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवार को पक्का मकान बनाने के लिए सहायता राशि केंद्र जरिये दी जाती है लेकिन झारखंड सरकार की ओर से आवंटन राशि की उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं देने के कारण नया आवंटन नहीं दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से बार बार उपयोगिता प्रमाण पत्र की मांग की जा रही है। राज्य सरकार उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दे रही है।

सांसद ने कहा कि पिछले नौ सालों में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बने हैं। केंद्र ने जो आवंटन दिया था, उसमें अभी भी 55 हजार आवास अधूरे हैं। झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना में बिचौलिया हावी हैं। भ्रष्टाचार के कारण आवास अधूरे हैं। सरकार मौन है। मुख्यमंत्री को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी नाकामी को छुपाने के लिए केंद्र पर दोषारोपण नहीं करें।

रांची-गिरिडीह इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रांची स्टेशन से किया गया रवाना

PHOTON NEWS RANCHI : रांची रेलवे स्टेशन से विस्टाडोम कोच से सुसज्जित रांची-गिरिडीह इंटरसिटी एक्सप्रेस को बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान सांसद संजय सेठ, सांसद दीपक प्रकाश और रांची के विधायक सीपी सिंह, मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा, सीनियर डीसीएम निशांत कुमार मौजूद थे। इसके साथ ही दक्षिण पूर्व रेलवे मंडल को एक और नई ट्रेन मिल गई।

सांसद संजय सेठ ने कहा कि झारखंड के प्राकृतिक सौंदर्य को देखते हुए मैंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आग्रह किया था कि विस्टाडोम कोच यहां की ट्रेनों में लगाया जाए। मुझे सुखद आनंद मिला कि इस ट्रेन में विस्टाडोम कोच लगा है। इसके यात्री झारखंड के प्राकृतिक सौंदर्य का भी आनंद ले सकेंगे। मेरा प्रयास है कि झारखंड के प्राकृतिक आवरण वाले क्षेत्र से गुजरने वाली ट्रेनों में भी विस्टाडोम कोच लग सके, ताकि पर्यटन की दृष्टि से भी झारखंड आने वाले लोग यहां के सौंदर्य का अवलोकन कर सकें।

इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सांसद, विधायक व अन्य। • फोटोन न्यूज

सांसद ने इस ट्रेन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका यह प्रयास है कि झारखंड की राजधानी रांची से राज्य के हर जिले के लिए सीधी ट्रेन सेवा हो। इस दिशा में कई क्षेत्रों में कार्य भी चल रहे हैं। बहुत जल्द रांची को और भी कई बड़ी सौगात रेल मंत्रालय की ओर से दी जाएगी।

संगठन सशक्तिकरण अभियान की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने दिए कई निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत बैठक की। इसमें प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर के प्रभार के छह जिलों पलामू, गढ़वा, चतरा, गिरिडीह, पाकुड एवं कोडरमा की समीक्षा की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने नेताओं को कई दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में शामिल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व अन्य नेता। • फोटोन न्यूज

इस अवसर पर ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से किए गए भारत जोड़ों यात्रा के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिये सभी जिला प्रभारी महासचिव, सचिव सह विधानसभा प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष मिलकर पंचायत स्तर तक मजबूत संगठन का निर्माण करें।

उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से लड़ने के लिए सशक्त संगठन बनाकर केंद्र सरकार के जनविरोधी नीतियों का विरोध करना होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने जिला प्रभारियों को निर्देश दिया कि मंडल एवं पंचायत स्तर तक गठित कमिटियों का सत्यापन कर अविलंब प्रदेश कार्यालय को रिपोर्ट करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि बूथ कमेटी बनाने की शुरूआत करें। जिले के प्रकोष्ठ एवं विभाग के अद्यतन स्थिति का मूल्यांकन कर आवश्यक फेरबदल के लिए अनुशंसा करें।

बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव सह कार्यालय प्रभारी अमुल्य नीरज खलखो, सुर्यकांत शुक्ला, जिला प्रभारी प्रदेश महासचिव, विनय सिन्हा दीपू, बिनोद कुशवाहा, डॉ मंजू कुमारी, जिलाध्यक्ष, प्रमोद दूबे सहित अन्य उपस्थित थे।

जदयू युवा प्रकोष्ठ की नई कमेटी गठित 28 पदाधिकारियों की पहली सूची जारी

PHOTON NEWS RANCHI : जदयू युवा प्रकोष्ठ की नई कमेटी का गठन बुधवार को किया गया है। डिबडीह स्थित पार्टी कार्यालय में युवा जदयू प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह की अध्यक्षता में 28 पदाधिकारियों की पहली लिस्ट जारी की गई। कमेटी में प्रदेश उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, कार्यकारिणी के सदस्य बनाए गए हैं। इस बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो प्रमुख रूप से शामिल हुए।

इस अवसर पर खीरू महतो ने कहा कि संगठन को पूरे प्रदेश में विस्तार करना है और नई कमेटी का गठन करना है। राजनीतिक दृष्टिकोण से समय बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि, कुछ महीनों के बाद ही लोकसभा का चुनाव होना है। इसे देखते हुए हमें अपनी रणनीति बनानी होगी। झारखंड में जदयू का एक ही नारा है। अब ना बचेगा कोई भी छोड़, जदयू चला गांव की ओर। इस नारे का सभी कार्यकताओं को अमल करना होगा।

झारखंड प्रदेश महिला प्रकोष्ठ रांची जिला के जिला अध्यक्ष के रूप में आस्था किरण को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने जिम्मेवारी दी है। महिला प्रकोष्ठ जदयू की कार्यकारी अध्यक्ष रेणु गोपीनाथ पन्निकर की मौजूदगी और पहल पर आस्था ने पार्टी की सदस्यता लेकर पदभार ग्रहण किया।

उल्लेखनीय है कि आस्था किरण रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों में फैशन टेक्नोलॉजी की फैकल्टी के पद पर कार्यरत हैं। साथ ही राज्य की जानी-मानी उद्यमी भी हैं। बैठक में कई नेता मौजूद थे।

जमीन घोटाला मामले में विष्णु अग्रवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

PHOTON NEWS RANCHI : ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत में जमीन घोटाले के आरोपित व्यवसायी विष्णु अग्रवाल की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है।

विष्णु अग्रवाल के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, विक्रांत सिन्हा और स्नेह सिंह ने बहस की। ईडी के विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने बहस करते हुए विष्णु अग्रवाल को जमीन घोटाले का मास्टर माइंड बताया और जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया।

ईडी ने विष्णु अग्रवाल को जमीन घोटाले मामले में 31 जुलाई को गिरफ्तार किया था। जमानत याचिका में विष्णु अग्रवाल ने कहा है कि इस पूरे केस में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है। साथ ही उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए भी जमानत देने की मांग की है। फिलहाल विष्णु अग्रवाल का स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्हें रिम्स के कैदी वार्ड में भर्ती किया गया है।

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने समाहरणालय के नीलाम पत्र शाखा का किया निरीक्षण

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने बुधवार को समाहरणायल ब्लॉक-ए स्थित नीलाम पत्र शाखा का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने नीलाम पत्र कार्यालय में वादों की अद्यतन स्थिति से न्यायालय को अवगत कराने, रजिस्टर का मिलान, आवेदनों पर रिज्वाइंडर उपलब्ध कराने, बड़े बकायेदारों की सूची उपलब्ध कराने, वादों में निर्धारित तिथि को पैरवी करने और अनापत्ति प्रमाण पत्र ससमय उपलब्ध कराने सहित कई बिंदुओं की जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी संजय प्रसाद से जानकारी ली।

उपायुक्त ने कहा कि सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी न्यायालय के माध्यम से देनदारों को सूचित करते रहें। सारी की सारी राशि वापस करने के लिए नोटिस जारी करें। समय सीमा के बाद भी राशि वापस नहीं की जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई करें। उपायुक्त ने लंबित वादों का समयानुसार निपटारा करने के निर्देश दिये।

जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी को उपायुक्त ने सर्टिफिकेट होल्डर की ओर से बकायेदारों से प्राप्त पूर्ण राशि जमा होने की सूचना समय पर न्यायालय को उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि अधियाचना दायर करने से पूर्व सर्टिफिकेट डेबिटेर से प्राप्त पता का भौतिक सत्यापन कर एड्रेस प्रूफ से संबंधित कागजातों को संलग्न करना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने फॉर्म-1 एवं 2 के साथ नोटिस जारी करने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने जिला नीलाम पत्र शाखा में कार्यरत कर्मियों से उनके कार्य एवं दायित्व के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि सभी कर्मी अपने कार्य का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करें।

दो रैयतों के कारण 198 करोड़ का कांटाटोली फ्लाईओवर प्रोजेक्ट प्रभावित

अधिग्रहित जमीन पर दिनेश अग्रवाल एंड संस कंपनी को नहीं करने दे रहे काम

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के कांटाटोली फ्लाईओवर का निर्माण दो रैयतों के विरोध के कारण प्रभावित हो गया है। बहु बाजार के पास निर्माण कार्य रुक गया है। 198 करोड़ के कांटाटोली प्रोजेक्ट को अप्रैल 2024 तक कंप्लीट करना है। फ्लाईओवर के दोनों तरफ का काम तेजी से चल रहा है।

कांटाटोली चौक के पास गाडर पर सेग्मेंटल बॉक्स रखे जा चुके हैं, लेकिन बहु बाजार से पहले वाईएमसीए के बाउंड्री से सटे एक रैयत (अनुपम रावना) और एचपीएसीए पेट्रोल पंप के मालिक (राबर्ट मिंज) के विरोध के कारण तीन पीलरों के बीच का पूरा काम बंद है। जब भी काम करने वाली कंपनी (दिनेश अग्रवाल एंड संस) यहां काम करना शुरू करती है, तब ये दोनों रैयत विरोध और हंगामा शुरू कर देते हैं। इस वजह से हर बार काम रोकना पड़ता है। दर्जनों बार कंपनी ने काम शुरू करने की कोशिश की।

मजिस्ट्रेट, पुलिस, इंफोर्समेंट टीम सबको तैनात करके काम शुरू करने की कोशिश की गई, लेकिन रैयतों ने काम शुरू नहीं होने दिया, जबकि बाकी रैयत साल भर पहले ही कब्जा हटा चुके हैं। दोनों रैयतों का कहना है कि जबतक हाथ में मुआवजा नहीं मिल जाता तबतक कब्जा नहीं छोड़ेंगे।

मीडिया कप फुटबॉल प्रतियोगिताः पहले दिन शंख और अजय ने मैच जीतकर पूरे अंक बटोरे

PHOTON NEWS RANCHI : मोरहाबादी के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में बुधवार से मीडिया कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज हुआ। प्रतियोगिता के पहले मैच में शंख ने एकतरफा मुकाबले में भैरवी को 2-0 से हराकर विजयी शुरूआत की। दूसरे मुकाबले में प्रमोद कुमार के गोल की बदौलत अजय ने गंगा को 1-0 से हराकर पूरे अंक बटोरे।

पहले मुकाबले में शंख ने काफी आक्रामक शुरूआत की और मैच के तीसरे मिनट में ही नूतन तिर्की ने शानदार गोल दाग टीम को बढ़त दिलायी। 9वें मिनट में ही प्लेयर ऑफ द मैच रणजीत ने एक गोल दाग टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। मध्यांतर तक यही स्कोर रहा। मध्यांतर के बाद भी शंख की ओर से एक के बाद एक आक्रमण होते रहे लेकिन भैरवी के डिफेंस और गोलकीपर के शानदार प्रदर्शन के कारण स्कोर बढ़ नहीं पाया।

दूसरे मैच में अजय की टीम ने पहले हाफ में आक्रामक खेल दिखाया लेकिन कई आसान मौके गंवाने के कारण मध्यांतर तक मुकाबला गोल रहित बराबरी पर छूटा। मध्यांतर के तुरंत बाद प्रमोद सिंह ने शानदार मैदानी गोल दाग अजय को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद भी अजय के खिलाड़ियों को गोल करने के कई अवसर मिले लेकिन गंगा के गोलकीपर प्रिंस के शानदार प्रदर्शन की बदौलत कोई और गोल नहीं हो पाया। मैच 1-0 के स्कोर पर ही समाप्त हुआ।

इससे पहले झारखंड खेल प्राधिकरण की कार्यकारी निदेशक सरोजनी लकड़ा, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक कार्मिक एचएन मिश्रा और फीफा रेफरी ओमप्रकाश ठाकुर ने सभी छह टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और किक लगाकर प्रतियोगिता की शुरूआत की। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

सुपरवाइजर की हत्या की जांच में जुटी पुलिस

ROURKELA : लहुणीपाड़ा पुलिस सीमा के अंतर्गत टेनसा के तिलकुड़ा गांव में खमारी देहुरी द्वारा एक निर्माण कंपनी के सुपरवाइजर संजय साहू की हत्या कर दी गई। संजय की कल रात उस समय हत्या कर दी गई जब वह अपने रिश्तेदार के घर में सो रहा था। बताया जा रहा है कि यह हत्या पुरानी दुश्मनी के कारण हुई है। पुलिस आरोपी खमारी देहुरी को हिरासत में लेकर मामले की पूछताछ कर रही है।

राउरकेला स्टेशन पर खुलेगा रेस्टोरेंट ऑन व्हील

ROURKELA : राउरकेला रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार के पास अक्टूबर में दुर्गा पूजा से पहले अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल कोच में वातानुकूलित रेस्टोरेंट ऑन व्हील खुलेगा। यह ओडिशा का पहला रेलवे कोच रेस्तरां होगा। ये रेस्तरां पहले थे नागपुर, महाराष्ट्र और न्यू जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल में खोला गया है।

आहार से जुड़ा है विचार व व्यवहार : इंद्राज मल नाहटा

ROURKELA : स्थानीय तेरापंथ भवन में उपासक इंद्राज मल नाहटा एवं प्रकाश सुराणा के सान्निध्य में पर्यूषण महापर्व का प्रथम दिवस खाद्य संयम दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उपासको के गीतिका से हुई। उपासकों ने खाद्य संयम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि आहार के तीन प्रकार हैं। ओज आहार, रोम आहार, और कवल आहार। खाद्य संयम का संबंध कवल आहार से है। जीवन जीने के लिए खाना आवश्यक है। लेकिन कब खाना, कैसे खाना और कितना खाना इसका भी विवेक होना चाहिए। जैसा खाए अन्न वैसा होए मन। आहार के साथ विचार, व्यवहार भी जुड़ा हुआ है। धर्म आराधना के लिए मन शुद्ध होना आवश्यक है। मन शुद्ध करने के उपायों में से एक उपाय खाद्य संयम भी ही सकता है। इंद्राज मल नाहटा ने उपासकों के आचार संहिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अंत में आपके मंगलपाठ एवं जयघोष के द्वारा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ग्रेजुएट कॉलेज में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताएं आयोजित

JAMSHEDPUR : ग्रेजुएट कॉलेज जमशेदपुर में बुधवार को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता हिन्दी साप्ताहिक पखवाड़ा के रूप में आयोजित हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने हिन्दी अनुलेख, श्रुतिलेख, पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक में डॉ.मुकुल भेंगराज प्रोफेसर अनामिका कुमार थीं। विजेताओं के नाम की घोषणा गुरूवार को हिंदी दिवस पर विजयी प्रतिभागियों के नाम की घोषणा करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

श्रेष्ठ हिन्दी शिक्षक पुरस्कार 2023 से नवाजी जाएंगी विजयलक्ष्मी वेदुला

JAMSHEDPUR : राष्ट्रभाषा हिन्दी दिवस पर 16 सितंबर को सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन, तुलसी भवन द्वारा श्रेष्ठ हिन्दी शिक्षक 2023 पुरस्कार से विजयलक्ष्मी वेदुला को सम्मानित किया जाएगा। इस पुरस्कार में अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ के संग 11 हजार की राशि प्रदान की जाएगा। विजयलक्ष्मी वेदुला मुलतः आंध्र प्रदेश की रहने वाली हैं। पांच वर्ष की आयु से ही वे जमशेदपुर में रह रही हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा जमशेदपुर में ही हुई है और उन्होंने रांची विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। बीएड भी रांची विश्वविद्यालय से ही किया है। जमशेदपुर के प्रसिद्ध हिन्दी माध्यम विद्यालय ह्वसेंट मेरी हिन्दी उच्च विद्यालयह्व में 28 वर्षों तक हिंदी और संस्कृत की शिक्षिका के रूप में अध्यापन किया।

राशन डीलर चार महीने में डकार गया गरीबों का 106 क्विंटल चावल व 44 क्विंटल गेहूं

निलंबित राशन डीलर के साथ SDO व BDO की भूमिका की भी जांच करने की मांग

PHOTON NEWS CHAIBASA : अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के जिला सचिव साधुचरण सिंह कुंटिया ने खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री को पत्र लिखकर जन वितरण प्रणाली दुकानदार नंदलाल मिश्रा के खिलाफ जांच कर प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है। साधुचरण सिंह कुंटिया ने बताया कि राशन डीलर नंदलाल मिश्रा के द्वारा माह जनवरी 2023 में 20.33%, फरवरी में 29.80%, मार्च में 31.11% एवं अप्रैल में 40.40% खाद्यान्न का वितरण किया गया है। जन वितरण प्रणाली के दुकानदार के द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण योजना संचालन में अनियमितता एवं लापरवाही बरती गई है। इसके आलोक में नंदलाल मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है। मात्र चार महीने में 106 क्विंटल चावल एवं 44 क्विंटल गेहूं गरीबों का डकार गया है। नंदलाल मिश्रा चालियामा में 20 कट्ठा जमीन खरीद कर पर बना लिया है। साधुचरण ने यह भी बताया कि नंदलाल मिश्रा के पास 200 से अधिक फर्जी कार्ड है। निलंबित के पश्चात मिश्रा के दुकान को गंगा लकड़ा के साथ किया गया है। लेकिन गंगा लकड़ा को अबतक कोई भी सामान आपूर्ति के लिए नहीं दिया जा रहा है। नंदलाल मिश्रा के दुकान का जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर के द्वारा किया गया था। जांच के दौरान बंद पाया गया था। जांच पदाधिकारी के द्वारा दुकान को सील नहीं कर मात्र निलंबित की गयी है। जिससे प्रतीत होता है कि दोनों पदाधिकारी बचाने का काम कर रहे हैं। मिश्रा कई वर्षों से ऐसी हरकत करते आ रहे हैं। निलंबित होते हैं एवं उच्च स्तरीय पैरवी के कारण पुनः बच जाते हैं। इससे प्रतीत होता है कि पदाधिकारियों की भी घोटालेबाज दुकानदार को बचाने में संलिप्तता है।

साधुचरण सिंह कुंटिया ने मंत्री से मांग की है कि अपने स्तर से संज्ञान लेते हुए प्रशासनिक पदाधिकारी से जांच कराये जाने का निर्देश दिया जाए। साथ ही जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी की भूमिका पर जांच कराते हुए नंदलाल मिश्रा पर प्राथमिकी दर्ज कराने की कृपा की जाए।

कोटगढ़ पहुंचीं सांसद गीता कोड़ा, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

ग्रामीणों संग सांसद गीता कोड़ा। • फोटोन न्यूज

CHAIBASA : सांसद गीता कोड़ा स्थानीय ग्रामीणों के अनुरोध पर बुधवार को अपने कार्यकताओं के साथ कोटगढ़ पहुंची। यहां साप्ताहिक हाट के दुकानदारों तथा स्थानीय ग्रामीणों से मिली और उनसे रूबरू उनके समस्याओं को सुनी। कोटगढ़ साप्ताहिक हाट के दुकानदार एवं उपस्थित ग्रामीण भी अपने बीच अपने सांसद गीता कोडा को देख उनसे दिल खोल कर बात की। अपने अपने गांवों की समस्याओं से अवगत कराते हुए समस्याओं के समाधान करने की मांग की।

सांसद ने भी उनकी समस्याओं को गम्भीरता से सुनने के बाद उनकी सभी समस्याओं का यथा शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। गीता कोड़ा ने बाजार की स्थिति के बारे में कहा कि कभी कोटगढ़ साप्ताहिक हाट में गर्मी और बरसात के मौसम में भी खुले आकाश के नीचे बैठ कर अपने अपने साग सब्जी एवं अन्य वनों उपज की खरीद बिक्री करनी पड़ती थी। लेकिन आज सभी दुकानदार किसान आदि खुले आसमान के बजाय बेहतरीन शेडों पर बैठ कर अपने सामानों की खरीद बिक्री करते देख बेहद प्रसन्नता हो रही है। भविष्य में इस साप्ताहिक हाट को और भी विकसित किया जायगा। जरूरत की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्रामीणों ने सांसद से कोटगढ़ बस पड़ाव से बालिका उच्च विद्यालय तक पीसीसी पथ निर्माण, दानाउली कोरलासाई में डीप बोरिंग करवाने तथा पीसीसी पथ निर्माण तथा काती कोड़ा मकर संक्रांति मेला स्थल में लोगों की सुविधा के लिए सामुदायिक भवन का निर्माण कराने की मांग की। सांसद के दौरे में असंगठित कामगार कांग्रेस यूनियन जिला अध्यक्ष हसलुद्दीन खान, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनजीत प्रधान विजय गोप, सनातन गोप, लालमोहन दास, विक्रम तिरिया, राणा बोस, गुरुचरण चातोम्बा, राजू पान, जुनू घोष, विजेन्द्र नायक, रविन्द्र प्रधान, सन्नी रजक, जगबंधु गोप, बिनीत गोप सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

खेत में मिला मृत जंगली दंतैल हाथी, देखने को उमड़ी लोगों की भीड़

PHOTON NEWS CHAIBASA : जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत कासिरा गांव के कोटस गुटू में बुधवार अहले सुबह एक मृत हाथी पाए जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। कासिरा टोला माटागुटू से लगभग आधा किलोमीटर दूर एक खेत में दो दांत वाले हाथी का शव बुधवार सुबह को पुलिस व वन विभाग के कर्मियों ने बरामद किया है। यह घटना प. सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर प्रखंड क्षेत्र की है। घटना की सूचना ग्रामीणों ने गांव के मानकी कामिल केराई, मुखिया विमल किशोर कोड़ा व जगन्नाथपुर थाने पुलिस व वन विभाग के कर्मी को दी। वहीं दांतेल

हाथी का शव पाये जाने की सूचना आसपास क्षेत्र में फैल जाने के बाद आसपास गांव के ग्रामीण मृत हाथी को देखने पहुंचे। मृत हाथी के दोनों दांत सुरक्षित है। नर हाथी की मृत्यु कैसे हुई यह अभी अधिकारिक पुष्टी नही हुई है, पर बताया जा रहा है कि बीती मंगलवार देर रात को कासिरा गांव के चुरलासाई के आसपास यह यह हाथी अकेला की घूम रहा था। हालांकि हाथी ने किसी को कोई नुकसान नही पहुंचाया। हाथी के घूमने की सूचना मिलने पर कुछ ग्रामीणों ने हाथी को सुरक्षित क्षेत्र की तरफ खदेड़ दिया था। जिसके बाद बुधवार सुबह हाथी को खेत में मृत पाया गया है। इधर कुछ ग्रामीण यह भी अनुमान लगा रहे है कि हाटगम्हरिया जगन्नाथपुर एनएच 75 किनारे स्थित करंजिया जंगल से यह हाथी क्रशर होते हुए छोटामहुलडीहा गांव के रास्ते कासिरा गांव तरफ आ गया होगा। वहीं यह भी जानकारी मिली है कि हाथियों का एक झुंड हाटगम्हरिया प्रखंड क्षेत्र के कुस्मिता जंगल में डेरा डाले हुए है। कुस्मिता जंगल से करंजिया जंगल के रास्ते हाथियों का आवागमन कभी भी होता है। हो सकता है यह हाथी किसी झुंड से बिछड़ गया होगा। या फिर यह भी हो सकता है कि हाथी काफी दिनों से बीमार रहा हो। इधर घटना स्थल पर जगन्नाथपुर थाना प्रभारी राकेश रंजन दलबल के साथ व वन विभाग के पदाधिकारी कर्मी पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गये हैं। खबर पाकर चाईबासा से डीएफओ, नोवामुंडी से फॉरेस्टर भी घटना स्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। डॉक्टरों की टीम भी पहुंच कर मृत हाथी का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद शव को दफना दिया गया। प्रथम द्दष्टया नेचुरल मौत की बात सामने आ रही है। हाथी का पेट फूला हुआ है। वह लंबे समय से बीमार हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने की समीक्षा बैठक, सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

बैठक में शामिल शुभांकर महापात्र व अन्य। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. शुभांकर महापात्र की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा को लेकर बैठक हुई। बैठक केन्द्रीय पूजा समिति का चुनाव हर दो वर्ष पर कराने का निर्णय लिया गया। पिछले वर्ष 2022 के निर्वाचित सदस्य इस वर्ष 2023 में भी केंद्रीय पूजा समिति के सदस्य होंगे। अपर जिलाधिकारी ने पूजा मंडप चतुपार्श्व को पूरी तरह साफ-सुथरा रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मास्क साफ नहीं रखने पर जुमार्ना देना होगा।

इस वर्ष शीर्ष तीन पूजा समितियों को वित्तीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे जो अपने संबंधित पूजा मंडप को साफ सुथरा और पर्यावरण के अनुकूल रखेंगे और पूजा के बाद मैदान को साफ करेंगे। डॉ. शुभांकर महापात्रा ने घोषणा की कि प्रथम पुरस्कार 20,000 रुपये, दूसरा पुरस्कार 15,000 रुपये और तीसरा पुरस्कार 10,000 रुपये होगा।

बैठक में पूजा से संबंधित सभी परमिट जारी करने के लिए राउरकेला एडीएम कार्यालय में एकल खिड़की की व्यवस्था की जायेगी। इस सिंगल विंडो सिस्टम के तहत बिजली, अग्निशमन और प्रवर्तन जैसे विभिन्न विभागों के अधिकारी कार्यालय में मौजूद रहेंगे। आवश्यक निरीक्षण करने के बाद पूजा मंडपों में पूजा आयोजन की अनुमति जारी करेंगे। इसके साथ ही बैठक में विसर्जन को लेकर भी चर्चा हुई।

रोटरी क्लब ऑफ राउरकेला वाइब्रेंट ने मनाया दूसरा स्थापना दिवस समारोह

स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित क्लब के सदस्य। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : रोटरी क्लब ऑफ राउरकेला वाइब्रेंट का दूसरा स्थापना दिवस होटल सेंट्रल पार्क में मनाया गया। अध्यक्ष गणेशबर पटनायक की अध्यक्षता और उपाध्यक्ष डॉ. मीनीति पांडा के समन्वयन में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मंजीत सिंह अरोड़ा, असीम चक्रवर्ती और सलाहकार आलम सिंह रूपरा शामिल हुए।

इस अवसर पर 10 नये रोटेरियनों का वाइब्रेंट में स्वागत किया गया। अतिथियों ने समाज के प्रति प्रतिबद्धता एवं समाज सेवा पर जोर देने का सुझाव दिया। अजीत मोहन पुजारी एवं एवरग्रीन मेलोडी द्वारा संगीत प्रस्तुत किया गया। सरोज कुमार पान, अनिता नायक, शुभस्मिता नायक, काजल पाधी, प्रदीप कुमार बिशोई, विजय पान, रजनीकांत बिलुंग, विघ्नेश पति, विवेक सा, बसंत कुमार तांती, अर्चना देआ, संदीप सोरेंग, असित धीर, रमेश मिश्रा कुमार, वशनाथ मोहंती ,डॉ. अनिता पति आदि उपस्थित थे।

करदाताओं की परेशानी दूर करने का होगा प्रयास : सतेन्द्र कुमार सिंह

बैठक में उपस्थित अतिथि व अन्य। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स, राउरकेला के अध्यक्ष सुनील कयाल, वाइस प्रेसीडेंट नरेश आर्य और जनरल सेक्रेटरी प्रभात कुमार टिबरेवाल के साथ जीएसटी विभाग के अधिकारियों की मीटिंग हुई। इसमे केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, मुख्य आयुक्त सत्येन्द्र कुमार सिंह, आईआरएस अभय गुप्ता, कमिश्नर पीके. मौर्य, अपर आयुक्त हर्ष राज व अन्य अधिकारी शामिल थे।

बैठक राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से दिए गए सुझाव पर मुख्य आयुक्त सतेन्द्र कुमार सिंह ने समस्याओं के समाधान का ठोस आश्वासन दिया तथा यह भी सुनिश्चित किया कि करदाताओं को बिना किसी कठिनाई एवं परेशानी के पूरा ख्याल रखा जायेगा। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल, सज्जन अग्रवाल, केके. पोद्दार, पूर्व उपाध्यक्ष बीडी. अग्रवाल, पवन अग्रवाल, कार्यकारी समिति के सदस्य, भवन व्यवस्था समिति के सदस्य, टैक्स बार एसोसिएशन के पदाधिकारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

राउरकेला के 10 स्कूलों को किया जा रहा विकसित

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम (आरएमसी) और ओडिशा खनिज असर क्षेत्र विकास निगम (ओएमबीएडीसी) ने शहर के 10 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों को बदलने के लिए सहयोग किया है। स्कूल का ज्यादातर काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है, लेकिन एक माह के अंदर सभी काम पूरा करने का लक्ष्य है। एडीएम-सह-आरएमसी आयुक्त डॉ. शुभंकर महापात्रा ने स्कूल परिवर्तन परियोजनाओं की समीक्षा की, जब ये सभी 5-टी पहल के हिस्से के रूप में कार्यान्वित की जा रही थीं।

सरकारी अस्पताल में एक तिहाई मरीज फर्श पर इलाज को मजबूर

राउरकेला सरकारी अस्पताल में फर्श पर पड़े मरीज। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला सरकारी अस्पताल की हालत खराब है। 276 बेड की क्षमता वाले आरजीएच में बेड की संख्या बढ़ाकर 400 कर दी गयी है। पर इससे जुड़ी व्यवस्था नहीं हो सकी। वहीं अस्पताल में रोजाना 550 से 600 मरीजों का इलाज हो रहा है। कई मरीज बेड की कमी के कारण फर्श पर ही इलाज हो रही है।

कुछ मरीजों का इलाज वार्डों में खुले स्थान पर फर्श पर लिटाकर किया जा रहा है। सरकार से फंड की कमी के कारण आरजीएच का 30 फीसदी खर्च जिला खनन संस्थान (डीएमएफ) फंड से किया जा रहा है। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार पुरुष वार्ड में करीब 150, महिला वार्ड में 270 से अधिक और मातृ एवं शिशु वार्ड में 150 से अधिक मरीज भर्ती किये जा रहे हैं। पुरुष व महिला वार्ड में बेड की कमी के कारण मरीज फर्श पर इलाज को मजबूर है। यह स्थिति साल भर बनी रहती है। इतना ही नहीं अधिकांश समय डायलिसिस, एक्स-रे नहीं हो पाता है। मुर्दाघरों में भी अधिकांश समय, फ्रीजर काम नहीं कर रहा है।

SERVICE की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर

करीम सिटी कॉलेज में अप्रेंटिस सह रोजगार मेले का आयोजन आज व कल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। करीम सिटी कॉलेज जमशेदपुर में व्यावहारिक प्रशिक्षण बोर्ड (पूर्वी क्षेत्र), उच्च शिक्षा विभाग के तहत, उच्च शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से अप्रेंटिस-सह-रोजगार मेला का आयोजन 14 व 15 सितंबर को किया गया है। इसमें डिग्री इंजीनियरिंग, डिप्लोमा धारकों (प्रौद्योगिकी) और सामान्य स्ट्रीम (बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, आईटी, आदि) में स्नातकों के लिए नौकरी का अवसर। यह मेला सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक दोनों दिन आयोजित होगा। करीम सिटी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद रेयाज ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि अप्रेंटिसशिप-कम-जॉब मेला करीम सिटी कॉलेज में लग रहा है। हालांकि कितने पदों के लिए यह मेला आयोजित होगा इसकी जानकारी नहीं दी गयी है।

ऐसे छात्र ले सकेंगे हिस्सा: उन्होंने कहा कि यह अवसर उन सभी छात्रों के लिए खुला है, जो पिछले पांच वर्षों (2019 से 2023) के दौरान मान्यता प्राप्त संस्थानों/वैधानिक विश्वविद्यालयों (झारखंड और अन्य राज्य) से उत्तीर्ण हुए हैं, ऐसे छात्र मेले में शामिल होने के लिए अपना नाम www.doptor.org पर पंजीकृत कर सकते हैं।

ये कंपनियां लेंगी हिस्सा

करीम सिटी कॉलेज के वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ मो मोअज्जम नजरी ने बताया कि टाटा मोटर्स लिमिटेड, जीएसऑटो इंटरनेशनल लिमिटेड, फ्लीटक्वार्ड फिल्टर्स प्राइवेट, नेटमोर टेक्नोलॉजी, एएसएल मोटर्स, याजाकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, टाटा ब्लूस्कोप स्टील प्रा. लिमिटेड, रामकृष्ण फोर्जिंग्स लिमिटेड, एसईएम टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा लिमिटेड आदि जैसी 30 से अधिक प्रमुख कंपनियां ने अप्रेंटिसशिप-कम-जॉब मेला में भाग लेने के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया है। उन्होंने कहा कि उद्देश्य स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षुता और नौकरी के अवसर प्रदान करके एक आशाजनक कैरियर यात्रा शुरू करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करना है।

करीम सिटी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में फ्रेशर पार्टी का आयोजन

फ्रेशर पार्टी में उपस्थित कॉलेज के शिक्षक व छात्र-छात्राएं। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : करीम सिटी कॉलेज (साकची) के मनोविज्ञान विभाग में उन छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। जिन्होंने इस वर्ष मनोविज्ञान को मुख्य विषय के रूप में रखकर चार वर्षीय स्नातक में नामांकन कराया है। इस अवसर पर एक स्वागत सभा आयोजित हुई जिसमें विभाग के प्राध्यापक डॉ एस पंडा, डॉ उधम सिंह,डॉ जकी अख्तर, मिस्टर जमशेद तथा साजिद परवेज के अलावा फैकल्टी इंचार्ज डॉ अनवर शहाब, मुख्य परीक्षा नियंत्रक डॉ बी एन त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष डॉ मोहम्मद फिरोज इब्राहिमी, तथा मुख्य रूप से कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज शामिल हुए। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने मनोविज्ञान विभाग और उसके प्राध्यापकों की प्रशंसा की और छात्र-छात्राओं को अनुशासन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में तुम सफलता हासिल करना चाहते हो तो अपने शिक्षकों के साथ-साथ मां-बाप का आदर करना सीखो। डॉ बी एन त्रिपाठी ने कहा कि बच्चे परीक्षा के लिए घंटे बैठ जाते हैं लेकिन अध्ययन करने के लिए तीन घंटा बैठना संभव नहीं होता है, यह आश्चर्यजनक है। उन्होंने छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए यह भी कहा कि तुम्हें गूगल मास्टर से दूर रहना चाहिए और पुस्तक एवं शिक्षक से घनिष्ठता बढ़ाना चाहिए। डा फिरोज इब्राहिम ने भी बच्चों को संबोधित किया और उन्होंने कहा की छात्र-छात्राओं को अपने प्रति ईमानदार होना चाहिए। उन्हें अपने अंदर वह क्षमता पैदा करनी चाहिए जिसके द्वारा वे अपने परीक्षक से नंबर और समय से सफलता छीन सकें। अंत में नए पुराने विद्यार्थी आपस में मिले और सबने मिलकर खुशियां मनाईं।

सीवान में 4 दिन से नहीं उठाया गया कचरा

बदबू से शहरवासी परेशान, नई एजेंसी से कचरा उठाव का हो रहा काम

सीवान । पिछले 4 दिनों से कचरा का उठाव नहीं हो रहा है। सीवान शहर में ठऋ्ड के कचरा उठाव किए जाने का प्रस्ताव आया है। इसका सभी सफाईकर्मी और वार्ड पार्षद विरोध कर रहे हैं।
पूरे शहर में एनजीओ द्वारा कचरा उठाव का प्रस्ताव आने के बाद सफाई कर्मियों के विरोध के कारण शहर से कचरा का उठाव कार्य शुरू नहीं हो सका है। मोहल्लेवासी अपने मोहल्ले के कचरा प्वाइंट पर कचरा फेंक रहे हैं। लेकिन उठाव नहीं होने के कारण कचरा का अंबार लगते जा रहा है। इससे निकलने वाली दुर्गंध मोहल्लेवासियों और आने जाने वाले लोगों को परेशान कर रही है। मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ रहा है। विरोध के बीच अभी तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नगर परिषद द्वारा नहीं की गई है। शहर से कचरा का उठाव सीबीएस फैसिलिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा कराया जाता था।
यह डोर टू डोर और कचरा पाइंट से कचरा उठाने का काम करती थी। इसी बीच सीवान नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी पत्र जारी करते हुए बताते हैं कि अब नई एजेंसी 1 सितंबर से डोर टू डोर कचरा का कलेक्शन और साफ सफाई का कार्य करेगी। पत्र जारी होते ही पहले से कार्य कर रहे सफाईकर्मी और नगर परिषद के वार्ड पार्षदों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया।
कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि कुल 49 लाख रुपए प्रति माह सफाई के कार्य पर खर्च होंगे। लेकिन 13 दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक नई एजेंसी से कचरा का उठाव कार्य शुरू नहीं हुआ है। विदित हो कि 31 अगस्त के बाद पुरानी कंपनी के सफाई कर्मियों ने कचरा उठाना बंद कर दिया था।
चार दिन पहले पुरानी कंपनी के सफाई कर्मियों ने ही कचरा उठाया था। लेकिन फिर कचरा उठाव कार्य बंद हो चुका है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि नए ठऋ्ड से डोर टू डोर कचरा का उठाओ करने का निर्देश दिया गया था। विरोध के कारण अभी तक शहर से कचरा उठाव कार्य शुरू नहीं हुआ है। कचरा पॉइंट पर कचरा का ढेर लगने पर काफी बदबू दे रहा है। बारिश होने के कारण यह और बदबू देने लगा है। लोगों का कहना है कि बुधवार को भी कचरा का उठाव नहीं हुआ। नगर परिषद की लड़ाई के बीच आम जनता पीस रही है।

पति को छोड़ प्रेमी संग भागी

बांका । पति को छोड़कर पत्नी अपने प्रेमी संग भाग गई। पति ने रजौन थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मंगलवार को प्रेमी-प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया। महिला रीता देवी (23) का प्रेमी सूरज झा (24) के साथ पिछले 3 महीने से अफेयर चल रहा था। पुलिस की पूछताछ में प्रेमिका ने बताया कि हम अपने पति के साथ नहीं रहना चाहते हैं। वहीं, प्रेमी सूरज ने बताया कि मैं अपनी प्रेमिका के साथ रहूंगा। दोनों एक दूसरे से शादी करने के लिए राजी हैं। पुलिस ने बताया कि बुधवार को दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पति पंचानंद यादव (30) ने बताया कि हमारी शादी 2021 में हुई थी। वो उसके साथ रहना चाहती है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अब हम उसके साथ रहना नहीं चाहते है। मुझे धोखा देकर उसने शादी की है। पंचानंद यादव ने आरोप लगाया कि उसे बच्चा नहीं होता था। इस वजह से इसने 6 लड़कों से शादी कर उन्हें छोड़ दिया। इसके बाद मुझसे शादी की। मुझे भी नहीं बताया कि वह शादीशुदा है। धोखा देकर मुझसे शादी कर ली। शादी के बाद पता चला कि यह शादीशुदा थी। जबकि महिला इन सब बातों से इनकार कर रही है। महिला का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है। यह मेरी पहली शादी ही है। थाना अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि महिला के पति की ओर से अपहरण का केस दर्ज कराया गया था। मामले में महिला के साथ साथ उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मुंगेर में बोले चिराग : 'बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट एजेंडा पर लड़ेंगे चुनाव'

बिहार को विकसित राज्य बनाना है

मुंगेर । एक दिवसीय दौरे पर लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह जमुई सांसद चिराग पासवान मुंगेर के तारापुर पहुंचे। इस दौरान वे स्थानीय नेता एवं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह के अस्वस्थ होने की सूचना पर उनका कुशल पूछने के लिए तारापुर आए। उन्होंने श्री सिंह को पार्टी का भीष्म पितामह बताते हुए कहा कि उनके कुशल स्वास्थ्य के लिए हुए हर संभव प्रयास निजी तौर पर करेंगे। उन्होंने अति शीघ्र उन्हें दिल्ली आकर इलाज कराने का अनुरोध किया। आगामी चुनाव के दृष्टिकोण से श्री सिंह का स्वस्थ रहना पार्टी के लिए आवश्यक है। सांसद गांधीनगर में अवकाश प्राप्त शिक्षक संजय सिंह की पत्नी प्रेमलता देवी की पुण्यतिथि पर उनके घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। चिराग पासवान ने कहा कि लोकसभा 2024 का चुनाव लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के एजेंडा पर लड़ेगी। बिहार को विकसित राज्य बनाना है। हकीकत है की तमाम घोषणाओं और आश्वासनों के बावजूद पिछले 75 वर्ष से हमारा बिहार पिछड़ा ही है। जी-20 सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्रध्यक्षों के समक्ष भारत के प्रधानमंत्री नालंदा विश्वविद्यालय को लेकर फक्र महसूस कर रहे थे। बिहार में शिक्षा को महत्व दिया गया था। देश और दुनिया के कोने से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए यहां आते थे। आज प्रदेश ऐसा बन गया है, जहां के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए दूसरी जगह जाते हैं। शिक्षा स्वास्थ्य के स्तर पर बिहार पिछड़ गया है उन्होंने संभावना जताई कि लोकसभा के साथ ही बिहार विधानसभा के चुनाव भी होंगे। लोकसभा चुनाव में बिहार में सीट शेयरिंग के सवाल पर कहा की गठबंधन के कई साथी दलों के बीच अंतिम रूप से बैठक कर फैसला लिए जाने पर सार्वजनिक करना उचित होगा। मीडिया के माध्यम से किसी सीट पर चुनाव की बात करना सही नहीं है। उसे गठबंधन के प्रमुख दल के फोरम पर रखना उचित है। मुझे नहीं लगता कि हाजीपुर की सीट पर चुनाव लड़ने की बात भाजपा के किसी भी नेता के साथ दूसरों ने की हो। कठ.ऊकअ गठबंधन के संबंध में कहा कि इनके पास नेता नीति और नियति तीनों का अभाव है। उस गठबंधन को देश की जनता क्यों स्वीकार करेगी। पिछले 9 साल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। मौके पर पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

दरभंगा में युवती के साथ छेड़खानी करने पड़ा भारी:भीड़ ने मनचले की जमकर की पिटाई

दरभंगा । एक मनचले की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में पीड़िता युवक पर छेड़खानी का आरोप लगा रही है। वहीं, मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा है। कुछ लोग युवक को जाने देने की बात कह रहे है। तो वहीं, भीड़ में मौजूद एक महिला युवक को लगातार थप्पड़ जड़ रही है। वीडियो जिले के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के यूनिवर्सिटी परिसर स्थित मनोकामना मंदिर के पास का है। घटना के संबंध में बताया जा रहा कि एक लड़की कॉलेज जा रही थी। इस दौरान युवक लड़की के साथ छेड़खानी करने लगा। जिसपर लड़की आक्रोशित हो गई और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। लड़की की आवाज सुन आसपास के लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई। वायरल वीडियो में साफ देखा जा रहा कि छेड़खानी की जानकारी मिलते ही मौजूदा भीड़ ने मनचले युवक को पकड़ा लिया। उसी भीड़ में एक लड़की सामने आई और पीड़िता युवती का साथ देते हुए मनचले युवक की जमकर पिटाई कर डाली। बताया जा रहा कि जिस लड़की के साथ लड़का जबरदस्ती कर रहा था। उस दोनों में पहले प्रेम प्रसंग चल रहा था। लेकिन जब इस बात की जानकारी लड़की के घरवाले को लगी तो परिवार वाले ने मिलने से मना कर दिया। जिसपर लड़की ने अपना सिम बदल लिया और लड़का से दूरी बना ली। इस बीच मंगलवार को लड़का ने यूनिवर्सिटी परिसर स्थित मनोकामना मंदिर के पास लड़की को देख लिया और उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। वहीं जब इस बात की जानकारी पुलिस को लगी तो मौके पर पहुंचकर मामले को शांत किया।

गया में कार से विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद: कार से कर रहे थे तस्करी

गया । उत्पाद विभाग की टीम ने मंगलवार को इंडिगो कार से विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद किया है। हालांकि मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इधर, पुलिस के आने ही भनक लगते ही तस्कर कार छोड़कर भाग निकला। जानकारी के अनुसार उत्पाद विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी, कि शराब की तस्करी बड़े पैमाने पर की जा रही है. सूचना के बाद गया जिले के बोधगया थाना अंतर्गत हवाई अड्डा के समीप उत्पाद विभाग की टीम वाहन चेकिंग कर रही थी,इस दौरान कुछ दूर पर सड़क किनारे एक टाटा इंडिगो कार गया-डोभी रोड के किनारे लावारिस अवस्था में देखी गई। उसकी तलाशी शुरू की,तलाशी के क्रम में शराब की बड़ी खेप को बरामद किया गया। तलाशी के दौरान इंडिगो कार से 18 कार्टून में रहे 322 बोतल ब्रांडेड विदेशी शराब की बरामदगी की गई। मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, भनक मिलते हैं कर को साइड कर तस्कर फरार होने में सफल हो गए।
कर रजिस्ट्रेशन के आधार पर तस्करो की गिरफ्तारी की जाएगी। जानकारी के अनुसार बरामद कार टाटा इंडिगो बिहार नंबर की है। इसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर02फ2911 अंकित बताया गया है।उत्पाद विभाग के अनुसार गिरफ्तार शराब तस्कर मौके से फरार होने में सफल हो गए थे। इस संबंध में उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने बताया कि टाटा इंडिगो कार से 12 कार्टून में रहे 322 बोतल कुल 160.5 लीटर झारखंड निर्मित विदेशी शराब की बरामदगी की गई है। उक्त से इसकी तस्करी की जा रही थी।मौके से तस्कर भागने में सफल हो गए हैं। बारामदगी टीम में उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार व सब इंस्पेक्टर इंद्रमणि कुमार शामिल है।

बिहार में विभिन्न हादसों में 5 की मौत, कई घायल

कैमूर सड़क हादसे में एक युवक की मौत: अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, एक गंभीर रूप से घायल

कैमूर । अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के उसरी के पास बक्सर से बनारस की तरफ जाने के दौरान हुआ। घटना के बाद पहुंचे आसपास के ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस और NHAI को दी। पुलिस और NHAI ने दोनों को अनुमंडल अस्पताल मोहनिया लाया। यहां घायल की स्थिति गंभीर देख उसे रेफर कर दिया गया है। वहीं शव को पोस्टमार्टम करने के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया गया है। मृत युवक की पहचान विकास कुमार(27) पिता सत्येंद्र राय ग्राम डिहरी थाना राजपुर जिला बक्सर के रूप में की गई है। घायल युवक प्रशांत कुमार(19) ग्राम बरहनी थाना चांद जिला कैमूर का निवासी बताया गया है। मोहनिया थाना के एएसआई ओमप्रकाश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीणों से एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार विकास कुमार और प्रशांत कुमार दोनों एक ही बाइक से बक्सर से वाराणसी की तरफ जा रहे थे। इसी बीच हाईवे पर उसरी गांव के समीप अज्ञात वाहन ने पीछे से उनके बाइक में ठोकर मार दी। घटना में विकास कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रशांत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की मौके पर भारी भीड़ जुट गई। मृत युवक की पहचान होने पर पुलिस ने उनके परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद घटना की सूचना पाकर परिजन भी हॉस्पिटल पहुंच गए। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

भोजपुर में सड़क हादसा, महिला समेत 3 जख्मी: दवा कराने आरा आ रहे थे

भोजपुर । मंगलवार को सड़क हादसे में बाइक सवार महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें जगदीशपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। हादसा आरा-मोहनिया नेशनल हाइवे पर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बभनियांव गांव के समीप हुआ। जख्मियों में धनगाई थाना क्षेत्र के बचरी गांव निवासी ओकिन्दर सिंह की 45 वर्षीया पत्नी रामावती देवी एवं टाउन थाना क्षेत्र के बराहबतरा मोहल्ला निवासी रूपन गोड़ का 18 वर्षीय पुत्र जितेंद्र कुमार है। इधर जख्मी जितेंद्र कुमार के दोस्त गौतम कुमार ने बताया कि वह अपने रिश्तेदार महिला रामावती देवी का दवा लेने के लिए बाइक से बचरी गांव से आरा आ रहा था। उसी दौरान बभनियांव गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात वाहन ने उसे चकमा दे दिया। जिसके कारण उसकी बाइक का नियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए जगदीशपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव रेलवे फाटक के समीप अनियंत्रित बाइक सवार ने पैदल जा रहे थे किसान को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में किसान बुरी तरह जख्मी हो गया,इसके बाद परिजनों द्वारा उसे आननफ़ानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया । जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया । जख्मी किसान ने चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव निवासी स्व रामरूप सिंह के 50 वर्षीय पुत्र लाल बहादुर सिंह है । इधर,परिजनों ने बताया कि सड़क के दूसरे साइड खेल रहे बच्चे को लाने के लिए जा रहे थे,तभी सामने से आ रहे बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी । इस हादसे में वो बुरी तरह जख्मी हो गए । जहां उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है ।

औरंगाबाद में महिला की मौत के बाद प्राथमिकी दर्ज

औरंगाबाद । डॉक्टरों की लापरवाही से एक महिला की जान चली गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने इस संबंध में ओबरा थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई है। महिला की पहचान देव प्रखंड के दुलारे पंचायत निवासी राजू कुमार यादव की 22 वर्षीय पत्नी सीता देवी के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीता अपने पति के साथ कोलकाता में किसी निजी कंपनी में काम करती थी और इधर कुछ दिनों की छुट्टी में मायके ओबरा थाना क्षेत्र के अदमा गांव आई हुई थी। मंगलवार को वह ओबरा बाजार बैंक के काम से गई थी और घर आकर तबीयत खराब होने की बात बताई। उसकी तबीयत खराब की जानकारी पर उसे ओबरा के अरविंद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां पानी चढ़ाने के बाद उसकी तबियत बिगड़ गई। चिकित्सक ने उसे अपने ही क्लिनिक में दाऊदनगर रेफर कर दिया।
परिजनों ने बताया कि वहां पाटांचला कि सीता की मौत हो चुकी है।सीता की मौत के बाद अस्पताल वालों ने अपने एंबुलेंस से जबरदस्ती उसके शव को अदमा भेज दिया।इस संबंध में ओबरा थाने में परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सक पर गलत इलाज लगाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने बुधवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व औरंगाबाद राजद के जिला प्रवक्ता डॉक्टर रमेश यादव ने भी अपने भतीजे की मौत का आरोप शहर के ही एक चिकित्सक संतोष कुमार पर लगाते हुए नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दो बेटियों के साथ महिला ने खाया जहर, तीनों की मौत

औरंगाबाद । एक महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ आत्महत्या कर ली। मंगलवार (12 सितंबर) की दोपहर पहले दोनों बच्चियों को मां ने जहर खिलाया, फिर खुद भी खा लिया। दोनों बच्चियों की जहर खाने के कुछ ही देर बाद मौत हो गई। जबकि महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महिला अपने पति के परदेस जाने से नाराज थी। इसलिए ये कदम उठाया। मामला ओबरा थाना क्षेत्र के ओबरा बाजार का है। मृतकों की पहचान ओबरा बाजार निवासी रुस्तम की पत्नी सितारा परवीन , उसकी दो बेटियां सना परवीन (3) और सिजा परवीन (15 महीने) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार की दोपहर करीब तीन बजे सितारा ने बच्चियों के साथ जहर खा लिया। घर के बाकी सदस्य जब कमरे में पहुंचे तो उन्हें इसकी जानकारी मिली। तीनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। महिला को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में नारायण मेडिकल कॉलेज जमुहार रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान देर रात उसने दम तोड़ दिया। महिला के ससुर मो. गनी ने बताया- मेरा बेटा बाहर काम करता है। इस बात को लेकर उसका पत्नी से अक्सर विवाद होता था। सितारा रुस्तम को बाहर काम करने के लिए नहीं जाने देना चाहती थी, लेकिन आज रुस्तम बाहर चला गया। इसी से नाराज सितारा ने बेटियों के साथ जहर खा लिया। यह कहते हुए वे रोने लगे। ससुर ने बताया कि सितारा का मायका दाउदनगर के पुरानी शहर में है। घटना की जानकारी सितारा के परिवार वालों को दे दी गई है। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। इस मामले में ओबरा थानाध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा ने बताया - उन्हें अभी तक इसकी जानकारी नहीं मिली है। सूचना मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

इंसाफ का तकाजा

भूमि के बदले नौकरी मामले में राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को गृह मंत्रालय की मंजूरी के वैधानिक तकाजे अपनी जगह हैं, और मजबूत हैं, मगर इसके राजनीतिक निहितार्थ भी तलाशे जाएंगे। तब तो और, जब इसी मामले में तीन वरिष्ठ रेल अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी अभी नहीं मिली है। चूंकि यह मामला करीब डेढ़ दशक पुराना है, जब यूपीए-1 में लालू यादव देश के रेल मंत्री हुआ करते थे, तो अब जब देश आम चुनाव से चंद माह दूर है और लालू यादव सत्ता-प्रतिरोध की मुखर आवाज बनकर सामने हैं, सीबीआई की इस सक्रियता पर विपक्ष बदले की राजनीति का आरोप लगा रहा है। ऐसे आरोपों की गुंजाइश नहीं बनती, यदि सीबीआई ने पूरी तत्परता से राजनीतिक रसूख वाले तमाम मामलों को अदालत तक पहुंचाया होता। सीबीआई और ईडी की कार्रवाइयों पर जैसे सियासी हमले हो रहे हैं, उनसे इन केंद्रीय जांच एजेंसियों की साख को गंभीर चोट पहुंचती है, और इससे वे अपनी पारदर्शिता से ही पार पा सकती हैं। सवाल उठता है, सीबीआई को रसूखदार लोगों के खिलाफ जांच में इतना वक्त क्यों लगता है? इस पूरे मामले में ही लालू यादव के अलावा एक पूर्व मुख्यमंत्री, एक उप-मुख्यमंत्री और एक सांसद तक को आरोपी बनाने की बात है! यह मामला हमारी जांच एजेंसियों की कार्यशैली पर अपने आप में एक गंभीर टिप्पणी है। भारतीय राजनीति में दागियों का जो बोलबाला है, उसके लिए काफी हद तक जांच एजेंसियां भी जिम्मेदार हैं, क्योंकि राजनेताओं और नौकरशाहों की दुरभिसंधि किसी से छिपी नहीं है। इसके उदाहरणों को यहां गिनाने की जरूरत नहीं। आला अदालतों की टिप्पणियां अक्सर इसे उजागर करती रही हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वाच (एनईडब्ल्यू) के अध्ययन बताते हैं कि इस वक्त हमारी संसद में शोभायमान 40 फीसदी माननीयों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से 25 प्रतिशत के खिलाफ तो गंभीर श्रेणी के अपराधों के आरोप हैं। विडंबना यह है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसे दागियों से अछूता नहीं है। ऐसे में, भारतीय राजनीति को बेदाग बनाने के लिए कितनी गंभीर पहल और कितने ईमानदार प्रयासों की जरूरत है, यह समझा जा सकता है। जमीन के बदले नौकरी का आरोप संगीन है। यह न सिर्फ आर्थिक शोषण और बेईमानी से जुड़ा है, बल्कि कितने ही योग्य बेरोजगारों के साथ विश्वासघात का भी मामला है। अब यदि सीबीआई ने अदालत को सूचित किया है कि उसे मुकदमे चलाने की इजाजत मिल गई है, तो उसका यह दायित्व है कि वह अकाट्य सबूतों के साथ इसे अंजाम तक ले जाए। भारतीय विधायी संस्थाओं व इसके लोकतंत्र का भविष्य तभी उज्ज्वल हो सकता है, जब इनमें दागी लोग निर्णायक हैसियत में न पहुंचें। देश में कानूनों की कमी नहीं है, अभाव उनके क्रियान्वयन की नीयत का है। सीबीआई पर बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि यदि वह सटीक सबूत अदालत के समक्ष नहीं पेश कर पाई, तो लोगों में यही संदेश जाएगा कि विपक्ष की राजनीतिक गोलबंदी को कमजोर करने के लिए लालू परिवार को निशाना बनाया जा रहा है।

जी-20 का संदेश

भारत में आयोजित जी-20 के 1.8वें शिखर सम्मेलन की जितनी प्रशंसा की जाए, कम होगी। जब दुनिया में दो बड़े ध्रुवों के बीच प्रत्यक्ष-परोक्ष युद्ध चल रहा हो, तब किसी वैश्विक मंच पर पूरी दुनिया की बेहतरी के लिए एक घोषणापत्र का जारी होना सुखद संकेत है। भारत को तन-मन-धन से अपने अथक प्रयासों के चलते ही यह कामयाबी मिली है। भारत की गुटनिरपेक्षता या स्वतंत्र चेतना ने भी शिखर सम्मेलन को सफल बनाया है। वैश्विक कूटनीति के मंच पर एक उत्तम आयोजक वही होता, जो मैत्री प्रयासों में अपनी ओर से कुछ जोड़कर दुनिया को रहने की बेहतर जगह बनाने की कोशिश को आगे बढ़ाता है। रविवार को जी-20 के आयोजन के समापन की घोषणा हो गई। ब्राजील में जब जी-20 का शिखर आयोजन होगा, तब भारत के आयोजन को याद किया जाएगा, सही मायने में तुलना होगी और दुनिया महसूस करेगी कि भारत के आयोजन में क्या खास था। आर्थिक सहयोग, पर्यावरण, आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष, गरीब देशों को आर्थिक मदद और जमीनी स्तर पर सहयोग के अनेक रास्ते नई दिल्ली में खुले हैं या प्रशस्त हुए हैं। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो घोषणाएं हुई हैं, उनसे दुनिया में बड़ा परिवर्तन संभव है। गरीब और विकासशील देशों में सुख-शांति के लिए भ्रष्ट आचरण का अंत जरूरी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ वैश्विक सहयोग और सूचना तंत्र को मजबूत करने पर जरूरी सहमति बनी है। एक बड़ा कदम जी-20 के देशों में बेरोजगारी दूर करने के लिए उठाया गया है। अगर इन देशों में बेरोजगारों का डाटा बेस पुख्ता तौर पर बन गया, तो कायाकल्प हो जाएगा। दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत इन्हीं देशों में मौजूद है और अब तो यह प्रतिशत और बढ़ गया है, पूरा अफ्रीका जी-20 में शामिल हो गया है। एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का नारा बुलंद करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र सहित तमाम वैश्विक निकायों में सुधारों पर नए सिरे से जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि यह प्रकृति का नियम है, जो लोग समय के साथ नहीं बदलते, वे प्रासंगिकता खो देते हैं। कोई दोराय नहीं कि इस आयोजन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत की मांग मजबूत हुई है। इक्का-दुक्का देश ही अब भारत की राह में रोड़ा बन रहे हैं, उन्हें भी देर-सबेर हकीकत से रूबरू होना पड़ेगा।

हिंदी का बदलता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

हिंदी भाषा की क्षमता को कई तरह से आँका जाता है। उसके बोलने वालों का बढ़ता संख्या बल, साहित्य-सृजन की मात्र और उसके प्रकाशन का विस्तार, हिन्दी की बढ़ती शब्द-संपदा, हिंदी का लचीला भाषिक स्वरूप, जन-संचार माध्यमों में हिंदी की बढ़ती उपस्थिति, भाषांतर या अनुवाद की व्यवस्था, पारिभाषिक शब्दावली का विकास आदि को ध्यान में रख कर हिंदी की व्यापक भूमिका को अक्सर रेखांकित किया जाता है। भारत के एक बड़े भू भाग में रहने वाली आम जनता अपने सामान्य जीवन में हिंदी को व्यवहार में लाती है परंतु घर के बाहर निकलते ही उसे एक भिन्न प्रकार के और एक हद तक अस्वाभाविक से भाषिक संसार का सामना करना पड़ता है। हिंदी क्षेत्रों में बाजार, स्कूल, मनोरंजन, कोर्ट-कचहरी, अस्पताल, सरकारी कार्यालय और बैंक आदि स्थानों पर हिंदी और अँग्रेजी भाषाएँ प्रतिष्ठा, प्रामाणिकता और उपलब्धता के पैमानों पर अलग पायदानों पर खड़ी दिखती हैं। आज भी अँग्रेजी की स्वीकार्यता निश्चित रूप से अधिक है और वह कुछ अतिरिक्त मोह के साथ भारतीय मानस पर सवार है।

अनुमान किया जा रहा है कि इक्कीसवीं सदी में विश्व-पटल पर भारत और चीन देशों की मुख्य भूमिका हो सकती है। वे कई परिवर्तनों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करते हैं। संचार माध्यमों के तीव्र विस्तार के साथ कई अर्थों में 'विश्व-व्यवस्था' और 'विश्व-गाँव' जैसे जुमले वास्तविकता का आकार ले रहे हैं। व्यापार-वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए नए किस्म की जरूरतें पैदा हो रही हैं। अपने हितों को देखते हुए अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत के साथ व्यापार बढ़ा रही हैं। चूंकि उपभोक्ता या ग्राहक हिंदी क्षेत्र में अधिक हैं अतः अर्थतंत्र की संघटना में हिंदी की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हुई है। इस बीच सूचना-प्रौद्योगिकी का भी अप्रत्याशित विस्तार हुआ है जिसने भाषा-व्यवहार, कार्य के परिवेश और कार्य पद्धति में एक अनिवार्य बदलाव आ रहा है। हिंदी भाषा की क्षमता को कई तरह से आँका जाता है। उसके बोलने वालों का बढ़ता संख्या बल, साहित्य-सृजन की मात्र और उसके प्रकाशन का विस्तार, हिन्दी की बढ़ती शब्द-संपदा, हिंदी का लचीला भाषिक स्वरूप, जन-संचार माध्यमों में हिंदी की बढ़ती उपस्थिति, भाषांतर या अनुवाद की व्यवस्था, पारिभाषिक शब्दावली का विकास आदि को ध्यान में रख कर हिंदी की व्यापक भूमिका को अक्सर रेखांकित किया जाता है। भारत के एक बड़े भू भाग में रहने वाली आम जनता अपने सामान्य जीवन में हिंदी को व्यवहार में लाती है परंतु घर के बाहर निकलते ही उसे एक भिन्न प्रकार के और एक हद तक अस्वाभाविक से भाषिक संसार का सामना करना पड़ता है। हिंदी क्षेत्रों में बाजार, स्कूल, मनोरंजन, कोर्ट-कचहरी, अस्पताल, सरकारी कार्यालय और बैंक आदि स्थानों पर हिंदी और अँग्रेजी भाषाएँ प्रतिष्ठा, प्रामाणिकता और उपलब्धता के पैमानों पर अलग पायदानों पर खड़ी दिखती हैं। आज भी अँग्रेजी की स्वीकार्यता निश्चित रूप से अधिक है और वह कुछ अतिरिक्त मोह के साथ भारतीय मानस पर सवार है। यह तब है जब पूरे भारत में हिंदी जानने वालों की संख्या 50 प्रतिशत और अँग्रेजीदाँ की संख्या महज 10 प्रतिशत है। कोई भी भाषा संदर्भ के अनुसार विकसित होती है। जिस भाषा का प्रयोग-क्षेत्र जितना ही विस्तृत होता है वह उतनी ही सबल होती है। जब भाषा के प्रयोग को समाज में सम्मान मिलता है तो उसकी स्वीकृति बढ़ती है। भाषा प्रयोग की औपचारिक और अनौपचारिक शैलियों में भी अंतर होता है और उनकी शब्दावली भी भिन्न हो जाती है। परंतु यह सर्वमान्य है की कोई भाषा उतनी ही सीखी जाती है जितनी उसकी उपयोगिता होती है। भाषा के प्रयोग से ही उसका अस्तित्व होता है और प्रयोक्ताओं कि आवश्यकता से उसकी दक्षता निर्धारित होती है। जब समाज को भाषा की जरूरत होती है तो वह उसका संरक्षण करता है। यह भी गौरतलब है कि भाषाओं के विस्तार के लिए राजनीति बेहद महत्वपूर्ण है। यदि आज अंग्रेजी का बोलबाला है तो इसका कारण यही है कि दुनिया में अनेक देश उसके उपनिवेश रहे हैं। वही हाल फ्रेंच या स्पेनिश साम्राज्य का था। जहां भी उनके उपनिवेश बने थे वहाँ उनकी भाषा चली। भारत को स्वतंत्रता मिलने के सात दशक बाद भी अँग्रेजी के प्रति ज्यादातर भारतीयों का एक दुर्निवार आकर्षण आज भी बना हुआ है और उसे आसानी से देखा जा सकता है। जीवन के अनेक क्षेत्रों में प्रयोग के कारण अंग्रेजी का प्रभुत्व बना हुआ है। अंग्रेजी ज्ञान के आधार पर अच्छी नौकरी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। साथ ही सरकारी दस्तावेज मूलतः अंग्रेजी में होते हैं और सरकारी कामकाज में अंग्रेजी का बोलबाला है। इसी तरह प्रौद्योगिकी तथा ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भी अंग्रेजी की उपस्थिति प्रमुखता से देखी जा सकती है। ऐसे में अंग्रेजी के जानकार व्यक्ति को समाज में अधिक आदर और सम्मान मिलता है। अनुमान है कि जीवन में महत्वपूर्ण लगभग 85 प्रतिशत कार्यों में अँग्रेजी की साख है और 15 प्रतिशत कार्यों में ही हिंदी का प्रयोग होता है। स्वतंत्रता मिलने के बाद विदेशी भाषा की उपयोगिता और उससे जुड़ा सम्मान भाव कम नहीं हुआ है। यही कारण है कि आज गरीब तबके के लोग भी लाख मुसीबतें झेल कर महंगे अंग्रेजी स्कूल में ही अपने बच्चे को भर्ती करा कर उसे पढ़ाने का बंदोबस्त करते हैं। सरकार इन सबसे उदासीन है हालांकि मातृभाषा में ही बच्चों की शिक्षा का लाभ सर्वविदित है। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में अंग्रेजी की घुसपैठ बढ़ती जा रही है और 'हिंग्लिश' यानी हिंदी में अंग्रेजी के छिड़काव को लेकर लोग गर्व करते दिख रहे हैं। लोग अपनी बात को प्रभावी बनाने के लिए अनावश्यक रूप से अंग्रेजी शब्दों को ठूंसते रहते हैं। ऐसी लापरवाही अवांछित परिणाम भी होते हैं। विशेष रूप से हिंदी की वर्तनी या हिज्जा विकृत हो जाता है। दूसरी ओर अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और उपलब्धि भी सामान्यतः साधारण स्तर की ही पाई जाती है। भाषाओं के समकालीन अध्येता भाषाओं के विस्तार और संकोच का जो मानचित्र दिखा रहे हैं उसमें निकट भविष्य में सहस्त्राधिक भाषाओं के लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है परंतु संख्या बल की बदौलत हिंदी की स्थिति की सुदृढ़ता का संकेत देते हैं। आज भाषा के संरक्षण और सम्बर्धन के लिए बहुभाषिक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। शब्दकोशों और विश्वकोशों की संख्या बढ़ रही है। हिंदी के व्याकरण पर कार्य हो रहा है, ई-पुस्तकालय और ई-बुक का भी निर्माण जोरों पर है। इससे हिंदी को गति और ऊर्जा मिल रही है। हिंदी के प्रयोग का क्षेत्र भी बढ़ा है और चार करोड़ प्रवासी भारतीय भि इससे जुड़े हैं। भारत के बाहर हिंदी का प्रयोग भाषा और संस्कृति की दृष्टि से दक्षेस, खाड़ी देश, यूरोप, अमेरिका, मारिशस, सूरीनाम, फीजी, गयाना, त्रिनीदाद, दक्षिण अफ्रीकाआदि में हो रहा है। विश्व हिंदी सचिवालय मारीशस में स्थापित हुआ है। 11 वां विश्व हिंदी सम्मेलन भी अगस्त 2018 में वहीं आयोजित हुआ था। प्रधान मंत्री मोदी की हिंदी के सम्बर्धन में विशेष रुचि है। भारत और विदेश में वे अपने भाषणों के लिए हिंदी माध्यम चुनते हैं। संयुक्त राष्ट्र में पहल हुई है और साप्ताहिक बुलेटिन हिंदी में जारी किया जा रहा है। साथ ही वहाँ पर विविध प्रकार की सामग्री भी हिंदी में उपलब्ध करने की व्यवस्था हो रही है।अब भारत में हिंदी माध्यम से चिकित्सा और तकनीकी विषयों के अध्यापन की व्यवस्था हो रही है। नई शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं, भारतीय ज्ञान परम्परा और मातृभाषा पर विशेष रूप से जोर दे रही है। अनुवाद की प्रौद्योगिकी भी तेजी से विकसित हुई है। आशा की जाती है इन सबसे भाषा की जमीनी हकीकत बदलेगी। फिर भी आमजन में भाषा के लिए गौरव बोध की चेतना जगानी होगी। आज भारतीय पेशेवर विश्व में हर कहीं दिखते हैं और भारत की राजनैतिक-आर्थिक सत्ता की व्यापक उपस्थिति में योगदान कर रहे हैं। इस कार्य में मीडिया की विशेष भूमिका है। आज फिल्म, विज्ञापन, प्रकाशन तथा सोशल मीडिया ने हिंदी के संबर्धन के लिए अवसर बढाया है और भारत ज्ञान कोश, हिंदी विकीपीडिया, हिंदी कविता कोश आदि ने हिंदी के लिए प्रचुर साहित्य सामग्री उपलब्ध कराई है। महात्मा गांधी अंतर राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के हिंदी समय डाटकाम पर 7 लाख पृष्ठ का हिंदी साहित्य उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त समाज विज्ञान कोश (छह खंडों में), अहिंसा शब्दकोश, वर्धा हिंदी कोश वर्धा विश्व विद्यालय के पोर्टल पर निःशुल्क उपलब्ध है। और भी अनेक डिजिटल संसाधन मुहैया कराने वाले प्रयास हो रहे हैं। सोशल मीडिया में भी ब्लाग, ट्विटर आदि पर भी हिंदी का प्रयोग बढ़ रहा है। इन माध्यमों को देखें तो साहित्य की एक पूरी नई विधा ही आकार लेती दिख रही है। समर्थ भाषा बनाने के लिए हिंदी का स्थिर वर्ण क्रम होना चाहिए और उसका मानकीकरण तथा अनुपालन जरूरी है। क्षेत्रीय भिन्नता के कारण लोक व्यवहार में विविधता तो होगी पर औपचारिक क्षेत्र में एकरूपता अपेक्षित है। लिखित रूप में लिपि चिह्नों का संयोजन, शब्द स्तर की वर्तनी और विराम चिह्न आदि का अनुशासन जरूरी है। एक ध्वन्यात्मक भाषा के रूप में हिंदी के परिनिष्ठित रूप को पाने के लिए यह जरूरी होगा। उदाहरण के लिए अर्धचंद्र, बिन्दु, अनुस्वार, चंद्र बिन्दु और अनुनासिकता आदि को लेकर कई तरह के भ्रम बने हुए हैं और शैलियां प्रचलित हैं। मानकीकरण से स्पष्टता, प्रामाणिकता और संप्रेषणीयता आ सकेगी। राजभाषा के रूप में हिंदी प्रयोग के लिए विधि विधान तो संविधान में किए गए हैं परंतु कार्यान्वयन की दृष्टि से अभी भी हम बहुत पिछड़े हैं। कहना न होगा कि अपनी भाषा में सोचने, पढ़ने और लिखने से सर्जनात्मकता को भी बल मिलेगा। लोकतंत्र में जन भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए भी भाषा की केंद्रीय भूमिका है परंतु अभी तक भाषा, शिक्षा और लोकतंत्र के पारस्परिक रिश्ते की गम्भीरता को हम नजर अंदाज करते आ रहे हैं। सशक्त और समर्थ भारत का सपना देखते हुए इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

जिन कुशल कामगारों का कोई नहीं उसके लिए विश्वकर्मा योजना

कभी यह भी सोचा जाना चाहिए कि देश के आजाद होने के इतने दशक गुजरने के बाद भी हमने मोची, धोबी, बढ़ई, लोहार, कुम्हार जैसे निचले स्तर पर काम करने वाले कुशल कामगारों के हितों को लेकर कोई व्यापक नीति क्यों नहीं बनाई? अगर इनके बारे में पहले सोचा जाता तो ये भी देश के विकास का लाभ ले रहे होते। इनकी अनदेखी तो हुई। हां, इतना सुकून किया जा सकता है कि अब इनके बारे में सोचा जा रहा है। अब सरकार इनकी जिंदगी में खुशियां लाने के लिये विश्वकर्मा योजना लेकर आ रही है। इस योजना के ऊपर अगले पांच साल में 13 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी 17 सितंबर को जन्म दिन पर शुरू होने वाली इस योजना के तहत मोची, धोबी, बढ़ई, लोहार कुम्हार आदि को पांच प्रतिशत की दर से एक लाख रुपये और दूसरे चरण में दो लाख रुपये का कर्ज मिल सकेगा। शिल्पकारों और कामगारों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। ट्रेनिंग लेने वालों को हर दिन 500 रुपये का मानदेय देने की व्यवस्था हो रही है। सच में अफसोस होता है कि हमारे नीति निर्धारक इतने संवेदनशील भी नहीं रहे जिससे कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिये कल्याणकरी योजनाएं बन पातीं। क्या ये हमारे देश-समाज में शामिल नहीं हैं? हमने इनकी इतनी बेकद्री क्यों की? राजकपूर की 1954 में रिलीज हुई अमर फिल्म बूट पालिश के पात्र भोला जैसे बच्चे देश के तमाम शहरों के बाजारों में आराम से देखने को मिलते हैं। बूट पालिश फिल्म के विपरीत असली जिंदगी में भोला जैसे किसी बच्चे के साथ उसकी बहन बेलू या कोई और लड़की नहीं होती। ये जगह-जगह अपने लकड़ी के बने डिब्बे के साथ बैठे होते हैं। उसमें अलग-अलग रंगों की पालिश, ब्रश और कपड़े होते हैं। कुछेक पास मोची का सामान भी होता है। ये इन्हीं से अपने ग्राहकों के जूते सैंडिल वगैरह चमकाते और बनाते हैं। ये 15 साल से 55 साल तक मिलेंगे। कई-कई तो बूट पालिश का काम करते हुए ही अधेड़ हो गए हैं। ये जब काम करने लगते हैं तो ये बच्चे होते हैं। घर की कमजोर माली हालत के चलते पढ़ नहीं पाते और फिर करने लगते हैं बूट पालिश और मोची का काम। इनकी कभी कोई मदद नहीं करता। कुछ दिन पहले राजधानी में समाप्त हुये जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के राष्ट्रपति लूला भी पधारे थे। वे भी एक मोची परिवार से थे। उन्होंने भी बचपन में बूट पालिश की थी। आज वे विश्व के बेहद असरदार नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। कहने का मतलब ये है कि अगर हमने अपने समाज के हाशिये पर धकेले गये लोगों को पर्याप्त अवसर दिये होते तो वे भी देश की मुख्यधारा का हिस्सा होते। खैर, अब उन्हें अवसर मिलेंगे तो वे आगे बढ़ेंगे। विश्वकर्मा योजना के बहाने कुतुब मीनार की चर्चा करना समीचीन होगा। कुतुब मीनार के निर्माण में विश्वकमार्जी का भी आशीर्वाद रहा है। यह तथ्य इतिहास के पन्नों में दर्ज है। हुआ यह कि सन 1369 में बिजली गिरने के कारण कुतुब मीनार की ऊपरी मंजिलों के कुछ हिस्से भी क्षतिग्रस्त हो गये। तब दिल्ली की गद्दी पर फिरोजशाह तुगलक का राज था। उन्होंने कुतुब मीनार के क्षतिग्रस्त भागों की मरम्मत के आदेश दिए। उनके आदेश के बाद कुतुब मीनार की पांचवीं मंजिल नए सिरे से बनाई गई। उसमें संगमरमर का भी भरपूर इस्तेमाल भी किया गया। इतिहासकार डॉ स्वपना लिड्डल कहती हैं कि ह्लकुतुब मीनार की मरम्मत के काम को अंजाम देने वाले आर्किटेक्ट, ठेकेदारों और मजदूरों ने निर्माण स्थल पर अपने नाम जैसे नाना, साल्हा, लोला लक्ष्मना भी लिख दिए।ह्व उन्होंने यह भी लिख दिया कि ह्लउनका सारा काम विश्वकर्मा के आशीर्वाद से संपन्न हुआ।ह्व यह सब अब भी लिखा हुआ है। एएसआई की एक रिपोर्ट में संस्कृत में उत्कीर्ण ठेकेदारों तथा मजदूरों के उद्गार लिखे मिलते हैं। बेशक, विश्वकर्मा योजना उन लाखों-करोड़ों लोगों की जिंदगी में ना केवल सकारात्मक बदलावों का वाहक बनेगी बल्कि विकसित भारत का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। भारत की जीडीपी में असंगठित क्षेत्र का योगदान लगभग 50 फीसदी है। देश के श्रमबल का 90 फीसदी असंगठित क्षेत्र में काम करता है। पारंपरिक पेशे से जुड़े कारीगरों का हमारे समाज में खासा महत्व है। हमारे यहां ऐसे कारीगर बहुतायत है, जो अपने हाथ के कौशल से देशी औजारों का उपयोग करते हुए जीवन बसर करते हैं। हमने कोरोना काल में इन्हें भी धक्के खाते देखा था। तब ये सैकड़ों-हजारों किलोमीटर का सड़क मार्ग से सफर करके अपने गांवों में पहुंचे थे। उस कठिन यात्रा में कई मजदूर मारे भी गये थे। इन्हें सरकार से हर तरह की मदद की जरूरत है। अगर इन्हें कुछ लोन मिलने लगे तो ये अपने काम को चमका सकेंगे। आजादी के बाद देश के पारंपरिक पेशे से जुड़े कारीगरों को सरकार से जिस मदद की आवश्यकता थी, वो उन्हें नहीं मिल पाई। यही वजह रही कि कइयों को अपना पुश्तैनी और पारंपरिक व्यवसाय छोड़ने को मजबूर होना पडा। पर इस योजना को पूरी ईमानदारी से लागू करना होगा, ताकि इसका लाभ उन्हें मिले जो इसका सच में पात्र हैं। याद नहीं आता कि पहले कभी कौशल जीवियों के हित में इतनी वृहद योजना शुरू की गई हो। हमने कोरोना काल में देखा था जब लकड़ी का काम करने वाले कारपेंटर, प्लंबर, नाई आदि भी दाने-दाने को मोहताज हो गए थे। इनका लगभग दसेक महीने तक कामकाज बिल्कुल ठंडा रहा। देश में प्लंबिंग के काम पर उड़ीसा के प्लंबरों का लगभग एकछत्र राज है। इनकी वही स्थिति है जो अस्पतालों में केरल की नर्सों की होती है। ये सुबह ही अपने औजारों का बैग लेकर खास चौराहों या हार्डवेयर की दुकानों पर मिल जाते हैं। वहां से ही इन्हें लोग अपने घरों-दफ्तरों में ले जाते हैं या फिर इन्हें बुला लेते हैं। अपने काम में उस्ताद ये उड़िया प्लंबर एक बार जो अपने काम का जो दाम मांग लेते हैं, फिर उससे पीछे नहीं हटते।

Social Media Corner

सच के हक में...

राजस्थान के भरतपुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें गुजरात से धार्मिक यात्रा पर गए जिन श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिवारजनों के प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

जनता के आशीर्वाद से डुमरी विधानसभा उपचुनाव में विजयी आदरणीय भाभी माँ श्रीमती बेबी देवी जी को अनेक-अनेक शुभकामनाएं और जोहार।
स्व टाइगर जगरनाथ महतो जी के सपनों और अधूरे कार्यों को हमें मिलकर पूरा करना है।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

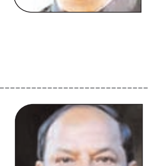

आदरणीय प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1650 करोड़ के कुल वित्तीय लागत के साथ अगले तीन वर्षों में 75 लाख एलपीजी कनेक्शन जारी करने के लिए प्रधानमंत्री उज्वला योजना के विस्तार को मंजूरी दी।

(पूर्व सीएम रघुवर दास के ट्विटर अकाउंट से)

दुनिया में सबसे समृद्ध भाषा है हिन्दी

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाते लगा, जो हिंदी भाषा के महत्व को दशार्ता है। किसी भी देश की भाषा और संस्कृति उस देश में लोगों को लोगों से जोड़े रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हिन्दी और देवनागरी के मानकीकरण की दिशा में अनेक क्षेत्रों में प्रयास हुये हैं। हिन्दी भारत की सम्पर्क भाषा भी है। अतः हम कह सकते है कि हिन्दी एक समृद्ध भाषा है। भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने में हिन्दी भाषा का बहुत बड़ा योगदान है। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है और दिन-प्रतिदिन इसमें और तेजी आ रही है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। संस्कृत भारत की सबसे प्राचीन भाषा है, जिसे देवभाषा भी कहा जाता है। माना जाता है कि हिंदी का जन्म भी संस्कृत से हुआ है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है। हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। भारत की मातृभाषा हिन्दी को सम्मान देने के लिये प्रति वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं वर्चस्व कायम किया है। हिन्दी की यह स्थिति हिन्दी भाषियों और हिन्दी समाज की देन है, लेकिन हिन्दी भाषी समाज का एक तबका हिन्दी की दुर्गति के लिए भी जिम्मेदार है। अंग्रेजी बोलने वाला ज्यादा ज्ञानी और बुद्धिजीवी होता है, यह धारणा हिन्दी भाषियों में हीन भावना लाती है। जिंदगी में सफलता पाने के लिये हर कोई अंग्रेजी भाषा को बोलना और सीखना चाहता है। हिन्दी भाषी लोगों को इस हीन भावना से उबरना होगा, क्योंकि मौलिक विचार मातृभाषा में ही आते हैं। शिक्षा का माध्यम भी मातृभाषा होनी चाहिए। शिक्षा विचार करना सिखाती है और मौलिक विचार उसी भाषा में हो सकता है जिस भाषा में आदमी जीता है। हमें अहसास होना चाहिये कि हिन्दी दुनिया की किसी भी भाषा से कमजोर नहीं है। हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से सम्पर्क स्थापित करने का अभिनव कार्य किया है, लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों के दो तिहाई देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। हम संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं, जिससे हिन्दी भाषा का महत्व विदेशी धरती पर भी बढ़ने लगा है।

शेयरों को मिली शक्ति

भारतीय शेयर बाजारों में बढे. निवेश से उत्साह की स्थिति है, जो चढ़ते सूचकांकों से जाहिर हो रही है। सोमवार को मुंबई शेयर बाजार के सूचकांक अर्थात सेंसेक्स ने 528 अंक की छलांग लगाकर 67,000 का स्तर फिर से हासिल कर लिया, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक निफ्टी ने पहली बार रिकॉर्ड 20,000 का आंकड़ा पार किया है। शेयर बाजार में नई बहार की मुख्य वजह यह है कि घरेलू निवेशकों की ओर से मजबूत खरीदारी जारी है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था उसके आंतरिक बल से ही बुनियादी रूप से मजबूत होती है, आज भारत में इस बुनियादी मजबूती के संकेत साफ दिखने लगे हैं। मोटे तौर पर शेयर बाजार में लगातार सातवें दिन बढ़त का रुख देखा गया है। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि जी-20 के सफल आयोजन से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। यूरोप से भारत तक आर्थिक गलियारा या कॉरिडोर का निर्माण, सऊदी अरब के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते, अफ्रीका के तमाम देशों के साथ जी-20 और भारत का सीधे जुड़ाव क्रांतिकारी साबित हो सकता है। गौर करने की बात है कि निफ्टी बीती जुलाई 2023 में 20,000 अंक को छूने में कामयाब रहा था। इस बार विदेशी निवेशकों की भूमिका तो मिली-जुली रही है, पर स्वदेशी निवेशकों का सर्वाधिक हाथ रहा है। बहुत संभव है कि स्वदेशी निवेशकों का अगर विश्वास बना रहे, तो विदेशी निवेशक भी बड़ी पूंजी के साथ भारतीय बाजारों में उतरेंगे। ऐसे में, सूचकांक के चढ़ने की ज्यादा संभावना है। वैसे भी, भारत में त्योहारी मौसम आने वाला है। पितृ पक्ष के समापन अर्थात आधे अक्तूबर के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था और विशेषकर शेयर बाजारों में रौनक बढ़ सकती है। भारतीय शेयर बाजारों को भारतीय निवेशकों से ही ज्यादा उम्मीद रखनी चाहिए। दुनिया के ज्यादातर देशों में अभी अर्थव्यवस्थाएं तनाव के दौर से गुजर रही हैं। वैश्विक स्थिति अस्थिर बनी हुई है, इसलिए भारतीय कंपनियों को पूरी सावधानी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। भारतीय शेयर बाजारों में असली सुकून तब हासिल होगा, जब भारतीय कंपनियां विश्वास के साथ बेहतर प्रदर्शन करेंगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

ग्राहको को कागजात लौटने में की देरी तब बैंकों की खैर नहीं : आरबीआई

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने होम लोन लेने वालों को बड़ी राहत दे दी है। अब अगर लोन चुका देने के बाद बैंक, एनबीएफसी या हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां संपत्ति के कागजात को वापस देने में देरी करती है, तब उन्हें ग्राहकों को हर्जाना देना पड़ेगा। रिजर्व बैंक ने बुधवार सुबह यह आदेश जारी किया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सभी बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों को निर्देश दिया है कि वह लोन चुकता होने के बाद 30 दिन के अंदर सभी डॉक्यूमेंट्स ग्राहकों को लौटाएं। साथ ही आरबीआई ने कहा है कि इसके लिए बैंकों और सभी वित्तीय संस्थानों को किसी भी तरह का चार्ज भी हटाना होगा। आरबीआई ने निर्देश जारी किया है कि लोन लेने वाला अपनी ब्रांच से या उस वित्तीय संस्थान की किसी भी शाखा से अपनी जरूरत के हिसाब से यह दस्तावेज वापस पा सकता है। साथ ही कहा गया है कि जारी किए गए सैंक्शन लेटर (ऋण स्वीकृति पत्र) में मूल चल/अचल संपत्ति दस्तावेजों की वापसी की समयसीमा और स्थान का उल्लेख किया जाएगा, जहां से इनको वापस किया जाना है। यदि कर्जदार की मृत्यु हो जाती है, तब उसके उत्तराधिकारी को दस्तावेज वापस करना होगा। आरबीआई के निर्देश के तहत इसकी जिम्मेदारी रेगुलेटेड एंटिटीज की होगी। साथ ही इस प्रक्रिया को जानकारी ऑनलाइन वेबसाइट पर भी अपलोड करना होगी। आरबीआई ने कहा है कि यदि बैंक या अन्य रेगुलेटेड एंटिटीज रजिस्ट्री के कागजात या ऑरिजिनल दस्तावेज खो देते हैं, तब इस स्थिति में ग्राहकों को फिर से कागजात निकलवाने में भी संबंधित संस्थानों को ही मदद करनी होगी। आरबीआई ने साफ किया है कि मूल चल/अचल संपत्ति दस्तावेजों को वापस करने में देरी या ऋण की पूर्ण चुकौती/निपटान के बाद 30 दिनों से अधिक समय तक दस्तावेज वापस न करने पर मुआवजा भी देना होगा। ऐसे मामले में जहां देरी रेगुलेटेड एंटिटीज के कारण होती है, वह उधारकर्ता को देरी के प्रत्येक दिन के लिए 5,000 रुपये की दर से मुआवजा देगा।

अमेरिकी सेब पर अतिरिक्त प्रतिकारी शुल्क हटाने का घरेलू उत्पादकों पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को साफ किया है कि अमेरिका से सेब और अखरोट सहित 8 कृषि उत्पादों के आयात से अतिरिक्त प्रतिकारी शुल्क हटाए जाने का घरेलू उत्पादकों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि दरअसल इस कदम से प्रीमियम मार्केट सेग्मेंट में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे ग्राहकों को बेहतर मूल्य पर बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। खासकर सेब के मामले में इसका फायदा ग्राहकों को मिलेगा। वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव पीयूष कुमार ने कहा, 'कुछ चिंता व्यक्त की गई थी, जिस पर आपसी सहमति से समाधान कर लिया गया है। खासकर 7-8 कृषि उत्पादों को लेकर यह चिंता जताई गई थी, जिनके आयात पर हमने उस समय प्रतिकार शुल्क लगाया था, जब अमेरिका ने स्टील व एल्युमीनियम पर शुल्क लगाया था।' कुमार ने कहा, 'इस तरह से सिर्फ अतिरिक्त (आयात शुल्क) ही हटाया गया है। बुनियादी आयात शुल्क 50 प्रतिशत (सेब के मामले में) लागू रहेगा। जब हमने अमेरिका के खिलाफ अतिरिक्त शुल्क लगाया था, इसका एक नुकसान था। एक बाजार गंवा दिया, जिसकी जगह कुछ अन्य देशों ने ले ली, जिनमें ईरान, न्यूजीलैंड, चिली, तुर्की शामिल हैं। यह अतिरिक्त शुल्क हटने से अमेरिका इन बाजारों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सकेगा।' इसके अलावा सेब पर भूटान को छोड़कर सभी देशों से आयात पर 50 रुपये प्रति किलो न्यूनतम आयात शुल्क (एमआईपी) लगता है, जिससे खराब गुणवत्ता के सेब की डंपिंग से बचा जा सके और भारतीय बाजार को किसी प्रभावित करने वाली मूल्य नीति से बचाया जा सके। वाणिज्य विभाग के एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'अमेरिका का सेब, बादाम, और अखरोट अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। बयान उस समय आया है, जब स्थानीय किसानों और उत्पादकों ने नुकसान का अनुमान लगाया है। खासकर कश्मीर के सेब और अखरोट के किसानों ने आपत्ति जाहिर की थी, क्योंकि अब अमेरिका को इन सामानों के लिए व्यापक बाजार तक पहुंच मिल जाएगी। भारत में जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर सेब का उत्पादन किया जाता है। दोनों राज्य मिलकर भारत का करीब 97 प्रतिशत सेब उत्पादन करते हैं।

फ्रांस ने एप्पल को दिया झटका, आईफोन 12 की बिक्री पर रोक

पेरिस। एप्पल ने जब अपना आईफोन 15 लांच किया, तभी फ्रांस ने कंपनी को बड़ा झटका दे दिया। फ्रांस में एप्पल के आईफोन 12 की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि आईफोन 12 फोन से हानिकारक रेडिएशन निकलने की शिकायत सामने आई है। रेडियो फ्रीक्वेंसी को नियंत्रित करने वाली फ्रांसीसी एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। एएनएफआर ने कहा कि उसने मार्केट से 12 सितंबर को एप्पल के आईफोन 12 हटाने का आदेश दिया क्योंकि फोन की बॉडी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन को बहुत ज्यादा उत्सर्जित कर रही है। एएनएफआर ने एप्पल को आईफोन 12 की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले के बारे में सूचित किया। लैब में परीक्षण से पता चला कि फोन चाहे हाथ में हो या पॉकेट में, उसकी बॉडी 5.74 वाट प्रति किलोग्राम इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन को अब्जॉर्ब कर रही है। हालांकि, यूरोपीय देशों में इसकी रेंज 4.0 वाट प्रति किलोग्राम के भीतर होनी जरूरी है।

यह खबर एप्पल के सीईओ टिम कुक द्वारा आईफोन 15 और अन्य नए एप्पल प्रोडक्ट को लॉन्च करने के कुछ ही घंटों बाद आई है। एप्पल ने अपने आईफोन और अन्य सभी उत्पादों के लिए यूएसबी-सी चार्जिंग पोर्ट भी पेश किया है।

यह तब आया है जब यूरोपीय संघ ने आदेश दिया कि क्षेत्र के भीतर बिक्री के लिए उपलब्ध सभी मोबाइल फोन, टैबलेट और कैमरों में 2024 के अंत तक यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग इंटरफ़ेस होना चाहिए।

स्टारलिंक जल्द ही भारत में अपनी ब्रॉडबैंड इंटरनेट सर्विस शुरू कर सकती

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक जल्द ही भारत में अपनी ब्रॉडबैंड इंटरनेट सर्विस शुरू कर सकती है। खबर के मुताबिक, कंपनी को जल्द ही दूरसंचार मंत्रालय से इसकी अनुमति मिल सकती है। स्टारलिंक करीब एक महीने से भारत में अपनी सर्विस शुरू करने की कोशिश कर रही है लेकिन कुछ कारणों की वजह से स्टारलिंक को गृह मंत्रालय से परमिशन नहीं मिल पा रही है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, केंद्रीय गृह मंत्रालय सैटेलाइट द्वारा ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन (जीएमपीसीएस) सर्विस लाइसेंस के लिए स्टारलिंक के प्रस्ताव पर विचार कर सकता है। सूत्र ने कहा कि इस लाइसेंस के पास होने की भी उम्मीद है। हालांकि, कुछ अड़चनों से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जीएमपीसीएस के बाद स्टारलिंक को सरकार के कई विभागों और भारत के स्पेस मंत्रालय से मंजूरी लेनी पड़ेगी। इसके बाद, कंपनी अपने ऑपरेशन को देशभर में शुरू कर सकती है। वर्तमान में, मुकेश अंबानी की जिओ और सुनील मित्तल समर्थित वन वेब के पास भारत में जीएमपीसीएस लाइसेंस है। जियो की साझेदारी लक्जमबर्ग की कंपनी एसईएस के साथ है। जेफ बेजोस के पास भी 'कुइपर' नाम का इसी तरह का एक प्रोजेक्ट है, लेकिन यह अभी तक भारत में नहीं आया है। स्टारलिंक को 2021 में दूरसंचार मंत्रालय द्वारा फटकार लगाई गई थी जब उसने बिना लाइसेंस के भारत में अपने डिवाइस के लिए एडवांस ऑर्डर लेना शुरू कर दिया था। लगभग 5,000 ग्राहकों ने अपने प्री-ऑर्डर लगभग 99 डॉलर की कीमत पर दिए थे। कंपनी को भारतीयों से वसूले गए पैसे वापस करने के लिए भी कहा गया था। इसके पहले जून में, बताया था कि स्टारलिंक भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड स्पेक्ट्रम की नीलामी न करने और ग्लोबल ट्रेंड के अनुरूप लाइसेंस आवंटित करने की पैरवी कर रही है। इसमें कहा गया कि स्पेक्ट्रम एक नेचुरल रिसोर्स है जिसे कंपनियों द्वारा साझा किया जाना चाहिए।

कोल इंडिया करेगी 24,750 करोड़ रुपये का निवेश

लगाएगी इको- फ्रेंडली प्रोजेक्ट्स

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड पर्यावरण पर सबसे बड़ा निवेश करने जा रही है। जानकारी के अनुसार सीआईएल ने पर्यावरण-अनुकूल कोयला परिवहन को बढ़ावा देने के लिए अगले कुछ साल में 61 संपर्क परियोजनाओं (एफएमसी) पर 24,750 करोड़ रुपये पूंजी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इस दौरान दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया ने बयान में कहा कि खदानों से निकलने वाले कोयले को नजदीकी परिवहन केंद्र तक पहुंचाने से संबंधित ये परियोजनाएं तीन चरणों में स्थापित की जाएंगी। एफएमसी परियोजनाएं पूरी होने पर इनकी कुल वहन क्षमता 76.35 करोड़ टन की होगी। कोल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोयला परिवहन का पर्यावरण अनुकूल होना जरूरी है ताकि कोयला खदानों के आसपास रहने वाले लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं कोयले की धूल से होने वाले प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के साथ सड़क परिवहन पर बोझ को भी कम करती हैं। इससे सटीक मात्रा में और गुणवत्ता वाले कोयले का लदान हो पाता है। पहले चरण में 35 एफएमसी परियोजनाओं पर 10,750 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया जाएगा जिनकी वहन क्षमता 41.45 करोड़ टन होगी। इनमें से 11.2 करोड़ टन क्षमता वाली आठ परियोजनाएं पहले से ही चालू हो चुकी हैं। बयान के मुताबिक, कोल इंडिया 17.8 करोड़ टन क्षमता वाली 17 अन्य परियोजनाओं को भी चालू करने की तैयारी में है। पहले चरण की बाकी 10 परियोजनाओं के वित्त वर्ष 2024-25 तक शुरू होने की संभावना है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 11 पैसे बढ़कर 82.92 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 11 पैसे बढ़कर 82.92 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.93 पर पहुंच गया। वहीं विदेश मुद्रा के विशेषज्ञों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के नरम रुख और सकारात्मक घरेलू बाजारों से समर्थन मिलने के कारण रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.93 पर खुला, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में 10 पैसे की बढ़त है। सोमवार को रुपया 83.03 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 104.55 पर आ गया।

2019-20 से 2023 तक देश में 5.2 करोड़ नए रोजगार सृजित हुए

मुंबई। देश में संगठित क्षेत्र में वित्त वर्ष 2019-20 से 2022-23 के दौरान करीब 5.2 करोड़ नए रोजगार सृजित हुए हैं। इसमें शुद्ध रूप से 2.7 करोड़ रोजगार सृजित हुए। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), एनपीएस और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। मोदी सरकार अप्रैल, 2018 से संगठित क्षेत्र में सृजित रोजगार के आंकड़े जारी कर रही है। रोजगार के बारे में जानकारी ईपीएफओ, राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) और ईएसआईसी से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर जारी की जा रही है। संगठित क्षेत्र में सृजित रोजगार के बारे में ईपीएफओ के पिछले चार साल के आंकड़ों के अनुसार वित्तवर्ष 2019-20 से 2022-23 के दौरान 4.86 करोड़ अंशधारक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से जुड़े। इसमें नई नौकरियों के साथ एक जगह से इस्तीफा देने के बाद दूसरी जगह नौकरी प्राप्त करने वाले शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, दुबारा नौकरी हासिल करने वाले या फिर से ईपीएफओ के अंशधारक बनने वालों को अलग कर पहली नौकरी प्राप्त करने वालों की संख्या शुद्ध रूप से 2.27 करोड़ रही। एनपीएस के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में 8.23 लाख नए अंशधारक नई पेंशन योजना से जुड़े। इसमें राज्य सरकार के अंतर्गत 4.64 लाख, गैर-सरकारी क्षेत्रों में 2.30 लाख और केंद्र में 1.29 लाख अंशधारक जुड़े। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले चार साल में एनपीएस से करीब 31 लाख नए अंशधारक जुड़े।

बायजू पर लेंडर्स का आरोप, तीन साल पुराने एक हेज फंड को छुपाया

मुंबई। भारत की दिग्गज एडुटेक स्टार्टअप कंपनी बायजू पर लेंडर्स ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने कथित तौर पर तीन साल पुराने एक हेज फंड में 53.3 करोड़ डॉलर छिपाए थे। मियामी-डेड काउंटी कोर्ट में फाइल दस्तावेज के अनुसार, कुछ ऋणदाताओं ने एक मुकदमे में आरोप लगाया है कि बायजू ने विलियम सी. मॉर्टन द्वारा स्थापित निवेश फर्म फंड को पिछले साल करोड़ों डॉलर ट्रांसफर किए थे। इस इनवेस्टमेंट फर्म को मॉर्टन ने 23 साल की उम्र में शुरू किया था और इस प्रकार से उस निवेश का खास प्रशिक्षण नहीं था। इसके अलावा अपने पैसों की रिकवरी में लगे लेंडर्स के मुताबिक इस फंड ने एक बार दावा किया था कि इसका मुख्य कारोबार मियामी में पैनकेक रेस्तरां का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऋणदाताओं ने कहा है कि निवेश में औपचारिक प्रशिक्षण की स्पष्ट कमी के बावजूद मॉर्टन के फंड को पैसा मिला। अदालत में जमा कागजात के अनुसार, बायजू जब पैसे भेजे थे, उसके बाद से अब तक लक्जरी कारें 2023 फेरारी रोमा, एक 2020 लेम्बोर्गिनी हुराकैन ईवीओ, और एक 2014 रोल्स-रॉयस व्रेथ- मॉर्टन के नाम पर रजिस्टर्ड की गई हैं। मियामी-डेड काउंटी अदालत की फाइलिंग में लेंडर्स ने तर्क दिया, लेनदारों को बाधा पहुंचाने और देरी करने के स्वीकृत उद्देश्य के लिए बायजू ने उधारकर्ता के 533 मिलियन डॉलर के ठिकाने को छिपाने के काफी प्रयास किए हैं। हालांकि, बायजू प्रवक्ता ने कहा कि व्यावसायिक रूप से विवेकपूर्ण उधारकर्ता के रूप में और किसी भी अन्य बड़े कॉर्पोरेट खजाने की तरह, बायजू अल्फा (अमेरिकी सहायक कंपनी) ने हाई सिक्योरिटी फिक्स्ड इनकम उपकरणों के साथ सौ अरब डॉलर से अधिक के फंड में निवेश किया है। बायजू के प्रवक्ता ने कहा उधारदाताओं के साथ हमारा क्रेडिट समझौता इसके तहत वितरित धन की आवाजाही या निवेश को प्रतिबंधित या प्रतिबंधित नहीं करता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

निफ्टी 20 हजार के ऊपर बंद

सेंसेक्स 245.86 अंक बढ़ा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली (खरीददारी) से बाजार में ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 245.86 अंक करीब 0.37 फीसदी बढ़कर 67,466.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 67,565.41 तक ऊपर जाने के बाद 67,053.36 तक फिसला। वहीं, दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.80 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी दिन के अंत में 20 हजार के ऊपर पहुंचने के बाद 20,070.00 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,096.90 की ऊंचाई तक गया और इसके बाद 19,944.10 तक गिरा। इस प्रकार इसमें 246 अंकों की उछाल दर्ज की गई। वहीं, निफ्टी 77 अंको की बढ़त के साथ नए शीर्ष स्तर पर पहुंचा। इससे पहले कारोबार की शुरुआत में स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी रुक गयी और सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में करीब 168 अंक गिरा। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी से भी बाजार नीचे आया। इसके अलावा घरेलू बाजार के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से भी निवेशकों ने सतर्कता रखी हालांकि अगस्त के लिए उम्मीद से बेहतर रिटेल महंगाई डेटा के कारण बेंचमार्क सूचकांक सकारात्मक क्षेत्र में वापस आ गए। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। भारती एयरटेल, टाइटन, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे रहे। सबसे ज्यादा लाभ भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.72 फीसदी तक ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 10 शेयर नुकसान के साथ नीचे आकर बंद हुए। एमएंडएम, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील और टीसीएस सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एमएंडएम के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.34 फीसदी तक गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। आज कारोबार शुरू होते ही बाजार नीचे आने लगा। इस दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 अंक नीचे आकर 67100 के स्तर पर कामकाज करता दिखा, दूसरी ओर पचास शेयरों वाला निफ्टी भी करीब 20 अंक टूटकर 19,977 अंक पर कारोबार करता नजर आया। आज के कारोबार में दौरान डॉ. रेड्डीज लैब्स, ओएनजीसी, डिविस लैब्स, पावर ग्रिड कॉर्प और बीपीसीएल निफ्टी के शेयर ऊपर आये जबकि टीसीएस, एचडीएफसी लाइफ, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अदानी पोर्ट्स के शेयर गिरे।

बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देने हैफेड बना रहा योजना

नई दिल्ली। हरियाणा में बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देने हैफेड योजना बना रहा है। यहां राज्य सहकारी आपूर्ति और विपणन महासंघ लिमिटेड (फेड) का एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल, जिसमें हैफेड के अध्यक्ष कैलाश भगत, डॉ. जे.गणेशन, आई.ए.एस. प्रबंध निदेशक हैफेड और महाप्रबंधक (विपणन) रजनीश शर्मा शामिल थे, ने संयुक्त अरब अमीरात में बासमती व्यवसायियों से मुलाकात की। उनके साथ हुई बैठक का संचालन मध्य पूर्व के एक प्रतिष्ठित उद्योगपति मोनिश बहल ने किया। इस दौरान मध्य पूर्व में हरियाणा हैफेड के अध्यक्ष कैलाश भगत, सिलाल फूड के निदेशक अब्दुल्ला अतीफ अलदरमाकी, चावल के निर्यात में जुड़े कई और लोगों ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया। इस दौरान हैफेड व अन्य को बढ़ावा देने के अलावा दुबई स्थित बासमती चावल के हैफेड के लिए व्यवसाय प्राप्त करने एक प्रमुख नियर्तक के साथ बैठक हुई, जिसके बाद 1000 मीट्रिक टन के निर्यात सौदे को अंतिम रूप दिया गया। हैफेड अध्यक्ष ने कहा कि इस सौदे ने नए व्यवसाय के नए आधार खोले हैं और बड़े पैमाने पर निर्यात बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया है। गौरतलब है कि अब्दुल्ला अतीक अलदारमाकी निदेशक, सिलाल अमीरात की खाद्य समाज से संबंधित एक प्रमुख सरकारी कंपनी के साथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जब उनसे बात की गई तो उन्होंने कहा कि वह मध्य पूर्व में हरियाणा की सभी पहलों और हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें वर्तमान हैफेड व्यापार उद्यम भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से उद्देश्य की भावना से प्रेरित हैं, जो हरियाणा को अन्य सभी प्रदेशों में हैफेड करने की योजना बनाई है। बीच अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। हैफेड के अध्यक्ष कैलाश भगत ने उल्लेख किया कि बातें सफल रही और बहुत जल्द संयुक्त अरब अमीरात को चावल व चीनी निर्यात करने पर समझौता होगा।

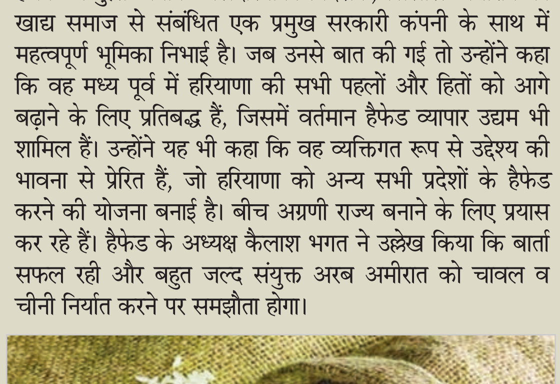

कॉफी डे ग्लोबल का इंडसइंड बैंक से समझौता, दिवाला कार्यवाही रद्द

नई दिल्ली। कॉफी डे ग्लोबल लिमिटेड (सीडीजीएल) दिवालिया कार्रवाई से बच गई है। जानकारी के अनुसार कंपनी और उसके वित्तीय ऋणदाता इंडसइंड बैंक के बीच समझौता हो गया है। इस समझौता के बाद राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कंपनी के खिलाफ दिवाला आदेश को रद्द कर दिया है। यह कंपनी कॉफी श्रृंखला कैफे कॉफी डे का परिचालन करती है। सीडीजीएल और इंडसइंड बैंक के वकील ने बुधवार को एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ को समझौते के बारे में सूचित किया और दिवाला याचिका को वापस लेने की अनुमति मांगी। न्यायमूर्ति एम वेणुगोपाल और श्रीशा मेरला की दो सदस्यीय पीठ ने उनकी दलीलों को रिकॉर्ड पर लिया और सीडीजीएल को दिवालिया घोषित करने के आदेश को रद्द कर दिया। इससे पहले 11 अगस्त को एनसीएलएटी ने एक अंतरिम आदेश के जरिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के सीडीजीएल के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के निर्देश पर रोक लगा दी थी। एनसीएलएटी ने इस आदेश को सीडीजीएल के निदेशक और दिवंगत वी जी सिद्धार्थ की पत्नी मालविका हेगड़े ने अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती दी थी। 20 जुलाई को एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने कंपनी के वित्तीय ऋणदाता इंडसइंड बैंक द्वारा 94 करोड़ रुपए के बकाया का दावा करने वाली याचिका पर यह आदेश पारित किया था। इसके अलावा एनसीएलटी ने कंपनी के निदेशक मंडल को निलंबित करते हुए शैलेन्द्र अजमेरा को अंतरिम समाधान पेशेवर भी नियुक्त किया था। मूल कंपनी कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सीडीजीएल के पास 154 शहरों में 469 कैफे और 268 सीसीडी वैल्यू एक्सप्रेस कियोस्क हैं। इसकी 48,788 वेंडिंग मशीनें हैं, जो ब्रांड के तहत कॉरपोरेट स्थलों और होटलों में कॉफी वितरित करती हैं।

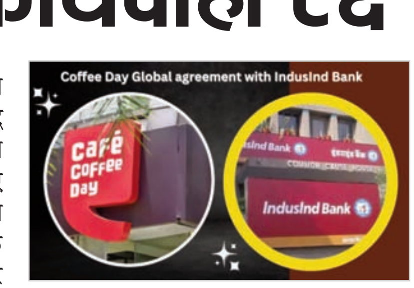

कई शहरों में ईंधन की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में आये उतार-चढ़ाव के बीच ही देश के कई शहरों में पेट्रोल डीजल की कीमतों में बदलाव आया हालांकि चारों महानगरों में पेट्रोल डीजल की कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा में पेट्रोल 18 पैसे नीचे आकर 96.20 रुपये व डीजल 18 पैसे टूटकर 89.37 रुपये लीटर बिक रहा है। वहीं वाराणसी में पेट्रोल की कीमतें 43 पैसे बढ़ी हैं। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर पर है। चंडीगढ़ में 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है। भोपाल में पेट्रोल 108.65 रुपये और डीजल 93.90 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्ट्रे लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं अंतराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम 0.09 फीसदी की बढ़त के साथ ही 88.92 डॉलर पर पहुंच गये है जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमतों में आज 0.04 फीसदी की बढ़त आई है और से 92.10 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्ज़रलैंड

स्विट्ज़रलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्ज़रलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्विक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

दिल्ली की सुरक्षा में दिन-रात जुटे पुलिसकर्मियों के साथ मोदी करेंगे डिनर

नई दिल्ली। दिल्ली में तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जी20 शिखर सम्मेलन का समापन हो गया। इसी खुशी में पीएम नरेन्द्र मोदी साढ़े चार सौ पुलिस के जवानों, अधिकारियों के साथ डिनर करने वाले हैं। बता दें कि सम्मेलन के दौरान जरा भी कुछ गड़बड़ नहीं हुआ और सबकुछ बहुत अच्छे से हुआ। दुनियाभर ने भारत में हुए जी20 समिट की तारीफ की और इसे सफल बताया। दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस के कर्मियों ने भी रात-दिन एक कर दिया था। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने भी राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को अच्छे से कायम रखने के लिए कर्मचारियों की तारीफ की थी। इसीलिए प्रधानमंत्री उन पुलिस कर्मचारियों के साथ डिनर करेंगे जिनकी ड्यूटी जी20 समिट में लगी थी। तकरीबन 450 दिल्ली पुलिस के स्टाफ के साथ इस हफ्ते पीएम मोदी डिनर कर सकते हैं। इसके लिए कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टरों तक के नाम मांगे गए हैं, जो इस डिनर में शामिल होंगे। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने हर जिले से उन पुलिसकर्मियों के नाम मांगे हैं, जिन्होंने जी20 समिट के दौरान बेहतरीन ड्यूटी दी। अभी तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन इसी हफ्ते दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा अन्य पुलिसकर्मियों के साथ पीएम मोदी के साथ डिनर करके उन्हें बेहतरीन ड्यूटी करने के लिए बधाई दे सकते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जी20 शिखर सम्मेलन के अनुभवों के बारे में अपने कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की थी। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद वह विदेश मंत्रालय के अधिकारियों सहित सभी स्तर के कर्मचारियों से मिलने और बातचीत करने के लिए अचानक सुषमा स्वराज भवन पहुंच गए। प्रधानमंत्री ने उनसे उनके जी20 अनुभव पर बात की।

युवक ने सपा सांसद डिंपल यादव पर की अनुचित टिप्पणी, मामला दर्ज

बलिया। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने वाले युवक पर मामला दर्ज ?किया गया है। ?मिली जानकारी के मुता?बिक आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गौरतलब है कि डिंपल यादव मैनपुरी से सांसद हैं, वह अखिलेश यादव की पत्नी हैं। पुलिस ने बताया कि सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' और 'फेसबुक' पर सपा सांसद डिंपल यादव के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने पर मनियर थाना क्षेत्र के दक्षिण पटखौली गांव निवासी रामधनी राजभर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। डीएसपी शिव नारायण वैस ने बताया कि 3 और 7 सितंबर के बीच सोशल नेटवर्किंग साइट पर सपा सांसद डिंपल यादव व यादव जाति को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट किए गए थे। इस पोस्ट को लेकर सपा समर्थको ने राजभर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में मनियार के थाना प्रभारी मंतोश सिंह की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

विशेष सत्र से पहले 17 सितंबर को नए संसद भवन पर तिरंगा फहराने की तैयारी

नई दिल्ली। अमृत काल में मोदी सरकार द्वारा बुलाए गए संसद के विशेष सत्र से एक दिन पहले नए संसद भवन पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाएगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि सरकार ने 18 से 22 सितंबर के दौरान संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इससे पहले 17 सितंबर को नए संसद भवन पर तिरंगा फहराए जाने की तैयारी की जा रही है। 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा का दिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी है। 17 सितंबर को उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ एवं लोक सभा स्पीकर ओम बिरला संसद के नए भवन के गजद्वार पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएंगे। अमृत काल को लेकर सरकार द्वारा बुलाए गए संसद के विशेष सत्र के पहले दिन 18 सितंबर को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही संसद के पुराने भवन में से शुरू होगी जैसे कि पहले होती थी और विशेष सत्र के दूसरे दिन 19 सितंबर से दोनों सदनों की कार्यवाही नए भवन में हो सकती है।

सूरत के राजेश पांडव के पास है 500 करोड़ की गणपति बप्पा की मूर्ति

सूरत। देश में एक ऐसी गणेश जी की मूर्ति भी है जो शुद्ध हीरे से बनी हुई है, जिसकी कीमत 500 करोड़ है। इसे दुनिया की सबसे महंगी मूर्ति बताया जा रहा है। यह भगवान गणेश की मूर्ति गुजरात के सूरत के एक व्यापारी राजेश भाई पांडव के पास है। जानकारी के अनुसार राजेश भाई पांडव सूरत के कातरगाम में रहते हैं और उनकी एक पॉलिशिंग यूनिट है। इसके साथ ही राजेश भाई पांडव और भी कई तरह के व्यापार करते हैं। राजेश भाई और उनके परिवार वाले मानते हैं कि जब से भगवान गणेश की यह मूर्ति उनके घर में स्थापित हुई है, तब से वह दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहे हैं। सूरत के पांडव परिवार के घर में विराजमान डायमंड के गणेश की कीमत करोड़ों में है। इसकी ऊंचाई महज 2.44 सेंटीमीटर ही है। इसे एक अनकट हीरे से बनाया गया है। इसी वजह से इस मूर्ति की कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये आंकी गई है। जो देश के सबसे महंगे गणेश हैं मगर राजेश भाई के लिए यह डायमंड गणेश बेहद अनमोल हैं। हालांकि देखने में यह मूर्ति एक आम सफेद क्रिस्टल की मूर्ति जैसी लगेगी, लेकिन असलियत में यह एक हीरा है जो भगवान गणेश की मूर्ति की तरह दिखाई देता है। साल 2005 में राजेश पांडव को ये मूर्ति साउथ अफ्रीका में एक नीलामी के दौरान मिली थी, हालांकि वहां पर इसकी नीलामी एक अनकट डायमंड के रूप में हो रही थी। लेकिन जब राजेश पांडव को ये मू?र्ति दिखी तो उन्हें इनमें बप्पा की छवि दिखाई दी और इसलिए इन्होंने इसे नीलामी में खरीद लिया। साल 2016 में इस मूर्ति को सूरत के वार्षिक हीरा प्रदर्शनी में भी लगाया गया था।

दो की मौत के बाद निपाह से निपटने बनाया कंट्रोल रूम, केरल सरकार हुई गंभीर

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार निपाह को लेकर बेहद गंभीर हो गई है। बता दें कि केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के संक्रमण से दो लोगों की मौत के बाद अब नौ साल के एक बच्चे सहित दो और लोग वायरस से संक्रमित हो गए हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने यह जानकारी दी। केरल सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कोझिकोड में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया और लोगों को एहतियात के तौर पर मास्क का उपयोग करने की सलाह दी। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार दो लोगों की मौत को गंभीरता से ले रही है और स्वास्थ्य विभाग ने कोझिकोड में अलर्ट जारी किया है। सीएम ने लोगों से स्वास्थ्य विभाग और पुलिस के निर्देशों का सख्ती से पालन करने और प्रतिबंधों में पूरा सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। संक्रमण से दो लोगों की मौत हो गई। जिन 4 लोगों के नमूने परीक्षण के लिए पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान भेजे गए थे, उनमें से 2 निपाह पॉजिटिव हैं और 2 निपाह नेगेटिव हैं। इधर राज्य विधानसभा का सत्र चलने के बावजूद कोझिकोड पहुंचीं वीणा जॉर्ज ने कहा कि कोझिकोड वायरस के लिए अलर्ट पर है और सभी प्रोटोकॉल लागू हैं। आवश्यकता पड़ने पर और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि केरल के कोझिकोड जिले में दो लोगों की मौत निपाह वायरस के कारण हुई। मांडविया ने कहा कि स्थिति का जायजा लेने और निपाह वायरस संक्रमण से निपटने में राज्य सरकार की सहायता के लिए विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम केरल भेजी गई है। वर्तमान संदिग्ध मामला उस स्थान से लगभग 15 किमी दूर दर्ज किया गया था, जहां दक्षिणी भारत में निपाह वायरस का प्रारंभिक प्रकोप पहली बार मई 2018 में कोझिकोड में और फिर 2021 में पहचाना गया था।

आजम खान के खिलाफ कर चोरी मामले में आयकर ने मारे छापे

लखनऊ। आयकर विभाग ने समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान के खिलाफ कर चोरी के आरोपों की जांच के सिलसिले में बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 30 से अधिक परिसरों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आयकर विभाग की टीम उत्तर प्रदेश के रामपुर, सहारनपुर, लखनऊ, गाजियाबाद और मेरठ के अलावा पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में कुछ परिसरों की तलाशी ले रही है। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग की जांच आजम खान और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा संचालित कुछ न्यासों से संबंधित है।

कावेरी जल विवाद- कर्नाटक के मुख्यमंत्री की आपात बैठक, भाजपा और कुमारस्वामी की दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री और सिंचाई मंत्री डीके शिवकुमार, अन्य मंत्री और नेता कावेरी जल मुद्दे पर अगली कार्रवाई तय करने के लिए आज बैठक की। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने अगले 15 दिनों के लिए 5000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया है। इस बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार इस मामले को लेकर जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भी मुलाकात करेंगे। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडी-एस नेता एचडी कुमारस्वामी, जिन्हें सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली बैठक में भी आमंत्रित किया गया था, सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुए।

दूसरी ओर भाजपा ने भी इस बौठक से दूरी बनाई है। पूर्व कर्नाटक सीएम बसवराज बोम्मई ने किया ट्वीट कर कहा कि राज्य सरकार ने कावेरी विवाद पर चर्चा के लिए कल बैठक बुलाई है। हालांकि, मैं सरकार द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं हो पाऊंगा क्योंकि मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम में भाग लिया है। डीके शिवकुमार ने कहा, 'लगभग 98 टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) पानी छोड़ा जाना चाहिए था लेकिन हमारे पास केवल 37 टीएमसी पानी है क्योंकि पानी ही नहीं है। ऐसी स्थिति 130 वर्षों से अधिक समय से उत्पन्न नहीं हुई थी। यह एक बहुत ही गंभीर सूखा है जिसका हम पिछले 2 महीनों में सामना कर रहे हैं... पिछली बार हमारे पास जो था इससे चार गुना अधिक था... हम बैठक में हर चीज पर चर्चा करेंगे।'

पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा, ÷केन्द्रीय जल प्रबंधन बोर्ड (सीडब्ल्यूएमबी) द्वारा अन्यायपूर्ण फैसला दिया गया है। हम पानी की कमी झेल रहे हैं। हमारी सरकार ने किसान समुदाय से इस साल फसल ना उगाने का अनुरोध किया है। आने वाले दिनों में बेंगलुरू में पीने के पानी की समस्या हो जाएगी। जब भी जल प्रबंधन बोर्ड मिलता है तो वे कर्नाटक पर पानी छोड़ने का दबाव बनाता है। मैं इस सरकार से मांग करता हूं कि वे सीडब्ल्यूएमबी के फैसला को ना मानें।' मंगलवार को सिद्धरमैया ने सीडब्ल्यूआरसी की सिफारिश के मद्देनजर उठाए जाने वाले अगले कदम को लेकर एक आपात बैठक की थी।

नायडू की याचिका पर सुनवाई 19 सितंबर तक के लिए स्थगित

अमरावती (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कथित कौशल विकास निगम घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर सुनवाई 19 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने विजयवाड़ा एसीबी अदालत में नायडू की हिरासत की मांग करने वाली अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की याचिका की सुनवाई पर भी रोक लगा दी। वर्तमान में नायडू राजमुंदरी सेंट्रल जेल में बंद हैं। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के तहत निशाना बनाने का आरोप लगाकर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो ने उनकी न्यायिक हिरासत और सीआईडी द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को रद्द करने का आग्रह किया है। सीआईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। हाई कोर्ट ने सीआईडी को समय देकर सुनवाई 19 सितंबर तक के लिए स्थगित की। नायडू को मामले में सीआईडी ने 9 सितंबर को नंद्याल में गिरफ्तार किया था। अगले दिन, विजयवाड़ा में एसीबी कोर्ट ने उन्हें 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पूर्व मुख्यमंत्री को बाद में राजमुंदरी सेंट्रल जेल में स्थानांतरित किया। यह मामला नायडू के मुख?यमंत्रीत?व काल में आंध्र प्रदेश में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना से संबंधित है, जिसकी कुल अनुमानित परियोजना लागत 3,300 करोड़ रुपये थी। सीआईडी ने दावा किया कि कथित धोखाधड़ी से राज्य सरकार को 371 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ ह। एजेंसी ने दावा किया कि 371 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि, जो परियोजना के लिए सरकार की पूरी 10 प्रतिशत प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है, निजी तौर पर किसी भी खर्च से पहले जारी की गई थी।

इंडिया ने चुनावी रणनीति पर चर्चा की, बीजेपी ने किया कटाक्ष- हिंदू धर्म को खत्म करने की प्लानिंग की होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन इंडिया की समन्वय समिति की आज पहली बैठक हुई जिसमें आगे की रणनीति, सीटों के तालमेल, चुनाव अभियान कार्यक्रम और जनसभाओं समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के नई दिल्ली स्थित आवास पर हुई इस बैठक में शरद पवार के अलावा, कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, द्रमुक के टीआर बालू, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव, जनता दल (यूनाइटेड) के संजय झा, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की महबूबा मुफ्ती और कुछ अन्य नेता शामिल हुए। बताया जा रहा है कि बैठक में आगे की रणनीति और चुनाव अभियान कार्यक्रमों के अलावा सीटों के तालमेल पर भी चर्चा की गयी।

हम आपको याद दिला दें कि 'इंडिया' के घटक दलों के नेताओं की पिछले दिनों मुंबई में हुई बैठक में गठबंधन के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए 14-सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया गया था। समन्वय समिति विपक्षी गठबंधन की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था के रूप में कार्य करेगी। इस समिति के एक और सदस्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी इस बैठक में शामिल नहीं हुए क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें समन जारी कर आज ही कोलकाता में ईडी के कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया था।

भाजपा का हमला

दूसरी ओर, द्रमुक के नेताओं की ओर से की जा रही सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों के मद्देनजर विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए भाजपा ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' की समन्वय समिति को 'हिंदू विरोधी समन्वय समिति' करार दिया। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उन्होंने मशहूर रहस्यमयी किताब 'मर्डर, शी रोट' की तर्ज पर एक किताब- 'मर्डर ऑफ हिंदुइज्म, शी रोट' लिखी है। उन्होंने विपक्षी गठबंधन की आज होने वाली बैठक को लेकर चुटकी लेते हुए एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'इंडिया' समूह के सदस्यों के बीच असहयोग दिखाई दे रहा है। पात्रा ने बैठक से पहले आरोप लगाया, ''वे (विपक्षी दल) चर्चा करेंगे कि हिंदू धर्म को कैसे खत्म किया जाए।''

उन्होंने कहा कि इसलिए शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि गोधरा जैसी घटना फिर से हो सकती है जबकि राहुल गांधी ने पूर्व में हिंदुत्व पर हमला करने के लिए इस्लामिक आतंकवादी समूह 'मुस्लिम ब्रदरहुड' का हवाला दिया था। सोनिया गांधी के ईसाई नाम का हवाला देते हुए पात्रा ने आरोप लगाया कि हिंदू धर्म को निशाना बनाने की साजिश के पीछे उनका हाथ है। द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में दावा किया था कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू वायरस तथा मच्छरों से होने वाले बुखार से करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध ही नहीं किया जाना चाहिए बल्कि उन्हें नष्ट किया जाना चाहिए। द्रमुक के एक अन्य नेता ए राजा ने सनातन धर्म की तुलना कुष्ठ रोग जैसी बीमारियों से की।

अब विदेशों से पैसा भेजना होगा आसान, जीपीएफआई पर बनी सहमति

-जी-20 से जुड़े देशों में रेमिटेंस लागत को कम करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। जीपीएफआई पर सहम?ति बनने के बाद अब ?विदेशों से पैसा भेजना और आसान होगा। बता दें ?कि जी-20 समूह के शिखर सम्मेलन में लिए गए फैसले में एक यह भी प्रमुख है। इससे विदेश में काम करने वाले कामगार अपने घरों पर पहले की तुलना में अधिक पैसे भेज सकेंगे। शिखर सम्मेलन में गरीब व विकासशील देशों के वित्तीय समावेश के लिए ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर फाइनेंशियल इंक्लूजन (जीपीएफआई) पर सहमति बनी है। इनमें एक देश से दूसरे देश में पैसे भेजने की लागत को कम करने का प्रस्ताव शामिल है। जी 20 देशों ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने का फैसला किया। गौरतलब है कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्क के माध्यम से वित्तीय समावेशन बेहतर करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए जी20 की नीतिगत सिफारिशों पर तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर बेहतरीन तरीके से डीपीआई को प्रबंधित किया जाए तो इससे लेन देन की लागत कम करने, नवोन्मेष को बढ़ावा देने, प्रतिस्पर्धा तेज करने और इंटरऑपरेटिबिलिटी व ग्राहकों का अनुभव व विकल्प बेहतर करने में मदद मिल सकती है।

जीपीएफआई के मसौदे के मुताबिक वर्ष 2021 में एक देश से दूसरे देश में विदेशी मुद्रा भेजने में वैश्विक रूप से औसत लागत 6.21 प्रतिशत की थी जिसे कम करके पांच प्रतिशत तक और वर्ष 2030 तक इसे तीन प्रतिशत तक लाना है। जी 20 फैसले के मुताबिक विदेशी मुद्रा के रेमिटेंस या प्रेषण की लागत कम करने के लिए कम आय वाले देशों में रेमिटेंस की सुविधा का विस्तार किया जाएगा। विश्व का 50 प्रतिशत रेमिटेंस जी 20 से जुड़े देशों में होता है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, अन्य देशों से भारत को भेजी जाने वाली धनराशि, जिसे रेमिटेंस फ्लो कहा जाता है, 2022 में अन्य देशों से दक्षिण एशिया को भेजे जाने वाले धन में 12 प्र??तिशत से अधिक की वृद्धि हुई थी। यह 176 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। क्योंकि यूरोप और खाड़ी देशों में नौकरी के अच्छे अवसर थे। दक्षिण एशिया के लोग वहां काम करने जाते हैं और पैसे वापस अपने परिवारों को भेजते हैं।

हाई कोर्ट की नजर में अकेले पोर्न वीडियो देखना अपराध नहीं

-केरल हाई कोर्ट ने अभिभावकों को दी बच्चों को घर का खाना खिलाने की नसीहत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। हाई कोर्ट की नजर में अकेले में पोर्न वीडियो देखना कानून की नजर में अपराध नहीं है। केरल उच्च न्यायालय ने पोर्नोग्राफी मामले में कुछ इसी तरह की टिप्पणी की है जो चर्चा में बनी हुई है। कोर्ट का कहना है कि अकेले अश्लील तस्वीरें या वीडियो देखना कानून के तहत अपराध नहीं है क्योंकि यह किसी व्यक्ति की निजी पसंद की बात है। इसके साथ ही कोर्ट ने माता-पिता को यह भी सलाह दी है कि वह स्वीजी, झमेटो की बजाय बच्चों को घर का खाना खिलाएं। न्यायमूर्ति पी.वी. कुन्हिकृष्णन ने भारतीय दंड संहिता की धारा 292 के तहत 33 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ दर्ज अश्लीलता के मामले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। जानकारी के अनुसार पुलिस ने 2016 मेंअलुवा महल में सड़क किनारे अपने मोबाइल फोन पर अश्लील वीडियो देखते हुए उस व्यक्ति को पकड़ा था। आरोपी व्यक्ति ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे संबंधित अदालती कार्यवाही को रद्द करने के लिए याचिका दायर की थी, जिसपर यह फैसला आया है। अदालत ने कहा कि 'पॉर्नोग्राफी सदियों से प्रचलन में है और नये डिजिटल युग ने इसे बच्चों के लिए भी अधिक सुलभ बना दिया है।

अदालत ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अपने निजी समय में किसी और को दिखाए बिना अश्लील वीडियो देखता है, तो अदालत यह घोषित नहीं कर सकती कि यह अपराध की श्रेणी में आता है। यह उसकी निजी पसंद है और इसमें हस्तक्षेप करना उसकी निजता में दखल देने के समान है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि बच्चों को स्विगी, जोमैटो से ऑर्डर करने के बजाय मां द्वारा पकाया गया स्वादिष्ट भोजन खाने दें। बच्चों को अपने खाली समय में क्रिकेट या फुटबॉल या अन्य खेल खेलने दें जो उन्हें पसंद हैं, और घर वापस आकर उन्हें स्विगी, जोमैटो से ऑर्डर करने के बजाय मां के भोजन की मंत्रमुग्ध कर देने वाली खुशबू का आनंद लेने दें।

सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों के दौरान शहर में प्रदूषण से लड़ने की कार्य योजना की तैयारियों के तहत 'पर्यावरण विशेषज्ञ बैठक' का आयोजन किया। दिल्ली सचिवालय में 24 संगठनों के साथ-साथ राष्ट्रीय और वैश्विक विशेषज्ञों की बैठक हुई। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि विभिन्न संगठनों के चौबीस पर्यावरण विशेषज्ञों ने प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली में 13 महत्वपूर्ण हॉटस्पॉट के लिए एक शीतकालीन कार्य योजना का प्रस्ताव दिया है। इसके अतिरिक्त, आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने गंभीर दिनों के दौरान कृत्रिम बारिश की एक विधि प्रस्तुत की। हम शीतकालीन कार्य योजना पर चर्चा के लिए 14 सितंबर को एक सर्व-विभागीय बैठक की मेजबानी करेंगे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य विशेषज्ञों द्वारा दिये गये सुझावों से शीतकालीन कार्ययोजना को और अधिक प्रभावी बनाना था। महत्वपूर्ण हॉटस्पॉट के लिए एक अलग शीतकालीन कार्य योजना प्रदूषण के विभिन्न कारणों से व्यापक रूप से निपटने में मदद करेगी। गोपाल राय ने कहा, यह बहुत संतोषजनक है कि सर्दियों के दौरान गंभीर दिनों की संख्या 33 से घटाकर 6 कर दी गई है, लेकिन इसमें और कमी आनी चाहिए। उन्होंने बताया कि दिल्ली में कृत्रिम बारिश के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए एक विस्तृत प्रेजेंटेशन तैयार करने के निर्देश कानपुर आईआईटी को दिए गए हैं, जिसे सीएम अरविंद केजरीवाल के सामने पेश किया जाएगा।

गोपाल राय ने आगे कहा कि 14 सितंबर को सभी 28 विभागों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। शीतकालीन कार्य योजना में उल्लिखित प्रमुख बिंदुओं के आधार पर, बैठक के दौरान विभिन्न विभागों को विशिष्ट जिम्मेदारियां दी जाएंगी। रियल टाइम अपॉर्शनमेंट स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बायोमास जलाना दिल्ली में प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक है। पराली जलाने की घटना 15 दिनों के भीतर होती है और दिल्ली सरकार इस मामले पर पड़ोसी राज्यों के साथ काम कर रही है। गोपाल राय ने पहले दावा किया था कि पिछले नौ वर्षों में दिल्ली में पीएम10 और पीएम2.5 के स्तर में औसतन 45 प्रतिशत की गिरावट आई है।

चंद्रयान की सफलता के बाद भारत लांच करेगा समुद्रयान मिशन

-कोबाल्ट, निकेल, मैंगनीज जैसी मंहगी खनिजों की खोज के लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीन से चांद तक ही नहीं बल्कि चांद से लेकर समुद्र की गहराइयों में भी भारत का नाम होगा। इस सपने को पूरा करने के लिए अब भारतीय वैज्ञानिक अब समुद्रयान परियोजना के लिए तैयार है। समुद्रयान परियोजना के जरिए पानी में 6000 मीटर नीचे जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस परियोजना के तहत कोबाल्ट, निकेल, मैंगनीज जैसी बेहद कीमती धातुओं और खनिजों की तलाश होगी। इसके लिए तीन लोगों को स्वदेश में निर्मित पनडुब्बी में 6000 मीटर की गहराई में भेजा जाएगा। इस पनडुब्बी का नाम मतस्य 6000 है, जिसका निर्माण भारत में बीते दो वर्षों से हो रहा है। वर्ष 2024 की शुरुआत में चेन्नई तट के पास ही बंगाल की खाड़ी में इसका पहला समुद्री परीक्षण होगा।

बता दें कि जून 2023 में उत्तरी अटलांटिक महासागर में पर्यटकों को ले जाने के दौरान टाइटन फट गई थी, जिसके बाद से वैज्ञानिक इस स्वदेश निर्मित पनडुब्बी के डिजाइन व तकनीक पर अधिक फोकस किया जा रहा है। इस मतस्य 6000 का निर्माण चेन्नई स्थित राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एआईओटी) के इंजीनियर, वैज्ञानिकों ने मिलकर किया है। इस संबंध में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा, समुद्रयान मिशन गहरे महासागर मिशन के हिस्से के रूप में चल रहा है। हम 2024 की पहली तिमाही में 500 मीटर की गहराई पर समुद्री परीक्षण करने वाले हैं। मतस्य 6000 के जरिए निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज, हाइड्रोथर्मल सल्फाइड और गैस हाइड्रेट्स की तलाश की जाएगी। इसके साथ ही हाइड्रोथर्मल वेंट और समुद्र में कम तापमान वाले मीथेन रिसने में केमोसिंथेटिक जैव विविधता की जांच करने की जिम्मेदारी भी इसे सौंपी गई है।

ये पनडुब्बी तीन लोगों को ले जाने के लिए तैयार है। एनआईओटी द्वारा निर्मित पनडुब्बी का 2.1 मीटर का व्यास है जो गोला डिजाइन में विकसित किया गया है। ये गोला 6000 मीटर की गहराई पर 600 बार दवाब का सामना करने के लिए 80 मिमी मोटी टाइटेनियम की मिश्रित धातु से बना हुआ है। बता दें कि वैज्ञानिकों ने समुद्रयान 6000 को इस तरह डिजाइन किया है कि ये लगातार 12 से 16 घंटे तक काम कर सकता है। वहीं इस समुद्रयान में ऑक्सीजन की आपूर्ति 96 घंटे तक ही उपलब्ध रहेगी।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Thursday, 14 September 2023

गहरी नींद में थे लोग, तभी लगी आग....50 लोगों की मौत

हनोई । वियतनाम की राजधानी हनोई के एक अपार्टमेंट में आग लगने से 50 लोगों की मौत हुई। नौ मंजिला अपार्टमेंट टावर में आग लगी। मीडिया ने बताया कि रात करीब साढ़े 11 बजे जब आग लगी, उस वव ?त ज ?यादातर लोग घर में ही थे। आग पर काबू पाना बहुत कठिन था, व ?योंकि टावर एक संकरी गली में बना हुआ है। दमकल की गाड़ियों को 300 से 400 मीटर या 985 से 1,315 फीट दूर पार्क कर बचाव अभियान चलाना पड़ा। इमारत में 45 परिवार रहते हैं। मीडिया के मुताबिक, इमारत से निकाले गए 70 में से 54 लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए नरक बना हुआ हैं ये देश

लंदन । पर्यावरण की सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि जब तक पर्यावरण संरक्षित है, तब तक पृथ्वी पर जीवन की कल्पना नहीं हो सकती है। इस बीच कुछ लोग हैं, जो पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक मिशन के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 में दुनिया भर में 177 पर्यावरण कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। इनमें से सर्वाधिक एक तिहाई हत्याएं कोलंबिया में हुई। इस लैटिन अमेरिकी देश में बीते साल सर्वाधिक 60 हत्याएं हुई। कोलंबिया में साल 2021 में पर्यावरण संरक्षकों की हत्या करने की कुल 33 वारदातें सामने आई थी, जो 2022 में बढ़कर करीब दोगुनी हो गई। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इन मामलों से जुड़े बेहद कम इसतरह के अपराधी हैं, जिन्हें सजा मिल सकी। साल 2012 से पर्यावरण कार्यकताओं के संरक्षण के रिकॉर्ड को मेंटेन किया जा रहा है। तब से लेकर अबतक कोलंबिया में कुल 382 पर्यावरण के संरक्षण में लगे लोगों की हत्या की जा चुकी है। अमेजन के इन जंगलों में आवाज उठाने वाले स्वदेशी लोगों, छोटे किसान और अफ्रीकी-वंशज समुदाय के सदस्यों को भी निशाना बनाया गया है। कोलंबिया में जिस किसी ने भी पर्यावरण संरक्षण की आवाज उठाई, उस आवाज को कुचलने का प्रयास हुआ। केवल कोलंबिया ही नहीं बीते साल पड़ोसी राज्य ब्राजील में 34, मैक्सिको में 31 और होंडुरस में 11 पर्यावरण कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतारा गया। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कोलंबिया के उपराष्ट्रपति और 2018 में प्रतिष्ठित गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार की विजेता फ्रांसिया मार्केज को कई मौकों पर जान से मारने की धमकी मिल चुकी है।

भारत की कूटनीति बनी मिसाल, सर्गेई के साथ मोदी की फोटो हुई वायरल

मास्को। जी20 में भारत ने अपनी कूटनीतिक का लोहा दुनिया को मनवा ?दिया है। उसी कूटनीति के जरिए अपने सबसे सदाबहार दोस्त रूस को भी भारत ने खुश कर दिया। इन दिनों जी20 के दौरान की एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसकी चर्चा भारत से ज्यादा रूस में हो रही है। इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खिलखिला रहे हैं और उन्होंने जिस शख्स का हाथ मजबूती से पकड़ रखा है वो रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव हैं। सोशल मीडिया में लोगों में उत्सुकता है कि आखिर दोनों नेताओं में ऐसी क्या बात हुई होगी कि पीएम मोदी ठहाका लगाकर हंसने लगे। जी20 के साझा घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध के जिक्र के बावजूद रूस के विदेश मंत्री न केवल बैठक से खुश थे बल्कि जी20 के साझा घोषणापत्र से भी संतुष्ट थे। अमेरिका और पश्चिमी देशों को खुश करने के लिए जी20 के साझा घोषणापत्र में भले ही यूक्रेन युद्ध का जिक्र किया गया था। लेकिन बड़े ही कूटनीतिक तरीके से उस साझा घोषणापत्र में रूस का नाम नहीं था। गौरतलब है कि साझा घोषणापत्र में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की जगह यूक्रेन में युद्ध लिखा गया था। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भले ही भारत नहीं आए। लेकिन दोस्त पीएम मोदी ने दिल्ली में बैठे-बैठे पुतिन को राहत दे दी। अब रूस की मीडिया ने भी भारत की जी20 की खुलकर तारीफ की है। रूस की सरकारी मीडिया एजेंसी ने कहा कि जी20 का शानदार आयोजन किया गया। इसका यूक्रेनीकरण नहीं होने दिया गया। भारत और रूस एक दूसरे के स्वाभाविक दोस्त हैं। इतिहास में कई ऐसे मौके रहे जब पश्चिमी देश भारत के खिलाफ थे तब रूस भारत के साथ खड़ा था।

पोलैंड स्वतंत्र रूप से यूक्रेनी अनाज पर प्रतिबंध लगाएगा

वारसॉ । पोलैंड यूक्रेन से अनाज के आयात पर प्रतिबंध जारी रखेगा भले ही यूरोपीय संघ अपने प्रतिबंध को 15 सितंबर से आगे न बढ़ाये। प्रधानमंत्री माट्यूज़ मोराविकी के कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। सरकार यूक्रेन से अनाज आयात पर प्रतिबंध को 15 सितंबर 2023 के बाद बढ़ाने के लिए यूरोपीय आयोग से आग्रह करती है अन्यथा पोलैंड स्वतंत्र रूप से राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह का प्रतिबंध लगाएगा। इस तरह का प्रतिबंध गेहूं, मक्का, रेपसीड और सूरजमुखी के बीज के आयात से संबंधित है। मई में यूरोपीय आयोग ने यूक्रेन से पोलैंड और चार अन्य यूरोपीय देशों को अनाज निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रतिबंध 15 सितंबर को समाप्त होने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि पोलिश सरकार ऐसी स्थिति को स्वीकार नहीं करती है जिसमें पोलिश बाजार यूक्रेनी अनाज से अस्थिर हो।

मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या 2901 हुई, 5530 लोग घायल

रबात । मोरक्को में भूकंप से मरने वालों की संख्या 2901 हो गई है और 5530 लोग घायल हुए हैं। यह 60 सालों में देश का सबसे विनाशकारी भूकंप है। सबसे अधिक प्रभावित गांवों में से एक एटलस माउंटेन के उइर्गेन में मीडिया ने देखा कि सभी घर ढह गए हैं और बचाव दल मलबे को हटाने के लिए एक्स्कवेटर का उपयोग कर रहे हैं। अधिकांश लोगों ने गांव छोड़ दिया है। मोरक्को ने स्पेन, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर से मदद स्वीकार कर ली है। आईएफआरसी ने मंगलवार को पीड़ितों के समर्थन के लिए 100 मिलियन स्विस फ़्रैंक की आपातकालीन अपील की। आईएफआरसी के संचालन के वैश्विक निदेशक कैरोलिन होल्ट ने जिनेवा में कहा कि इस समय सबसे बड़ी जरूरतें पानी, स्वच्छता और आश्रय हैं। उन्होंने कहा कि अब हम आपदा की दूसरी लहर से बचें। प्रभावित पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए बचाव और राहत प्रयास चल रहे हैं। हालांकि गैसोलीन और कवर की आपूर्ति में अभी भी कमी है। गौरतलब है कि 8 सितंबर को रात 11.11 बजे मराकेश के दक्षिण में हाई एटलस माउंटेन पर 18.5 किमी की गहराई पर 6.8 तीव्रता का भूकंप आया था।

सूअरों में मानव किडनी विकसित करने में मिली सफलता

-चिकित्सा क्षेत्र में चीनी वैज्ञानिकों का कमाल

बीजिंग । मानव चिकित्सा के इतिहास में पहली बार चीन के वैज्ञानिकों ने सूअरों में मानव किडनी विकसित करने में सफलता पाई है। चीन के गुआंगज़ौ इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिसिन एंड हेल्थ के वैज्ञानिकों को इस खोज का श्रेय जाता है। वैज्ञानिकों ने शोध में बताया कि, सूअरों में मानवीकृत किडनी विकसित की है। इनमें मानव कोशिकाएं होती हैं। ये खोज आने वाले दिनों में अंग दान की कमी को पूरा कर सकती है। इस प्रयोग में मानव और सूअर की कोशिकाओं का संयोजन कर मानव-सूअर काइमेरिक भ्रूण बनाकर सरोगेट मादा सूअरों में ट्रांसफर किया जाता था हालांकि, वैज्ञानिकों ने बताया कि अभी इन किडनियों का प्रयोग मानव में ट्रांसप्लांट के लिए नहीं किया जा सकता है। क्योंकि, ज्यादातर विकसित किडनियों में सूअरों की वाहिकाएं और तंत्रिकाएं थीं। हालांकि, उन्होंने एक और भी महत्वपूर्ण बात बताई, 'अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि वर्तमान आनुवंशिक इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी से कोई मानव अंग बनाया जा सकता है या नहीं।' 'गुआंगज़ौ इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिसिन एंड हेल्थ' के शोधकर्ताओं ने बताया, 'उनका ध्यान पूरी तरह से किडनी को विकसित करने पर था। ये मानव चिकित्सा में सबसे अधिक ट्रांसप्लांट होने वाला अंग है। चीनी अकादमी के विज्ञान और वुयी विश्वविद्यालय के गुआंगज़ौ इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिसिन एंड हेल्थ के वरिष्ठ लेखक लियांगक्सू लाई ने बताया, 'पूर्व में सूअरों में मानव अंगों को विकसित करने के कई प्रयास असफल रहे थे।' वैज्ञानिकों ने बताया, 'हमारा एप्रोच था कि सूअरों में मानव किडनी को विकसित किया जाए। इसके लिए हमें प्राप्तकर्ता (सूअरों) में मानव कोशिकाओं को सही तरीके से पहुंचाना था।' ये वैज्ञानिक समूह बधाई के लिए इसलिए भी पात्र हैं क्योंकि पूर्व में सूअरों में मानव किडनियों को विकसित करने के कई प्रयास असफल रहे हैं।'

रुस के अमूर क्षेत्र में राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मिले दक्षिण कोरियाई शीर्ष नेता किम जोंग उन।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने किम जोंग उन से मुलाकात की

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से मुलाकात की। यह मुलाकात दिखाती है कि अमेरिका के साथ जारी टकराव के बीच दोनों नेताओं के हित कैसे एक हो रहे हैं। रुसी मीडिया ने बताया कि किम प्योंगयांग से अत्याधुनिक सुविधाओं और भारी हथियारों से लैस ट्रेन से लाई गई लिमोजीन से वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम पहुंचे। कॉस्मोड्रोम में मौजूद पुतिन ने किम का स्वागत कर उनसे हाथ मिलाया और कहा कि उन्हें किम को देखकर बहुत खुशी हो रही है। रूस की सरकारी मीडिया ने बताया कि किम ने 'व्यस्तता के बावजूद' उन्हें रूस आने का निमंत्रण देने के लिए पुतिन का आभार जताया। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेता कॉस्मोड्रोम का निरीक्षण करने के बाद बातचीत शुरू करने वाले है। बैठक से कुछ देर पहले उत्तर कोरिया ने समुद्र में दो बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन-किम की जोड़ी व्लादिवोस्तोक से करीब 1,000 किलोमीटर (620 मील) दूर एक रूसी अंतरिक्ष बंदरगाह वोस्तोचन कोस्मोड्रोम में मुलाकात करेगी। पुतिन ने कहा कि इस स्थान को इसलिए चुना गया क्योंकि मॉस्को उत्तर कोरिया को उसके उपग्रह कार्यक्रमों में मदद करने की योजना बना रहा है। पुतिन ने कहा कि डीपीआरके के नेता रॉकेट प्रौद्योगिकी में बहुत रुचि दिखाते हैं, और वे अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं। पत्रकारों द्वारा पूछने पर कि क्या सैन्य सहयोग एजेंडे में होगा, उन्होंने कहा कि हम बिना किसी जल्दबाजी के सभी मुद्दों पर बात करने वाले हैं, अभी समय है।

विनाशकारी बाढ़ ने लीबिया में मचाई तबाही, अब तक 3 हजार लोगों की मौत

काहिरा (एजेंसी)। इस समय लीबिया में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। यहां आई विनाशकारी बाढ़ में हालात बेहद खतरनाक हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यहां पर बाढ़ में 3 हजार से भी अधिक लोगों के मरने की आशंका है जबकि 10 हजार लोग अभी भी लापता हैं। जानकारी के अनुसार यहां अब तक 700 शव दफनाए गए हैं और 10 हजार लोग अभी लापता है। पूर्वी लीबिया सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि डर्ना शहर में विनाशकारी बाढ़ में मारे गये 700 लोगों को अब तक दफन किया जा चुका है और मृतकों की संख्या काफी बढ़ सकती है। डर्ना में घटनास्थल पर पहुंचे उस्मान अब्दुल जलील ने स्थानीय टीवी स्टेशन को फोन पर दिए साक्षात्कार में कहा कि शहर के विभिन्न अस्पताल शवों से अटे पड़े हैं। भूमध्यसागर से उठे तूफान 'डेनियल' ने रविवार रात पूर्वी लीबिया के कई शहरों में तबाही मचाई, लेकिन सबसे ज्यादा तबाही डर्ना में हुई, जहां भारी बारिश और बाढ़ के चलते बांध टूट गए और तेज धारा लोगों को बहाकर ले गयी।

लीबिया में बाढ़ के चलते तबाह हुए तटीय शहर में बचाव टीम मलबे से शवों को निकालने में संघर्ष कर रही है। मानवाधिकार एजेंसी ने अनुमान जताया है कि अकेले डर्ना शहर में 2,000 लोगों की मौत होने की आशंका है। अधिकारियों ने कहा कि भूमध्यसागर से उठे तूफान 'डेनियल' ने पूर्वी लीबिया के कई शहरों में तबाही मचाई और अचानक बाढ़ आ गई, लेकिन सबसे ज्यादा तबाही डर्ना में हुई, जहां भारी बारिश और बाढ़ के चलते बांध टूट गए और उनका पानी चारों तरफ फैल गया। 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस' और 'रेड क्रिसेंट सोसाइटीज' में लीबिया के दूत तामीर रमदान ने कहा कि अभूतपूर्व बाढ़ के बाद 10,000 लोग लापता हैं।

ट्यूनीशिया से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र ब्रीफिंग में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या 'बहुत ज्यादा' है और आने वाले दिनों में इसके हजारों तक पहुंचने की आशंका है। 'लीबियन रेड क्रिसेंट' ने मंगलवार तड़के कहा कि उसके दलों ने डर्ना में 300 से अधिक लोगों के शव निकाले हैं। अधिकारियों ने डर्ना को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है।

इमरान ने लगाई अटक जेल अधीक्षक के खिलाफ अवमानना याचिका

-फोन पर उनके बेटों से बात करने की इजाजत नहीं देने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक विशेष अदालत में अवमानना याचिका दायर की है। उन्होंने अटक जेल के अधीक्षक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने का आग्रह किया। मीडिया में आई एक खबर के अनुसार इमरान ने अटक जेल के अधीक्षक पर उन्हें फोन पर उनके बेटों से बात करने की इजाजत नहीं देने का आरोप लगाया है। गौरतलब है ?कि इमरान खान (70) सरकारी राज़ का खुलासा करने के आरोप में 13 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में हैं। पिछले महीने एक निचली अदालत ने उन्हें तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराया था, जिसके बाद पांच अगस्त से वह अटक जेल में बंद हैं। शासकीय गोपनीयता कानून के तहत दर्ज मामले पर सुनवाई करने के लिए गठित विशेष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख को पिछले महीने उनके बेटों कासिम और सुलेमान से बात करने की इजाज़त दी थी। खान ने अदालत के आदेश का उल्लंघन करने के लिए अटक जेल के अधीक्षक के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुज़ारिश की है। अपनी याचिका में खान ने दावा किया है कि जेल अधिकारियों ने उन्हें उनके बेटों से फोन पर बात करने की अनुमति नहीं दी और इसका कारण बताया कि वह शासकीय गोपनीयता कानून के तहत जेल में बंद हैं।

न्यायाधीश अबु अल हसनत जुल्करनैन ने अटक जेल के अधीक्षक आरिफ शहज़ाद को नोटिस जारी किया और अदालत का आदेश लागू करने पर 15 सितंबर को रिपोर्ट तलब की है। कथित कूट संदेश (गुप्त राजनयिक केबल) में अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों और पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान के बीच पिछले साल हुई मुलाकात की जानकारी थी। एक अमेरिकी मीडिया ने कथित गुप्त संदेश की प्रति प्रकाशित की थी, जिसके बाद शहबाज़ शरीफ के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के मंत्रियों ने इस संदेश को लीक करने का इमरान खान पर आरोप लगाया था।

रूसी सीमा पर 41 हजार सैनिकों के साथ नाटो देश करेंगे सबसे बड़ा युद्धाभ्यास

वॉर्सा (एजेंसी)। एक ओर जहां रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है, वहीं नाटो देश रूसी सीमा पर 41 हजार सैनिकों को लेकर युद्धाभ्यास करने की तैयारी में है। मिली जानकारी के अनुसार नाटो देश शीत युद्ध के बाद सबसे बड़ा अभ्यास करने जा रहे हैं। इस दौरान रूसी सीमा पर करीब 41 हजार सैनिक जमा करेंगे और भविष्य में किसी नाटो देश पर होने वाले रूसी हमले को फेल करने का अभ्यास करेंगे। बताया जा रहा है कि यह अभ्यास साल 2024 की शुरुआत में होगा। इस दौरान नाटो देश अपनी तैयारी का आकलन करेंगे। इस अभ्यास को स्टीडफास्ट डिफेंडर नाम दिया गया है। दरअसल, यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद नाटो के कई छोटे देश सहमे हुए हैं जिनमें से कुछ तो पूर्व सोवियत संघ का हिस्सा रह चुके हैं। उन्हें पुतिन के हमले का डर सता रहा है। नाटो की कोशिश है कि खुद को एक युद्धक गठजोड़ के रूप में तैयार करे। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस अभ्यास के दौरान 500 से 700 हवाई युद्धक मिशन आयोजित किए जाएंगे। इसमें 50 से ज्यादा युद्धपोत और 41 हजार सैनिक हिस्सा लेंगे।

नाटो अधिकारियों ने बताया कि इस अभ्यास को रूसी गठबंधन के हमले का जवाब देने के लिए डिजाइन किया गया है। इस अभ्यास के दौरान दुनिया का रियल भौगोलिक डेटा इस्तेमाल किया जाएगा ताकि सैनिकों के लिए ज्यादा वास्तविक माहौल बनाया जा सके। अभ्यास में स्वीडन भी हिस्सा लेगा जिसे तुर्की और हंगरी के विरोध के कारण अब तक नाटो में शामिल नहीं किया जा सका है। इसके साथ ही अभ्यास में भाग लेने वाले कुल सैनिकों की संख्या 32 हजार तक पहुंच जाएगी। यह युद्धाभ्यास जर्मनी, पोलैंड और बाल्टिक सागर में फरवरी से मार्च के बीच आयोजित किया जाएगा। नाटो ने नई ट्रेनिंग रणनीति बनाई है और अब हर साल दो बड़े युद्धाभ्यास किए जाएंगे। नाटो अब आतंकवाद विरोधी खतरे से निपटने की भी ट्रेनिंग देगा।

जो बाइडन पर महाभियोग, अमेरिकी संसद ने दिए जांच के निर्देश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पर महाभियोग की जांच के निर्देश अमेरिकी संसद ने दिए हैं। बता दें कि प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने कहा कि वह सदन की एक समिति को राष्ट्रपति जो बाइडन के परिवार के व्यापारिक सौदों को लेकर उनके खिलाफ महाभियोग जांच शुरू करने का निर्देश दे रहे हैं। वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले इस ऐतिहासिक कार्यवाही को काफी अहम माना जा रहा है।

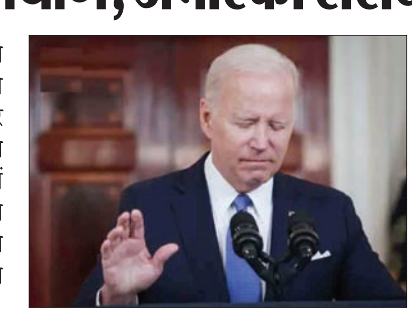

मैक्कार्थी ने दावा किया कि हाउस ओवरसाइट कमेटी की अब तक की जांच में बाइडन परिवार के आसपास भ्रष्टाचार की संस्कृति पाई गई है। यह मामला राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन के कारोबारी सौदों से संबंधित है। मैक्कार्थी ने स्पीकर कार्यालय के बाहर कहा कि ये सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के आरोप हैं, जिसे लेकर प्रतिनिधि सभा द्वारा आगे की जांच किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसलिए आज मैं हमारे सदन की समिति को राष्ट्रपति जो बाइडन के खिलाफ औपचारिक महाभियोग जांच शुरू करने का निर्देश दे रहा हूं।

अमेरिकी संविधान संसद को राष्ट्रपति सहित संघीय अधिकारियों पर देशद्रोह, रिश्वतखोरी और अन्य उच्च अपराधों और दुष्कर्मों के लिए महाभियोग चलाने का अधिकार देता है। एक राष्ट्रपति को पद से हटाया जा सकता है अगर सदन साधारण बहुमत से महाभियोग के लेखों को मंजूरी दे देता है।

ट्रम्प एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन पर दो बार महाभियोग चलाया गया है। सीनेट में मुकदमे के बाद उन्हें दोनों बार उनके साथी रिपब्लिकन के वोटों की बदौलत बरी कर दिया गया। पहले महाभियोग 2019 में चलाया गया। इसमें ट्रम्प पर सत्ता के दुरुपयोग और कांग्रेस में बाधा डालने का आरोप लगाया गया। 2021 में उनपर दूसरा महाभियोग चलाया गया।

पुतिन ने गिनाए मेक इन इंडिया के फायदे, पीएम मोदी की हुई जमकर तारीफ

मास्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मेक इन इंडिया के फायदे गिनाते हुए पीएम मोदी की जमकर तारीफ की है। रूस में आयोजित 8वें ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) के दौरान पुतिन ने अपने ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े बिजनेसमैन से बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें पीएम मोदी के मेक इन इंडिया प्रोग्राम से सीखना चाहिए। वो इसे प्रमोट कर अपने देश के लिए सही कर रहे हैं। पुतिन ने कहा कि भारत पहले ही पीएम मोदी के नेतृत्व में अपनी नीतियों के माध्यम से उदाहरण स्थापित कर चुका है। युक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद रूस पर पश्चिमी देशों ने ढेरों प्रतिबंध लगाए हुए हैं। यही वजह है कि रूस की अर्थव्यवस्था इस वक्त चरमराई हुई है। ऐसे में व्लादिमीर पुतिन उद्योग जगत को पीएम मोदी की तर्ज पर देश को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रहे हैं। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि आप जानते हैं, तब हमारे पास घरेलू स्तर पर निर्मित कारें नहीं थीं, लेकिन अब हमारे पास हैं। यह सच है कि वे मर्सिडीज या ऑडी कारों की तुलना में अधिक मामूली दिखती हैं, जिन्हें हमने 1990 के दशक में बड़ी मात्रा में खरीदा था, लेकिन यह कोई मुद्दा नहीं है। पुतिन ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें अपने कई साझेदारों को फॉलो करना चाहिए, उदाहरण के लिए, भारत। वे भारतीय निर्मित वाहनों के निर्माण और उपयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी मेक इन इंडिया कार्यक्रम को बढ़ावा देने में सही काम कर रहे हैं। पुतिन ने कहा कि रूस में निर्मित ऑटोमोबाइल का उपयोग करना बिल्कुल ठीक है। रूस राष्ट्रपति के कार्यालय द्वारा कहा गया कि हमारे पास रूस में निर्मित ऑटोमोबाइल हैं और हमें उनका उपयोग करना चाहिए।

स्पेसएक्स और नासा को लेकर अमेरिकी सरकारी एजेसियों ने उठाए सवाल

वाशिंगटन (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों से अंतरिक्ष उद्योग अपनी गति से आगे बढ़ रहा था। स्पेसएक्स और नासा की जुगलबंदी ने कुछ नई उम्मीदें जगाई थीं। इसमें स्पेस एक्स के द्वारा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में अंतरिक्ष यात्रियों को पहुंचाना, और नासा के आर्टिमिस अभियान के पहले चरण में सफलता के बाद हाल में भारत के चंद्रयान-3 की अभूतपूर्व सफलता के साथ आदित्य एल1 की सफल लांचिंग ने दुनिया की उम्मीदें बढ़ा दी थीं। लेकिन हाल में अमेरिकी सरकारी एजेसियों ने नासा के स्पेस लांच सिस्टम और स्पेसएक्स के स्टारशिप पर कुछ सवाल उठाए हैं, जिससे अंतरिक्ष में सुगम यात्रा के सपने को एक झटका लगा है।

रिपोर्ट ने नासा के स्पेस लांच सिस्टम कार्यक्रम को बहुत महंगा बता दिया है। वहीं अमेरिका की एक और सरकारी एजेंसी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने स्पेसएक्स की स्टारशिप पर पर्याप्त सुधार करने पर रोक लगा दी है। इससे तेजी से बढ़ रहे अंतरिक्ष क्षेत्र को एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है।

स्पेस लांच सिस्टम और स्टारशिप दोनों ही नासा के आर्टिमिस कार्यक्रम का अहम हिस्सा हैं। अभियान के जरिए इंसानों को चंद्रमा पर ले जाने और वहां से सुरक्षित वापस पृथ्वी पर लौटा लाने की योजना है। आर्टिमिस-3 अभियान में चार अंतरिक्ष यात्री फ्लोरीडा के केनेडी स्पेस सेंटर के 39बी लांच पैड से एसएलएस रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित होगा। इसके अलावा नासा ने स्पेसएक्स को चंद्रमा पर ह्यूमन लैंडिंग सिस्टम तैयार करने का जिम्मा सौंपा है, जिसमें चंद्रयात्रियों को वापस लाना शामिल होगा। वहीं स्पेसएक्स को इसी सिस्टम को लांच करने के लिए स्टारशिप विकसित करने का काम भी दिया गया है। लेकिन अब एसएलएस और स्टारशिप दोनों पर अलग-अलग वजह से सवाल उठने अभियान से पर असर हो सकता है।

जीएओ और स्पेस एजेंसी के इंस्पेक्टर जर्नल दोनों ने ही एसएलएस के बजट के मुद्दे को साल 2014 में उठाया था। अब चूंकि बाजार में और भी ज्यादा निजी कंपनियां बेहतर और कारगर लांच व्हीकल के साथ मैदान में उतर रही हैं, तब इसके बाद में नासा के एसएलएस की लागत के औचित्य पर सवाल उठना स्वाभाविक और लाजमी है। लेकिन ऐसा लगता है कि अभी कुछ समय के लिए नासा अपने आर्टिमिस अभियान पर काम जारी ही रखेगा। लेकिन वहीं स्पेस एक्स के साथ कुछ और ही समस्या है। स्टारशिप अभी तक ना केवल एक सफल अभियान तक नहीं दे सका है, बल्कि अप्रैल में हुए उसके पहले प्रक्षेपण के कुछ क्षणों के बाद ही उसमें विस्फोट हो गया था। एलन मस्क ने उस समय कहा था कि प्रयोग सफल रहा क्योंकि उससे काफी सबक लिए गए थे। तब मस्क ने कहा था कि स्टारशिप अगले प्रक्षेपण के लिए तैयार है लेकिन एफएए की अनुमति का इंतजार है।

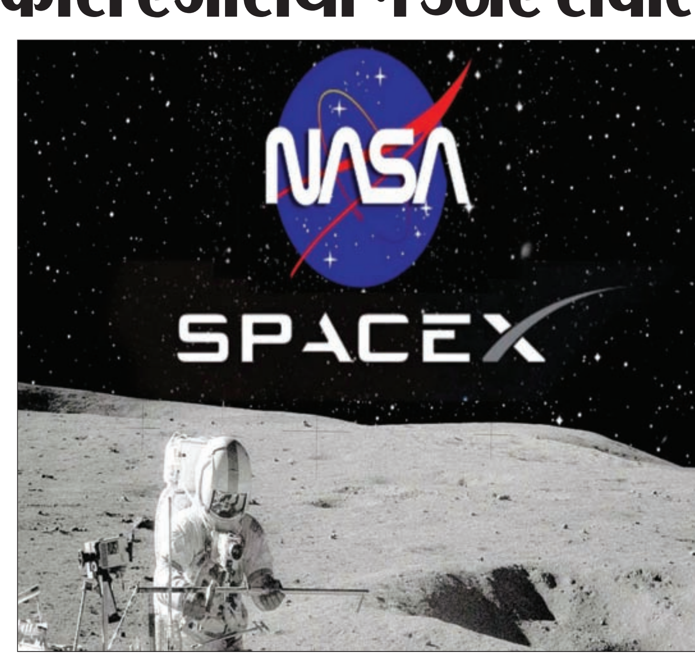

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग: आईसीसी रैंकिंग में शुबमन गिल-रोहित शर्मा को फायदा, टॉप-10 में विराट कोहली शामिल

दुबई (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने बुधवार को जारी बल्लेबाजों की आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग में करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान हासिल किया जिससे वह शीर्ष 10 में शामिल तीन भारतीय खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग पर काबिज हैं। शीर्ष 10 में दो अन्य भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (आठवीं रैंकिंग) और विराट कोहली (नौवीं रैंकिंग) हैं।

जनवरी 2019 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब तीन भारतीय बल्लेबाज वनडे रैंकिंग में शीर्ष 10 सूची में शामिल थे। रोहित, कोहली और शिखर धवन चार साल पहले शीर्ष 10 पर काबिज तीन बल्लेबाज थे। गिल ने एशिया कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तान रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी निभायी थी और 58 रन की पारी खेली थी।

उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ जबकि रोहित और विराट कोहली ने दो दो पायदान की छलांग लगायी। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के पिछले मैच में अर्धशतक जड़ा था जिन्होंने इस टूर्नामेंट में अब तक लगातार तीन अर्धशतक जड़ दिये हैं जबकि कोहली को पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 122 रन की पारी का फायदा मिला। आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप शुरु होने में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और पाकिस्तान के भी तीन बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल है।

कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर है और वह गिल पर 100 से ज्यादा रेटिंग अंक की बढ़त बनाये हैं जबकि इमाम उल हक और फखर जमां क्रमश: पांचवें और 10वें स्थान पर बने हुए हैं। इस ताजा रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका-आस्ट्रेलिया श्रृंखला के तीन मैच और इंग्लैंड-न्यूजीलैंड श्रृंखला के दो मैच के प्रदर्शन को भी शामिल किया है। दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा अपने पिछले आठ वनडे में तीन शतक और दो अर्धशतक जड़ने के बाद शीर्ष 10 स्थान के करीब हैं। 21 पायदान की छलांग से वह 11वें स्थान पर है जबकि इससे पहले उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 25वां स्थान थी।

आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर (एक पायदान के फायदे से चौथे स्थान पर), ट्रेविस हेड (छह पायदान के फायदे से 20वें स्थान पर) और मार्नस लाबुशेन (24 पायदान के लाभ से 45वें स्थान पर) ने शानदार प्रगति की है और ऐसा ही केएल राहुल (10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर) और ईशान किशन (दो पायदान के फायदे से 22वें स्थान पर) की जोड़ी के साथ है। ऐडन मार्कराम, सादीरा समरविक्रमा, लियाम लिविंगस्टोन, डेरिल मिचेल और डेवोन कॉनवे भी ताजा जारी रैंकिंग में ऊपर की ओर बढ़े हैं।

न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट गेंदबाजों की सूची में संयुक्त दूसरे स्थान पर चल रहे हैं जबकि आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा पहली बार शीर्ष पांच में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में चार विकेट झटके थे। भारत के बायें हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को भी एशिया कप के दो मैचों में नौ विकेट की बदौलत पांच पायदान का लाभ मिला है जिससे वह सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ

आठ पायदान फायदे से 21वीं रैंकिंग पर पहुंचे जबकि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (आठ पायदान के लाभ से 27वें स्थान पर) और आल राउंडर हार्दिक पंड्या (21 पायदान के लाभ से 56वें स्थान पर) ने ऊंची छलांग लगायी है। पंड्या आल राउंडर की सूची में चार स्थान के फायदे से छठे नंबर पर पहुंच गये। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (25वें नंबर) और तबरेज शम्सी (29वें नंबर) को भी रैंकिंग में फायदा मिला है।

दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन को लगा झटका, सिमोना हालेप पर चार साल का प्रतिबंध

लंदन। (एजेंसी)। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप को डोपिंग उल्लंघन के लिए पेशेवर टेनिस से चार साल के लिए निलंबित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रोमानिया की इस 31 वर्षीय महिला टेनिस खिलाड़ी पर डोपिंग के दो उल्लंघन के आरोप लगे हैं जिसमें 2022 में अमेरिकी ओपन के दौरान डोप परीक्षण में विफल होना और एथलीट जैविक पासपोर्ट में अनियमितता शामिल है।

एक पैनल ने निष्कर्ष निकाला कि हालेप ने जानबूझकर डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन किया। हालेप अक्टूबर 2022 से अस्थाई रूप से निलंबित हैं। उनका चार साल का प्रतिबंध छह अक्टूबर 2026 तक चलेगा। हालेप 2017 में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं। उन्होंने 2019 में फाइनल में सेरेना विलियम्स को हराकर विंबलडन का खिताब जीता जबकि इससे एक साल पहले वह फ्रेंच ओपन चैंपियन भी बनीं।

डोपिंग उल्लंघन के लिए दूषित सप्लीमेंट को जिम्मेदार ठहराने वाली हालेप इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील करने की योजना बना रही हैं। हालेप ने एक बयान में कहा, ''मैंने ट्रेनिंग जारी रखी है और इन झूठे आरोपों से अपना नाम हटाने और कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभवत प्रयास करूंगी।'' उन्होंने साथ ही कहा कि वह संबंधित सप्लीमेंट कंपनी के खिलाफ भी कानूनी मदद लेंगी।

तिलक एशियाई खेलों की टीम से बाहर हुए, विश्वकप में मिल सकता है अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को आगामी एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट 2023 के लिए शामिल किया जा सकता है। इसके संकेत इस बात से मिले हैं क्योंकि अब उन्हें एशियाई खेलों के लिए चीन नहीं भेजा जा रहा। वहीं पहले तिलक को एशियाई खेलों के लिए ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में घोषित टीम में शामिल किया गया था। इससे माना जा रहा है कि तिलक को आगामी विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल किया जा सकता है। माना जा रहा है कि वह श्रेयस अय्यर के कवर के तौर पर रखे जाएंगे। अय्यर लगातार पीठ की जकड़ने से जूझ रहे हैं जिससे उनका खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है।

विश्व कप 2023 के लिए टीम में शामिल नहीं होने के बाद भी संजू सैमसन, प्रसिद्ध कृष्णा और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी रिजर्व के तौर पर रखे गये हैं। वहीं तिलक शुरूआत में विश्व कप 2023 टीम का हिस्सा नहीं थे पर हालात बदलने से उन्हें शामिल किया जा सकता है। वेस्टइंडीज में अपने पदार्पण के बाद से तिलक ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था। उन्होंने केवल सात मैचों में उन्होंने एक अर्धशतक बनाया और 138.09 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए थे। गौरतलब है कि 3 अक्टूबर से एशियाई खेल 2023 होने हैं। भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में भाग लेने के लिए तैयारी कर रही है। क्वार्टर फाइनल में जीत उन्हें 5 अक्टूबर को सेमीफाइनल में पहुंचाएगी और 7 अक्टूबर को संभावित स्वर्ण पदक मैच होगा। वहीं, विश्व कप पांच अक्टूबर से शुरु होगा।

एशिया कप फाइनल में जगह बनाने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे पाकिस्तान और श्रीलंका

कोलंबो (एजेंसी)। चोटों से जूझ रहा पाकिस्तान और अपने कुछ खिलाड़ियों के उत्साहजनक प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करने वाला श्रीलंका एशिया कप एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने के लिए गुरुवार को यहां एक दूसरे का सामना करेंगे।

पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों के दो-दो अंक हैं और इस तरह से गुरुवार को होने वाला मैच एक तरह से नॉकआउट मैच बन गया है जिसमें जीत दर्ज करने वाली टीम 17 सितंबर को होने वाले फाइनल में जगह बनाएगी।

भारत मंगलवार को सुपर चार के मैच में श्रीलंका को 41 रन से हराकर पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुका है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम अभी चार अंक लेकर शीर्ष पर है। पाकिस्तान की टीम चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही है और पूरी संभावना है कि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और नसीम शाह श्रीलंका के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाएंगे।

पाकिस्तान ने इन दोनों खिलाड़ियों के बैकअप के रूप में शाहनवाज दहानी और जमान खान को टीम से जोड़ा है।

बाईस वर्षीय जमान 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने में सक्षम हैं। पाकिस्तान की चिंता केवल चोटिल खिलाड़ियों को लेकर ही नहीं है। उसके बल्लेबाज भी अभी तक टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसकी टीम ने मुल्तान में एशिया कप के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ छह विकेट पर 342 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने के लिए जूझते रहे। बल्लेबाजी में पाकिस्तान की टीम काफी हद तक दोनों सलामी बल्लेबाजों फखर जमां और इमाम-उल-हक तथा कप्तान बाबर आजम पर निर्भर है। अगर उसे श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो मोहम्मद रिजवान और सलमान आगाजैसे बल्लेबाजों को भी उपयोगी योगदान देना होगा।

इफ्तिखार अहमद ने नेपाल के खिलाफ शतक जड़कर लंबे शॉट खेलने की अपनी काबिलियत का अच्छा नमूना पेश किया था लेकिन उन्हें मजबूत टीमों के खिलाफ अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। श्रीलंका एक ऐसी ही मजबूत टीम है जो पाकिस्तान को कड़ी चुनौती देने के लिए तैयार है। लीग चरण में पाकिस्तान ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया था लेकिन अतीत का परिणाम गुरुवार को होने वाले मैच में खास मायने नहीं रखेगा।

विराट अभी और शतक लगायेंगे : वकार

लाहौर (ईएमएस) ।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है ।वकार ने कहा है कि विराट आने वाले दिनों में और भी अधिक शतक बनायेंगे ।वकार का मानना है कि अभी विराट का काफी करियर बचा हुआ है जिसमें वह इतने अधिक शतक लगा देंगे जितना लोगों ने सोचा भी नहीं होगा। विराट ने एशिया कप के सुपर फोर में पाकिस्तान के खिलाफ अपना 47 वां शतक लगाया था ।इसी के साथ ही विराट के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 13000 रन भी पूरे हुए थे ।विराट ने अपनी इस पारी से आलोचकों को भी शांत करा दिया है ।इससे पहले ग्रुप स्तर के मुकाबले में रन नहीं बनाने के बाद विराट के फॉर्म पर सवाल उठाए गए थे। कोहली ने अब 47 एकदिवसीय शतक लगाये हैं और वह महान सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों के रिकार्ड से केवल दो शतक ही दूर हैं ।वकार ने विराट और सचिन के बीच के फर्क के बारे में बात की और कहा कि ये बल्लेबाज अपने करियर का अंत कई और शतकों के साथ करेगा ।वकार ने कहा, उनमें और अन्य खिलाड़ियों, यहां तक ??कि सचिन के बीच भी अंतर है ।सचिन का जब करियर समाप्त हुआ तो उनके नाम 49 एकदिवसीय शतक थे। मेरा मानना है कि विराट अभी अपना करियर खत्म करने या अपनी पारी समाप्त करने से काफी दूर हैं ।साथ ही कहा कि जितना कोई सोच नही सकता, वह उससे कहीं अधिक शतक बनाएंगे वह लगायेंगे ।

रोहित के पास धोनी के दो रिकार्ड तोड़ने का अवसर

कोलंबो ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आने वाले दिनों में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के दो बड़े रिकार्ड तोड़ सकते हैं ।इसके अलावा उनके पास नंबर एक कप्तान बनने का भी अच्छा अवसर है ।रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम एशिया कप के फाइनल में पहुंच गयी हैं ।ऐसे में रोहित यदि टूर्नामेंट के अगले दोनों मैच जीतने में सफल रहे, तो एकदिवसीय एशिया कप में 10 मैच जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड धोनी के नाम है ।उन्होंने बतौर कप्तान सबसे अधिक 9 मैच जीते हैं ।भारत ने अब तक 6 बार वनडे एशिया कप का खिताब जीता है ।धोनी और रोहित ने एक–एक बार टीम को चैंपियन बनाया है ।वहीं इस बार यदि भारतीय टीम जीतती है तो वह धोनी को पीछे छोड़ देंगे ।टीम इंडिया यदि 15 सितंबर को बांग्लदेश और उसके बाद फाइनल खेलेगी जिसमें जीत के साथ ही रोहित रिकार्ड बना देंगे ।रोहित कप्तान के तौर पर एकदिवसीय एशिया कप में अब तक एक भी मुकाबला नहीं हारे हैं और एक ट्रॉफी भी जीती हैं। रोहित ने एकदिवसीय एशिया कप में अब तक 9 मैच में कप्तानी की है और 8 में जीत हासिल की है। एक मैच का परिणाम नहीं आया ।इस दौरान भारतीय टीम ने 5 देशों हॉन्गकॉन्ग, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ मैच खेला पर कोई भी टीम रोहित की टीम को हरा नहीं पायी ।भारतीय टीम अगर 15 सितंबर को बांग्लदेश को हराने के बाद एशिया कप का खिताब जीतन में सफल रही, तो रोहित के नाम दो बड़े

विश्वकप के लिए दो स्पिनर ही पर्याप्त : कुलदीप

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के सुपर फोर के दूसरे मुकाबले में भी शानदार गेंदबाजी कर कम स्कोर के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने वाले स्पिनर कुलदीप यादव बेहद उत्साहित हैं। कुलदीप ने इस मैच में चार विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम को घुटनो पर ला दिया था। उनके इस प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम टीम एशिया कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। भारतीय टीम ने सुपर-4 के अपने दूसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 213 रन बनाकर श्रीलंका को 41 रनों से हराया। इस मैच में कुलदीप ने 4 विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी को 172 रन पर ही आउट कर दिया। इससे पहले कुलदीप ने पाक के खिलाफ भी पांच विकेट लिए थे। इस प्रकार सुपर-4 के 2 मैचों में उन्होंने कुल 9 विकेट लिए हैं। इससे उत्साहित कुलदीप ने कहा कि विश्वकप में दो स्पिनर ही पर्याप्त रहेंगे।

कुलदीप ने श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट लेकर अपने एकदिवसीय क्रिकेट में 150 विकेट भी पूरे कर लिए। उन्होंने 88 वें एकदिवसीय में ये उपलब्धि हासिल की है। जीत के बाद कुलदीप से जब पूछा गया कि भारतीय टीम 3 स्पिनर्स के साथ उतरी थी पर अक्षर पटेल को विकेट नहीं मिला। वहीं श्रीलंका के स्पिनरों ने सभी 10 विकेट लिए। इस पर कुलदीप ने कहा कि अगर पास 2 अच्छे स्पिनर हैं तो तीसरे की जरूरत नहीं पड़ेगी। दो गेंदबाज ही जीत दिलाने पर्याप्त हैं। कुलदीप गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक शतक और 6 अर्धशतक लगाये हैं।

मेसी के बिना भी अर्जेंटीना ने बोलीविया को 3–0 से हराया

ला पाज (बोलीविया) ।विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने ला पाज के ऊंचाई वाले स्थल पर बने स्टेडियम की विषम परिस्थितियों और स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी के नहीं खेल पाने के बावजूद विश्व कप 2026 के दक्षिण अमेरिकी क्वालिफाइंग मैच में बोलीविया को 3–0 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा ।अर्जेंटीना की यह लगातार दूसरी जीत है। उसने पहले हाफ में दो गोल करके अपनी जीत सुनिश्चित कर दी थी ।इस बीच बोलीविया के रॉबर्टो फर्नांडीज को 39वें मिनट में लाल कार्ड मिलने से भी अर्जेंटीना का काम आसान हुआ ।मेसी थकान के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए ।उनकी अनुपस्थिति में अनुभवी एंजेल डि मारिया ने टीम की अगुवाई की ।डि मारिया के प्रयास से एंज़ो फर्नांडीज ने 31वें मिनट में पहला गोल किया ।निकोलस टैग्लियाफिको ने 42वें मिनट में दूसरा और निको गोंजालेज ने 83वें मिनट में तीसरा गोल करके अर्जेंटीना की आसान जीत सुनिश्चित की। उरूग्वे के पास अर्जेंटीना की बराबरी करने का मौका था लेकिन उसकी टीम इक्वाडोर से 2–1 से हार गई ।इस जीत के बावजूद इक्वाडोर के शून्य अंक हैं क्योंकि कोलंबियाई मूल के डिफेंडर बायरन कैस्टिलो की जन्म संबंधी जानकारी में हेराफेरी के लिए फीफा ने उस पर तीन अंक का जुर्माना लगाया था। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग के अगले मुकाबले अक्टूबर में खेले जाएंगे ।

एशिया कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने जडेजा

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर रवींद्र जडेजा भारत की ओर से एशिया कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। जडेजा ने ये उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में दो विकेट लेने के साथ ही हासिल की। इस प्रकार जडेजा के नाम एशिया कप की 18 पारियों में 24 विकेट हो गये हैं।

जडेजा ने इसी के साथ ही पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान को भी पीछे छोड़ दिया। पठान ने 12 पारियों में 22 विकेट लिए हैं। वहीं कुलदीप यादव के नाम 9 पारियों में 19 विकेट हैं। जडेजा कुल मिलाकर एशिया कप में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 24 पारियों में 30 विकेट के साथ ही इस सूची में सबसे ऊपर हैं। भारतीय टीम के स्पिनरों का प्रदर्शन एशिया कप में शानदार रहा है। श्रीलंका को हराकर भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गयी है। प्रेमदासा स्टेडियम में 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका 172 रन पर ही सिमट गयी। इस मैच में दोनो ही टीमों के स्पिनरों ने ही अधिकांश विकेट लिए।

हांगझोउ में स्वर्ण जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेगी भारतीय हॉकी टीम : कोच

चेन्नई ।भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब 23 सितंबर से हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) में मिली जीत का लाभ भारतीय टीम को आगामी एशियाई खेलों में मिलेगा ।उन्होंने साथ ही कहा,'' यह एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एशियाई खेल नहीं हैं, इसलिए हमें अति उत्साहित होने की जरूरत नहीं है पर अगर आप मुझसे पूछोगे कि एशियाई खेलों में जीत दर्ज करो और एसीटी फाइनल को हार जाओ, तो मैं निश्चित तौर पर एशियाई खेलों की जीत को चुनूंगा। '' भारत फाइनल में मध्यांतर तक 1–3 से पीछे चल रहा था लेकिन उसने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। इससे पहले भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जापान हो भी हराया था। कोच ने कहा,'' मलेशिया के खिलाफ मैच वास्तव में शानदार रहा ।इससे पहले जापान के खिलाफ मैच भी शीर्ष स्तर का रहा था ।मलेशिया ने पहले हाफ में शानदार खेल दिखाया ।हम भी खराब नहीं खेले पर हम सौ फीसदी प्रतिबद्ध नहीं दिखे जैसा कि हम चाहते थे ।'' उन्होंने कहा, ''हमने मध्यांतर के बाद अपने को फिर से संगठित किया जिसका लाभ हमें मिला और हम जीत दर्ज करने में सफल रहे ।इस टूर्नामेंट से टीम को अभ्यास के साथ ही अपनी गलतियां सुधारने का अच्छा अवसर मिला है ।

साइना नेहवाल का बयान, 'ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल, संन्यास के बारे में नहीं सोच रही'

कोलंबो (एजेंसी)। साइना नेहवाल को पता है कि अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल होगा लेकिन चोटों से जूझने वाली इस भारतीय खिलाड़ी का बैडमिंटन से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह अपने करियर को नया जीवन देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

लगातार चोटिल रहने और स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य समस्याओं के कारण हैदराबाद की 33 वर्षीय खिलाड़ी साइना कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पाई और इससे वह विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर खिसक गई। साइना ने यहां पत्रकारों से कहा,'' जब भी मैं एक या दो घंटे अभ्यास करती हूं तो मेरे घुटने में सूजन आ जाती है। मैं अपना घुटना नहीं मोड़ पाती हूं और इसलिए दूसरे सत्र के अभ्यास में भाग नहीं ले सकती। चिकित्सकों ने मुझे कुछ इंजेक्शन दिए हैं। बेशक ओलंपिक पास में है लेकिन उसके लिए क्वालीफाई करना मुश्किल है।''

उन्होंने कहा,'' लेकिन मैं वापसी के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास कर रही हूं। फिजियो मेरी मदद कर रहे हैं लेकिन अगर सूजन कम नहीं होती तो फिर पूरी तरह फिट होने में थोड़ा समय लगेगा। मैं भी अधूरे मन से नहीं खेलना चाहती हूं और ऐसे में परिणाम भी अनुकूल नहीं आएंगे।''

गुरुग्राम में 24 सितंबर को होने वाली हार्वेस्ट गोल्ड ग्लोबल रेस की ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त की गई साइना ने कहा,'' अगर आपको एन सेयॉन्ग, या ताई त्जु यिंग या अकाने (यामागुची) के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी है तो इसके लिए एक घंटे के अभ्यास से काम नहीं चलेगा। अगर आप इस तरह की उच्च स्तर की खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहे हैं तो आपको अपने खेल को भी उसी स्तर पर बनाए रखना होगा।''

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना ने आखिरी बार जून में सिंगापुर ओपन में भाग लिया था। उन्होंने अपना आखिरी खिताब जनवरी 2019 में मलेशिया मास्टर्स के रूप में जीता था। साइना से जब संन्यास के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा,'' वो तो सब को करना पड़ता है। ऐसी कोई समय सीमा तय नहीं है। जब भी आपको लगेगा कि आपका शरीर साथ नहीं दे रहा है तो आप खेलना बंद कर दोगे।।'' उन्होंने कहा,'' लेकिन अभी मैं प्रयास कर रही हूं। एक खिलाड़ी होने के नाते कोशिश करना मेरा काम है क्योंकि मैं इस खेल से प्यार करती हूं और मैं इतने लंबे समय से खेल रही हूं।''

साइना ने कहा,'' लेकिन अगर ऐसा नहीं होता तो इसका मतलब है कि मैंने कितना प्रयास किया। मैंने अपनी तरफ से हर संभव कोशिश की। मेरे कहने का मतलब है कि मुझे अफसोस नहीं होना चाहिए। मेरा लक्ष्य एशियाई खेल या ओलंपिक में खेलने का नहीं है क्योंकि इन प्रतियोगिताओं में मैंने काफी कुछ हासिल किया है और निश्चित तौर पर अगर मैं खेलने में सक्षम रहती तो इससे बेहतर कर सकती थी। देखते हैं आगे क्या होता है।'' साइना ने इसके साथ ही पीवी सिंधू के बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण अकादमी में एक सप्ताह तक अभ्यास करने के फैसले का समर्थन भी किया। उन्होंने कहा,'' अगर आपको लगता है कि किसी कोच के साथ या माहौल में आपको मदद नहीं मिल रही है तो फिर कोच बदलने से मदद मिल सकती है। आपको प्रयास करने होते हैं। मैंने ऐसा किया और मैं विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनी तथा विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची।''

साइना का मानना है कि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय एशियाई खेलों में पदक जीत सकते हैं। उन्होंने कहा,'' सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं विशेषकर प्रणय ने लगातार प्रतियोगिताओं में अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। एशियाई खेलों में कड़ी चुनौती होगी लेकिन मुझे लगता है कि प्रणय अच्छी फॉर्म में है और सिंधू बड़ी प्रतियोगिताओं में हमेशा अच्छा प्रदर्शन करती रही है।

30 साल पहले हुई लड़ाई बचपना था सनी देओल

बालीवुड एक्टर सनी देओल ने शाहरुख खान के साथ अपने बिगड़े रिश्ते पर खुलकर बात की।हाल ही में सनी देओल ने एक टीवी शो में शाहरुख के साथ झगड़े की बात पर कहा, एक वक्त आता है जब आप सब कुछ भूल जाते हैं और समझते हैं कि जो हुआ वो नहीं होना चाहिए था क्योंकि वह बचपना था। मुझे भी लगता है कि डर के बाद जो हुआ वो बचपना था और नहीं होना चाहिए था। हालांकि अब वो बीते वक्त की बात है। मैं और शाहरुख कई बार एक-दूसरे से मिल चुके हैं। हाल ही में उन्होंने पूरे परिवार के साथ मेरी फिल्म गदर 2 देखी, उन्होंने मुझे फोन करके फिल्म की तारीफ भी की। बता दें, साल 1993 में फिल्म डर में सनी देओल और शाहरुख खान ने साथ काम किया था। फिल्म में सनी देओल हीरो थे तो शाहरुख खान निगेटिव रोल में थे। हालांकि, इस सुपरहिट फिल्म के लिए सनी को नहीं बल्कि शाहरुख खान को तारीफें मिलीं थी। यहीं से दोनों के दुश्मनी पैदा हो गई। सनी देओल ने यशराज पर आरोप लगाया था कि उनको जिस तरह का रोल बताया गया, वैसा फिल्म में दिखाया नहीं गया। फिल्म में विलेन को ग्लोरिफाई किया गया और उसको ही हीरो की तरह पेश किया गया। ये उनके साथ एक तरह से धोखा था। खासतौर से फिल्म के क्लाइमैक्स सीन पर तो सनी इतने खफा थे कि उन्होंने बेहद तीखे शब्दों में मेकर्स की आलोचना की थी। सनी देओल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि डर का अनुभव उनकी जिंदगी का सबसे बेकार अनुभव रहा। उनसे झूठ बोला गया और मेकर्स ने धोखे से उनको साइडलाइन किया। सनी ने शाहरुख खान से 16 साल तक बोलचाल बंद रहने की बात को भी स्वीकार किया था। बता दें कि साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म डर के बाद शाहरुख खान और सनी देओल के रिश्ते ऐसे बिगड़े थे कि दोनों ने 16 साल तक एक-दूसरे से बात नहीं की। वहीं, हाल ही में जब सनी देओल की फिल्म गदर 2 रिलीज हुई तो इसकी सक्सेस पार्टी ने दोनों के बीच दोस्ती देखने को मिली। किंग खान सारे गिले शिकवे भूलकर सनी की फिल्म की सक्सेस पार्टी में पहुंचे और उन्हें बधाई दी।

आथिया ने लुटाया राहुल पर प्यार

एशिया कप 2023 के सुपर 4 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हुआ। इंडिया ने 50 ओवर में 356 रन बनाकर पाकिस्तान को करारी हार दी और भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। इसमें बल्लेबाजी में सबसे अहम योगदान विराट कोहली और केएल राहुल ने दिया, दोनों ही बल्लेबाजों ने शानदार शतक जमाया। जिसके बाद अथिया शेट्टी की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर अपने पतियों को इस जीत के लिए बधाई दी है। अथिया शेट्टी ने अपने पति और क्रिकेटर केएल राहुल के शतक पूरा करने पर एक खास पोस्ट शेयर करते हुए उनकी तारीफ की। उन्होंने पोस्ट में लिखा- अंधेरी रात भी खत्म होगी और सूरज निकलेगा.. तुम ही सबकुछ हो। आई लव यू। इसके साथ आथिया ने टीवी स्क्रीन की फोटो के साथ-साथ शतक के दौरान का वीडियो भी शेयर किया। वहीं, केएल राहुल के ससुर और एक्टर सुनील शेट्टी ने भी ब्लैक हार्ट शेयर कर अपनी खुशी जाहिर की।

राष्ट्रगान के दौरान करीना ने की गलती

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने एक ऐसी गलती कर दी, जिसे लेकर अब उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। हाल ही में करीना कपूर मुबंई में एक इवेंट में शामिल हुईं। जहां एक्ट्रेस को सम्मानित किया जाना था। दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर इस इवेंट से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना कपूर इवेंट में दीप प्रज्जवलित करते हुए नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस मोमबत्ती से दिया जला रही हैं लेकिन इस समय उन्होंने अपने पैरों में सैंडल पहने हुए हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने राष्ट्रगान के समय अपने हाथों को सीधा नहीं किया बल्कि हाथ बांधे हुए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद से लोग सोशल मीडिया पर बेबो की जमकर टांग खिचाई कर रहे हैं।

एक यूजर ने कहा इन्हें कोई बताओ कि राष्ट्रगीत गाते समय सावधान की मुद्रा में खड़े होते हैं हाथ पकड़ के नहीं। एक अन्य यूजर ने लिखा यहां भी एक्टिंग कर रही हो क्या? वहीं एक दूसरे व्यक्ति ने कहा दीप प्रज्जवलित करना कोई मजाक है क्या, जो जूते चप्पल सहित जला रही हो... थोड़ी तो शरम करो। इसी तरह कई यूजर्स एक्ट्रेस को खूब ट्रोल कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर जल्द ही ओटीटी पर जान जाने के जरिए डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

इस फिल्म में बेबो के अलावा विजय वर्मा और जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इससे पहले करीना कपूर को आखिरी बार आमिर खान के साथ लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था। बता दें कि आजकल बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अपनी लेटेस्ट फिल्म जाने जान को लेकर सुर्खियों में बनी हुईं हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है जिसे दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है।

सुपरस्टार प्रभास के फैंस के लिए बुरी खबर!

सुपरस्टार प्रभास की 2023 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सालार' पोस्टपोन हो गई है। यह फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन 'अप्रत्याशित परिस्थितियों' के कारण इसमें देरी हो रही है। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की देरी के बारे में बुधवार को घोषणा की। एक्स पर एक बयान में प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स ने कहा कि वह उचित समय पर प्रभास-स्टारर सालार की नई तारीख का खुलासा करेगा। पिछले कुछ हफ्तों से सालार के स्थगित होने की खबरें आ रही थीं। अब होम्बले फिल्म्स ने अंततः फिल्म की देरी की पुष्टि की।' एक असाधारण सिनेमाई अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध। बैनर ने पोस्ट में कहा, हमारी टीम उच्चतम मानकों को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। अखिल भारतीय फिल्म श्रृंखला का पहला भाग, जिसका शीर्षक 'सालार पार्ट 1: सीजफायर' है, को एक बड़े बजट की एक्शन एडवेंचर के रूप में पेश किया गया है। इसका निर्देशन 'केजीएफ' फ्रेंचाइजी के प्रशांत नील ने किया है और विजय किरागांदुर ने इसका निर्माण किया है। होम्बले फिल्म्स ने आगे कहा, 'नई रिलीज डेट उचित समय पर घोषित की जाएगी। हमारे साथ बने रहें क्योंकि हम #SalaarCeaseFire को अंतिम रूप दे रहे हैं और इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद।' कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'सालार' नवंबर या दिसंबर में रिलीज हो सकती है। जल्द ही आधिकारिक तारीख मिलने की उम्मीद है।

मानुषी छिल्लर की फ़िल्म 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड की खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने न केवल अपने आकर्षक लुक और बेदाग फैशन सेंस के लिए बल्कि अपनी असाधारण प्रतिभा और सामाजिक मुद्दों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए भी व्यापक प्रशंसक जुटाई हैं। पृथ्वीराज में अपनी उल्लेखनीय शुरुआत के बाद अब वह द ग्रेट इंडियन फ़ैमिली में विक्की कौशल, मनोज पाहवा और कुमुद मिश्रा जैसे शानदार कलाकारों के साथ सिल्वर स्क्रीन पर बहुप्रतीक्षित फिल्म के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। फ़िल्म में मानुषी छिल्लर एक मजबूत और विचारशील महिला की भूमिका निभाती नज़र आएंगी। दर्शकों को फ़िल्म में मानुषी और विक्की की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री बहुत पसंद आ रही है। यह फिल्म विजय कृष्ण आचार्य द्वारा निर्देशित और यशराज फिल्म्स के प्रोडक्शन तले निर्मित है। इसका म्यूजिक प्रीतम ने कंपोज किया है, जो अपनी मेलोडी से प्रभावित करने में कभी असफल नहीं होते। बॉलीवुड में मानुषी छिल्लर की यात्रा असाधारण से कम नहीं है। वहीं द ग्रेट इंडियन फैमिली का ट्रेलर एक राइज़िंग स्टार के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि करता है। यह फिल्म उन लोगों के लिए एक पसंदीदा विकल्प साबित हो सकती है, जो एक्शन के साथ पारिवारिक ड्रामा पसंद करते हैं। द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

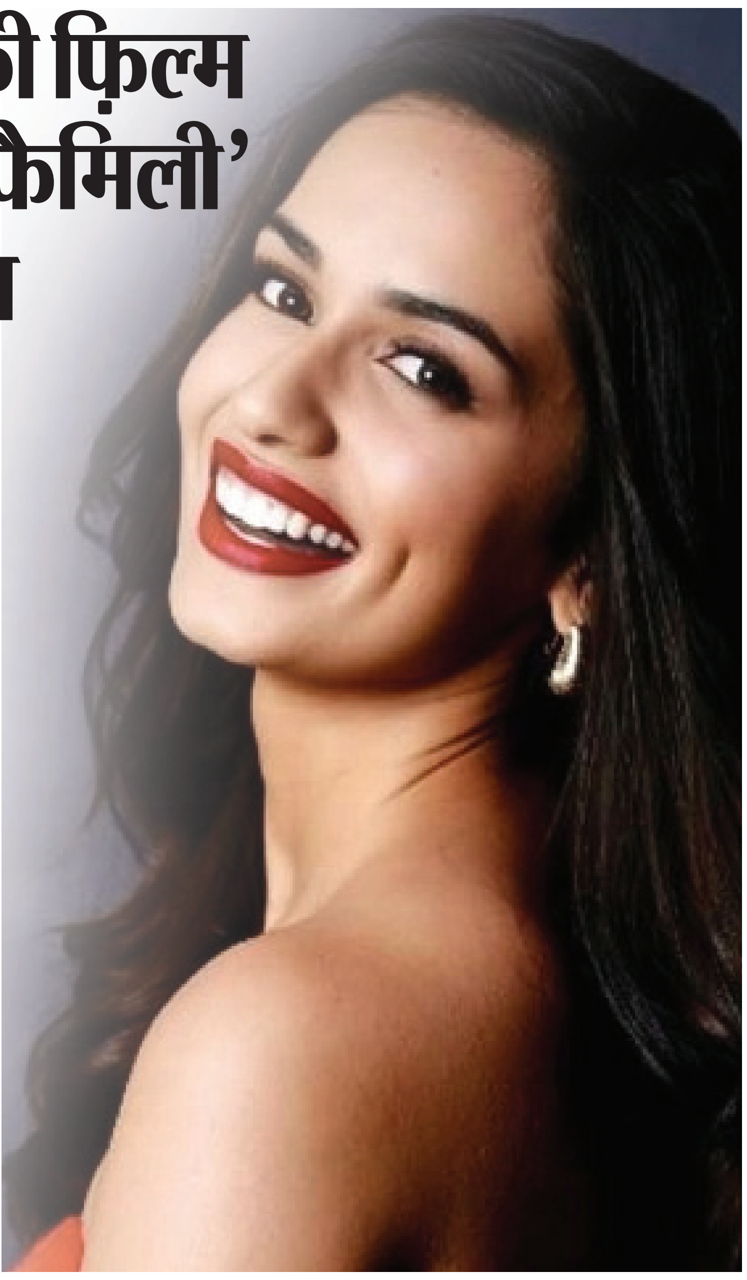

अगले साल 15 अगस्त को रिलीज होगी पुष्पा-2

अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा द: रूल अगले साल 15 अगस्त के दिन रिलीज होगी। फिल्म मेकर्स ने रिलीज डेट अनाउंस करने के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी शेयर किया है। ये फिल्म 2021 में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा: द राइज की सीक्वल है। ये फिल्म अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम अगेन के साथ बॉस-ऑफिस पर लैश होगी। इस साल अप्रैल में फिल्म के डायरेटर रोहित शेट्टी ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की थी।

अल्लू अर्जुन ने भी शेयर किया फिल्म का रिलीज डेट पोस्टर

फिल्ममेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- पुष्पा राज बॉस-ऑफिस को एक बार फिर अपने नाम करने आ रहा है। फिल्म के नए पोस्टर में पुष्पा राज का हाथ करीब से दिख रहा है। अल्लू अर्जुन का लुक अभी रिवील नहीं किया गया है। अल्लू अर्जुन ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ये पोस्टर शेयर किया है। इस बार भी फिल्म में फहाद फाजिल और रश्मिका मंदाना नजर आएंगे। बीते दिनों अल्लू अर्जुन को फिल्म पुष्पा द: राइज में उनकी परफॉर्मेंस के लिए नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। इनके अलावा फिल्म के यूजिक कंपोजर देवी श्री प्रसाद को भी नेशनल अवॉर्ड से समानित किया गया। फिल्म 'पुष्पा: द राइज' ने बॉस-ऑफिस पर वर्ल्डवाइड 332 करोड़ की कमाई की थी। इस फिल्म में पुष्पा नाम के मजदूर की जिंदगी चंदन की लकड़ी के बिजनेस को करीब से देखने से पूरी तरह बदल जाती है। फिल्म की स्टोरी लाइन के अलावा अल्लू अर्जुन की पर्सनैलिटी, करैटर और फिल्म के गाने भी काफी पसंद किए गए।